महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 17 अंक : 24

उज्जैन, शनिवार 04 जुलाई 2026

पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

सुविचार

हर वो शख्स अनमोल है... जो आपको मुरझाने ना दे..

न्यूज ब्रीफ

श्रमिकों पर हमले में NHRC का क्क सरकार और DGP को नोटिस, दो सप्ताह में मांगी विस्तृत रिपोर्ट

नई दिल्ली/ जीएनएस। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने गुरुवार को मुजफ्फरनगर जिले में एक फैक्ट्री में 12 बंधुआ श्रमिकों के खिलाफ कथित अत्याचारों के मामले में उत्तर प्रदेश सरकार और राज्य के पुलिस प्रमुख को नोटिस जारी किया है। मानवाधिकार पैनल ने अधिकारियों से दो सप्ताह में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। एक बयान में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने कहा कि उसने एक मीडिया रिपोर्ट का स्वतः संज्ञान लिया है जिसमें 12 बंधुआ श्रमिकों को कैद में पीटा गया और उन्हें पर्याप्त भोजन और वेतन के बिना लगभग डेढ़ साल तक मध्यरात्रि तक काम करने के लिए मजबूर किया गया बताया गया है। यह घटना मुजफ्फरनगर जिले के मंडी गांव में एक पेपर प्लेट निर्माण फैक्ट्री में हुई थी। श्रमिक ने फैक्ट्री से भागने में सफलता पाई और तितावी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई, जिसके परिणामस्वरूप अन्य श्रमिकों को बचाया गया। एनएचआरसी ने कहा, उनकी चिकित्सा जांच में कई चोटें, जैसे कि खरोंच, कट, फ्रैक्चर और लंबे समय तक शारीरिक शोषण के संकेत मिले। रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने पाया कि एक व्यक्ति की भी मौत हो गई है।यह जांच की जा रही है कि क्या और भी मौतें हुई हैं। आयोग ने यह भी देखा कि यदि समाचार रिपोर्ट का सामग्री सत्य है, तो यह मानवाधिकारों के उल्लंघन के गंभीर मुद्दे उठाती है। इसलिए, आयोग ने उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी किया है, जिसमें दो सप्ताह में इस पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है।मानवाधिकार निकाय ने मुजफ्फरनगर के जिला मजिस्ट्रेट को भी निर्देश दिया है कि वे श्रम और रोजगार मंत्रालय की मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार और बंधुआ श्रमिक प्रणाली (उन्मूलन) अधिनियम, 1976 के प्रकाश में इस मामले की जांच करें।

यूपी में सभी विभागों को अपने भवनों पर लगाने होंगे सोलर संयंत्र, मुख्य सचिव एसपी गोयल ने दिए निर्देश

लखनऊ/ जीएनएस। मुख्य सचिव एसपी गोयल ने शुक्रवार को सभी विभागों को अपने-अपने भवनों की छतों पर शीघ्र सोलर संयंत्र लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने सरकारी व अर्धसरकारी भवनों पर रूफटाप सोलर संयंत्र स्थापित कराए जाने की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि सरकारी भवनों की छतों का अधिकतम उपयोग कर सौर ऊर्जा उत्पादन को बढ़ाया जाए। इससे बिजली पर निर्भरता कम होगी और सरकारी व्यय में बचत होगी।

मुख्य सचिव ने अपने कार्यालय के सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में कहा कि सोलर संयंत्र लगाने से पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूती मिलेगी।सभी विभाग अपने-अपने भवनों का सर्वेक्षण कर पात्र भवनों पर शीघ्र इसे लगवाएं।

मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया कि प्रदेश सरकार स्वच्छ, हरित और आत्मनिर्भर ऊर्जा व्यवस्था को प्राथमिकता दे रही है। इस कार्य के लिए सभी विभागों द्वारा एक अधिकारी को नोडल अधिकारी नामित किया जाए तथा स्थापना की प्रगति की नियमित समीक्षा की जाए।

किसी प्रकार की तकनीकी या प्रशासनिक बाधा हो, उसका त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा के व्यापक उपयोग से न केवल सरकारी संस्थानों के बिजली बिल में कमी आएगी, बल्कि कार्बन उत्सर्जन घटाने और पर्यावरण संरक्षण के राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी प्रदेश की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

सांदीपनि विद्यालयों का लोकार्पण बने आनंदोत्सव, हर विद्यार्थी की हो सहभागिता : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

नवनिर्मित 70 सांदीपनि विद्यालयों का 15 जुलाई तक करायें लोकार्पण

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को मंत्रालय प्रदेश के सभी नवनिर्मित सांदीपनि विद्यालयों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने स्कूल शिक्षा और जनजातीय कार्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन विद्यालयों का लोकार्पण औपचारिक कार्यक्रम न होकर शिक्षा, संस्कृति और जनभागीदारी का सामाजिक उत्सव बने। उन्होंने कहा कि वर्तमान में संचालित %स्कूल चलें अभियान% के दौरान आयोजित होने वाले इन कार्यक्रमों में विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों, जनप्रतिनिधियों तथा स्थानीय नागरिकों की व्यापक सहभागिता सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सांदीपनि विद्यालयों का लोकार्पण आनंद के उत्सव के रूप में मनाया जाए। यह नए भवनों के उद्घाटन के साथ हमारे नौनिहालों के उज्ज्वल भविष्य और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के नए अध्याय का शुभारंभ है। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यक्रमों को यादगार बनाने के लिए बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम, विभिन्न प्रतियोगिताएँ तथा अन्य रचनात्मक गतिविधियां आयोजित की जाएँ। साथ ही सभी विद्यार्थियों को स्वल्पाहार एवं मिष्ठान्न वितरित किया जाए, जिससे यह अवसर उनके लिए अविस्मरणीय बन सके।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरु सांदीपनि के प्रेरणादायी जीवन पर आधारित एक लघु पुस्तिका (पॉकेट बुक) प्रकाशित कर विद्यार्थियों में वितरित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गुरु सांदीपनि तत्समय सामाजिक समरसता के सबसे बड़े पैरोकार थे। उन्होंने जाति, वर्ग, रंग का भेद न करके अमीर-गरीब से लेकर राज परिवार के बच्चों सहित गरीबों और किसानों के बच्चों को शिक्षा-दीक्षा दी। सभी को समान रूप से दीक्षित किया। उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व के बारे में हम सबके विशेषकर विद्यार्थियों को जानना जरूरी है। इससे विद्यार्थियों को प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा, गुरु-शिष्य संबंधों और नैतिक मूल्यों के बारे में जानकारी और प्रेरणा मिलेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिन सांदीपनि विद्यालयों का लोकार्पण पहले ही हो चुका है, वहाँ प्रवेशोत्सव उत्साहपूर्वक आयोजित किया जाए, जिससे अधिक से अधिक विद्यार्थियों का विद्यालयों से जुड़ाव बढ़े। उन्होंने अधिकारियों से सभी तैयारियाँ समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक सांदीपनि विद्यालय प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण, संस्कारयुक्त और आधुनिक शिक्षा का आदर्श केंद्र बने। बैठक में जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह तथा स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने वर्चुअली सहभागिता की।

बैठक में सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. संजय गोयल ने बताया कि वर्तमान में 70 सांदीपनि विद्यालय भवनों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। इसमें स्कूल शिक्षा विभाग के 46 एवं जनजातीय कार्य विभाग के 24 (कुल 70) सांदीपनि विद्यालय लोकार्पण के लिए तैयार हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिलों के प्रभारी मंत्री एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में इनका लोकार्पण कराया जाये। उन्होंने कहा कि आने वाली गुरु पूर्णिमा (29 जुलाई) के दिन हर जिले के एक सांदीपनि विद्यालय में प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में गुरु पूर्णिमा उत्सव मनाया जाये। इसमें विज्ञान प्रदर्शनी आयोजन, गुरुजनों का सम्मान, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा किए गए नवाचारों की जानकारी प्रदाय, विद्यार्थियों द्वारा डिजिटल एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का प्रदर्शन सहित स्कूल के मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान जैसे आयोजन किये जायें।

महाराष्ट्र में नौ पुलिसकर्मियों को उम्रकैद, 15 साल पहले हिरासत में युवक की पीट-पीटकर ले ली थी जान

नई दिल्ली/ जीएनएस। महाराष्ट्र के वाशिम जिले की एक अदालत ने गुरुवार को 2011 के हिरासत में मौत के मामले में नौ पुलिसकर्मियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। यह मामला बेग्या पवार की मौत से संबंधित है। उसे जांच के संबंध में वाशिम की रिसोड पुलिस द्वारा हिरासत में लिया गया था।

सरकारी वकील श्रीराम कालू ने बताया कि जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश जेपी झपाटे ने रिसोड पुलिस थाने के तत्कालीन प्रभारी माधव धांडे के साथ पुलिसकर्मियों मदन पवार, शिवाजी खिल्लारी, पंजाब पाटकर, रमेश पवार, प्रकाश तारम, नागोराव खांडके, अशोक वैद्य और वसंत जाधव को भारतीय दंड संहिता और दंड प्रक्रिया संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत दोषी पाया।

मृतक के स्वजन द्वारा पुलिस पर उसे प्रताड़ित करने का आरोप लगाए जाने के बाद इस मामले की जांच सीआइडी को सौंपी गई थी।

सीआईडी द्वारा अदालत में प्रस्तुत परिस्थितिजन्य साक्ष्य, चिकित्सकीय रिपोर्ट और गवाहों के बयान नौ पुलिसकर्मियों की दोषसिद्धि में निर्णायक साबित हुए।

अदालत ने बचाव पक्ष के उन दावों को खारिज कर दिया कि पुलिसकर्मी अपनी सरकारी ड्यूटी निभा रहे थे।

अदालत ने कहा कि पुलिस अधिकारी निर्दोष नागरिकों के रक्षक होते हैं। लेकिन उन्होंने बेग्या पवार की पिटाई की, जिससे उसकी मौत हो गई।

इसलिए इस मामले में उनका काम सरकारी ड्यूटी के दायरे में नहीं आता है। अदालत ने कहा कि आरोपितों का काम बहुत ही क्रूर था।

अदालत ने गौर किया कि पीड़ित को गैर-कानूनी तरीके से हिरासत में लिया गया और बेरहमी से पीटा गया। इससे उसे 44 चोटें आईं और अंततः उसकी मौत हो गई।

राजस्थान हाइ कोर्ट ने मांगी डकैत जगन गुर्जर हत्याकांड की रिपोर्ट, 29 जून को हुई थी अजमेर जेल में हत्या

जयपुर/ जीएनएस। राजस्थान उच्च न्यायालय ने अजमेर जेल में हुए डकैत जगन गुर्जर हत्याकांड मामले की रिपोर्ट मांगी है। हाइ कोर्ट ने घटना से जुड़े कैमरों की रिकार्डिंग भी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

कोर्ट ने पूछा है कि इस घटना के बाद क्या किसी अधिकारी की जिम्मेदारी तय की गई है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एस.पी.शर्मा और मनीष शर्मा की खंडपीठ ने गुरुवार को यह आदेश जेल व्यवस्थाओं में सुधार से जुड़े मामले का स्वप्रेरित संज्ञान लेते हुए दिया।

उच्च न्यायालय ने कहा कि घटना के बाद मीडिया रिपोर्ट से पता चलता है कि अजमेर जेल में लगे सीसीटीवी कैमरे में कुछ रिकार्ड ही नहीं हुआ है। उधर गुरुवार को मिली जगन की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया कि उसका दो बार गला दबाया गया था। उसने बचने के लिए संघर्ष तक नहीं किया।

पांच सदस्यीय मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट में बताया गया कि जगन की हत्या गला दबाने से हुई है। जगन की गर्दन पर करीब 29 सेंटीमीटर लंबा गहरा दबाव का निशान मिला है।

गर्दन के बाएं हिस्से पर मुख्य निशान से नीचे एक और अलग चोट का निशान मिला है। अब यह सवाल उठ रहा है कि जगन ने बचने के लिए संघर्ष क्यों नहीं किया है।

जगन के स्वजन पहले ही उसे जहर देने का आरोप लगा चुके हैं। उल्लेखनीय है कि जगन की हत्या जेल में 29 जून को उसी की बैरक में रहने वाले कुलदीप ने तौलिए से गला दबाकर की थी।

क्या लगातार होने वाली गिरफ्तारियों के खिलाफ हेबियस कार्पस याचिका विचारणीय है? सुप्रीम कोर्ट करेगा समीक्षा

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट ने एक बेहद महत्वपूर्ण कानूनी सवाल पर विचार करने की सहमति दी है। कोर्ट अब इस बात की समीक्षा करेगा कि क्या बार-बार होने वाली गिरफ्तारियों के कारण किसी आरोपित की लगातार हिरासत को चुनौती देने वाली %बंदी प्रत्यक्षीकरण% (हेबियस कार्पस) याचिका कानूनी रूप से विचारणीय है या नहीं।

जस्टिस एम.एम. सुंदरेश और जस्टिस शील नागू की पीठ ने गैंगस्टर हाजी अब्दुल रज्जाक की याचिका पर मध्य प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया है। रज्जाक अगस्त 2021 से हिरासत में है, और उसका दावा है कि उसे आज तक गिरफ्तारी के लिखित आधार भी उपलब्ध नहीं कराए गए हैं।

दरअसल, मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने रज्जाक की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि उसकी हिरासत को अवैध नहीं कहा जा सकता, क्योंकि वह वर्तमान में दर्ज आपराधिक मामलों के तहत जेल में है।

शीर्ष अदालत इसी फैसले के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई कर रही है। रज्जाक की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे ने दलील दी कि याचिकाकर्ता को गिरफ्तारी के आधार लिखित में नहीं दिए गए, जो कि बुनियादी अधिकारों का उल्लंघन है। दूसरी ओर, मध्य प्रदेश सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू ने याचिका की विचारणीयता पर ही सवाल उठाया और हाईकोर्ट के फैसले को सही ठहराया।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला : भाजपा विधायक पर चंदा संग्रह में अनियमितता का आरोप

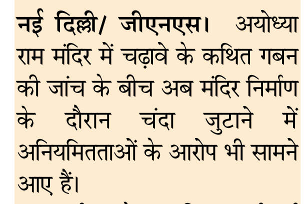

नई दिल्ली/ जीएनएस। अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे के कथित गबन की जांच के बीच अब मंदिर निर्माण के दौरान चंदा जुटाने में अनियमितताओं के आरोप भी सामने आए हैं।

कर्नाटक के सामाजिक कार्यकर्ता दीपक पाटिल ने उत्तर प्रदेश विशेष जांच दल (एसआईटी) को पत्र लिखकर भाजपा विधायक प्रभु चव्हाण समेत तीन लोगों के खिलाफ जांच की मांग की है।

दीपक पाटिल ने एसआईटी जांच की मांग की- बीदर जिले के चोंदोरी गांव निवासी पाटिल ने अपनी शिकायत में औरद से भाजपा विधायक प्रभु चव्हाण, विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के नेता गोपालजी और उनके सहयोगी सतीश नौबड़े पर आरोप लगाया है कि राम मंदिर निर्माण के लिए चंदा संग्रह के दौरान कथित अनियमितताएं हुईं और इसी अवधि में इनकी संपत्तियों में असामान्य वृद्धि हुई।

शिकायत में बेनामी अचल संपत्ति अर्जित करने के आरोपों की भी जांच कराने की मांग की गई है।पाटिल का दावा है कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण अभियान शुरू होने और चंदा संग्रह की प्रक्रिया के दौरान ही संबंधित लोगों की संपत्ति कई गुना बढ़ी।

पहले खत्म करो आतंकवाद, फिर होगी सिंधु जल समझौते पर बात, भारत की पाकिस्तान को दो टूक

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत ने आज शुक्रवार 3 जुलाई को सिंधु जल समझौते को लेकर पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने फिर कहा कि पाकिस्तान की तरफ से सीमा-पार आतंकवाद को समर्थन देने की वजह से सिंधु जल संधि पर भारत का रुख फिलहाल रुका हुआ है।

साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, सिंधु जल संधि पर भारत का रुख एक जैसा है। पाकिस्तान द्वारा सीमा-पार आतंकवाद को लगातार बढ़ावा देने के जवाब में Indus Waters Treaty फिलहाल रुकी हुई है।

विदेश मंत्रालय की तरफ से तीस्ता नदी परियोजना पर भी जवाब दिया गया है। रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत ने प्रस्तावित तीस्ता नदी परियोजना पर बांग्लादेश को अपना पक्ष पहले ही बता दिया है।

आतंकवाद रोको, फिर बात करो- रणधीर जायसवाल ने कहा, पाकिस्तान को सीमा-पार आतंकवाद के लिए अपना समर्थन भरोसेमंद और पक्के तौर पर छोड़ना होगा।

भारत ने 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद सिंधु जल समझौते को रोक दिया था। भारत के इस सख्त कदम के बाद ही पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। इस हफ्ते की शुरुआत में, पाकिस्तान पीपल्स पार्टी के चेयरमैन बिलावल भुट्टो-जरदारी ने भारत को गीदड़भभकी दी थी और नई भारत पर पानी का इस्तेमाल रणनीतिक हथियार के तौर पर करने की बात कही थी।

ANI के मुताबिक बिलावल ने कहा, पाकिस्तान को साफ-साफ बात करनी चाहिए। सिंधु कोई दबाव बनाने का जरिया नहीं है। सिंधु कोई मोल-भाव करने की चीज नहीं है। सिंधु कोई ऐसा हथियार नहीं है जिसे भारत के हाथों में सौंप दिया जाए। बिलावल भुट्टो ने आगे कहा था, सिंधु पाकिस्तान की जीवन रेखा है। और इस जीवन रेखा को गले का फंदा बनाने की किसी भी कोशिश को हमारे देश के अस्तित्व के लिए खतरा माना जाना चाहिए। यही संदेश पाकिस्तान को भारत तक पहुंचाना चाहिए।

रफीक के माध्यम से भारत में जासूसों तक पैसे पहुंचा रही थी पाकिस्तान की ISI, बैंक खातों से टेरर फंडिंग का पर्दाफाश

जयपुर/ जीएनएस। महाराष्ट्र के औरंगाबाद से गिरफ्तार किए गए 41वर्षीय रफीक चांद शेख के बारे में कई चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं।

राजस्थान सीआईडी की जांच में सामने आया कि रफीक पिछले चार साल से पाकिस्तान के लिए जासूसी गतिविधियों में शामिल लोगों तक पैसे पहुंचाता था।

यह पैसा आईएसआई रफीक तक पहुंचाती थी। इस साल जनवरी में जैसलमेर निवासी झाबराराम और असम के डिब्रूगढ़ वायुसेना स्टेशन पर एमटीएस पद पर तैनात सुमित कुमार को गिरफ्तार करने के बाद हुई पूछताछ में रफीक का नाम सामने आया।

झाबराराम और सुमित ने महत्वपूर्ण जानकारियां आईएसआई तक पहुंचाई थी, जिसके बदले उन्हें रफीक ने पैसे दिए थे।

सूत्रों के अनुसार, जांच में सामने आया कि पाकिस्तानी हैंडलर्स ने झाबराराम को जैसलमेर के संवेदनशील क्षेत्रों की जानकारी भेजने का काम सौंपा था।

वह सेना के मूवमेंट, हथियारों एवं सैन्य ठिकानों की जानकारी इंटरनेट मीडिया के जरिये पाकिस्तानी हैंडलर्स को भेजता था, जिसके बदले पाकिस्तानी हैंडलर्स रफीक के माध्यम से पैसा पहुंचाते थे।

सूत्रों के अनुसार, अब सीआईडी रफीक के पास मिले फर्जी बैंक खातों और झाबराराम के बैंक स्टेटमेंट का मिलान कर रही है।

मंत्री सिलावट ने 4 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे कबड्डी स्टेडियम के निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

अधिकारियों को समय-सीमा में कार्य पूर्ण कर शीघ्र लोकार्पण सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के जल संसाधन मंत्री एवं सांवेर विधायक श्री तुलसीराम सिलावट ने सांवेर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम डकाच्या में लगभग 4 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन कबड्डी स्टेडियम का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण कर आगामी माह में स्टेडियम का लोकार्पण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री सिलावट ने स्टेडियम में खिलाड़ियों और दर्शकों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को कबड्डी कोर्ट में उच्च गुणवत्ता की वुडन फ्लोरिंग, कबूतरों से सुरक्षा के लिए जाली, आधुनिक प्रकाश व्यवस्था, पर्याप्त एग्जॉस्ट पंखों की स्थापना तथा पेयजल की स्थायी व्यवस्था के लिए बोरिंग कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्टेडियम का निर्माण इस प्रकार किया जाए कि यह राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए भी उपयुक्त हो।

मंत्री श्री सिलावट ने बताया कि ग्राम डकाच्या में निर्माणाधीन यह स्टेडियम इंदौर जिले का पहला डबल कबड्डी कोर्ट होगा, जो क्षेत्र के खिलाड़ियों को आधुनिक खेल सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को बेहतर अवसर प्रदान करने तथा खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह महत्वपूर्ण परियोजना तैयार की जा रही है।

उन्होंने बताया कि स्टेडियम में लगभग 500 दर्शकों के बैठने की क्षमता विकसित की जा रही है। इसके साथ ही खिलाड़ियों के लिए आधुनिक चेंजिंग रूम, सुलभ एवं स्वच्छ शौचालय, पेयजल सहित अन्य आवश्यक आधारभूत सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। स्टेडियम के पूर्ण होने से क्षेत्र के खिलाड़ियों को अभ्यास एवं प्रतियोगिताओं के लिए उत्कृष्ट खेल अधोसंरचना उपलब्ध होगी और उन्हें बड़े स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

मंत्री श्री सिलावट ने अधिकारियों को निर्माण कार्य की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न करने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप एवं समय पर पूर्ण किए जाएं, ताकि खिलाड़ियों को शीघ्र ही इस आधुनिक खेल परिसर का लाभ मिल सके।

निरीक्षण के दौरान मंडल अध्यक्ष श्री रवि वाजपेयी, जिला पंचायत सदस्य श्री माखन पटेल, श्री हुकुम पटेल, श्री रमेश पटेल, श्री प्रहलाद पटेल, श्री घनश्याम पटेल, श्री गिरीश पटेल सहित जनप्रतिनिधि, संबंधित विभागों के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

खतरे में कई परिवार: इंदौर में बिजली की हाईटेंशन लाइनों के आसपास 1031 अवैध निर्माण; खजराना, देवगुराड़िया में सबसे ज्यादा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्य क्षेत्र में हाई टेंशन लाइनों के आसपास व नीचे सुरक्षा कॉरिडोर में अवैध निर्माण को लेकर प्रशासन, नगरीय निकाय व ट्रांसको के बीच टेंशन बढ़ता जा रहा है। विभिन्न सरकारी विभागों के बीच समन्वय के अभाव के चलते इंदौर में 1031 निर्माण और अन्य जिलों के कार्य क्षेत्र में 903 निर्माणों को चिह्नित किया जा चुका है, लेकिन इसके बावजूद भी इन्हें हटाने के लिए कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पा रही है।

बिजली वितरण कंपनी का साफ तौर पर कहना है कि वे इन जोखिमपूर्ण निर्माणों को हटाने के लिए लगातार अभियान चला रहे हैं। लेकिन स्थानीय प्रशासन व नगरीय निकायों से अपेक्षित सहयोग नहीं मिल पा रहा है। उनकी आनाकानी और ढुलमुल रवैये के चलते इन इलाकों में रह रहे कई परिवारों पर लगातार बड़ा खतरा मंडरा रहा है।

आईडीए और नगरीय निकाय नहीं कर रहे हैं मदद- कंपनी के उच्च अफसरों के अनुसार, इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए स्थानीय प्रशासन, इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए), नगरीय निकाय और नगर व ग्राम निवेश विभाग (टीएंडसीपी) से लगातार पत्राचार किया जा रहा है। जमीनी स्तर पर सहयोग नहीं मिलने के कारण सुरक्षा कॉरिडोर से इन अवैध कब्जाधारियों और निर्माणों को हटाने में विभाग को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

नियमों का पालन अनिवार्य हो- ऊर्जा मंत्री इस संबंध में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर का कहना है कि हाई टेंशन लाइनों के सुरक्षा कॉरिडोर को लेकर बेहद स्पष्ट नियम बनाए गए हैं। सभी सरकारी एजेंसियों की यह जिम्मेदारी है कि वे इन नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करवाएं। ट्रांसको इस गंभीर विषय पर कई बार उच्च स्तर पर चर्चा कर चुका है, लेकिन इसके बावजूद धरातल पर अनदेखी का सिलसिला लगातार जारी है।

भूषण स्टील के पूर्व प्रमोटर की पत्नी की इंदौर स्थित भूमि

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ईडी ने भूषण स्टील लिमिटेड से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में बड़ी कार्रवाई की है। इस कार्रवाई के तहत ईडी ने कंपनी के पूर्व प्रमोटर नीरज सिंघल की पत्नी रितु सिंघल की 58.34 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियां अस्थायी रूप से कुर्क कर ली हैं। इन संपत्तियों में इंदौर स्थित भूमि और भवन का हिस्सा भी शामिल है।

इक्विटी शेयर तथा बैंक खातों में जमा राशि शामिल है- ईडी ने गुरुवार को बताया कि यह कार्रवाई मनी लांड्रिंग निवारण अधिनियम के तहत 24 जून को जारी आदेश के आधार पर की गई। कुर्क की गई संपत्तियों में इंदौर स्थित भूमि और एक आवासीय संपत्ति का हिस्सा, रितु सिंघल के नाम पर मौजूद इक्विटी शेयर तथा बैंक खातों में जमा राशि शामिल है।

यह मामला कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय के तहत गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआईओ) द्वारा भूषण स्टील, नीरज सिंघल और अन्य के खिलाफ दर्ज शिकायत से जुड़ा है।

ईडी के अनुसार, जांच में सामने आया कि नीरज सिंघल और उनके सहयोगियों ने वैध कारोबारी लेनदेन का दिखावा कर भूषण स्टील से धन का दुरुपयोग किया, जिससे बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों को 11,446.73 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। एजेंसी का आरोप है कि हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड से खरीदे गए जिंक इन्गाट्स, जिन्हें कंपनी के संयंत्रों में इस्तेमाल होना था, उन्हें रिकॉर्ड से बाहर खुले बाजार में बेच दिया गया।

इस बिक्री से प्राप्त नकदी का इस्तेमाल फर्जी लांग टर्म कैपिटल गेन दिखाने और पेनी स्टॉक कंपनियों के जरिए अवैध लेनदेन करने में किया गया। ईडी ने दावा किया कि जांच के दौरान संबंधित अवधि में बैंक खातों में बड़ी मात्रा में अघोषित नकदी जमा होने के प्रमाण भी मिले हैं।

इन्दौर में लिपिक वर्गीय कर्मचारियों के लिये 1 अगस्त से प्रारंभ होगा लेखा प्रशिक्षण सत्र

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्राचार्य, लेखा प्रशिक्षण शाला, इन्दौर द्वारा संभाग इन्दौर के अंतर्गत आने वाले समस्त शासकीय कार्यालयों के नियमित लिपिक वर्गीय कर्मचारियों के लिए लेखा प्रशिक्षण शाला का नवीन प्रशिक्षण सत्र 1 अगस्त 2026 से 31 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किया जाएगा।

प्रशिक्षण में संभाग इन्दौर के विभिन्न शासकीय कार्यालयों में कार्यरत ऐसे नियमित लिपिक वर्गीय कर्मचारी आवेदन कर सकेंगे, जिनकी परिवीक्षा अवधि पूर्ण हो चुकी हो तथा जिन्होंने मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र दिनांक 1 जुलाई 2013 के अनुसार सी.पी.सी.टी. परीक्षा उत्तीर्ण की हो। शासन के निर्देशानुसार सीधी भर्ती अथवा पदोन्नति के पदों पर सी.पी.सी.टी. से छूट प्राप्त कर्मचारियों तथा मध्यप्रदेश शासन, वित्त विभाग के पत्र दिनांक 23 दिसंबर 2025 के अनुसार निर्धारित अनिवार्य अर्हताएँ पूर्ण करने वाले कर्मचारी भी आवेदन के पात्र होंगे।

प्रशिक्षण में प्रवेश ÷पहले आओ, पहले पाओ÷ के आधार पर दिया जाएगा। इच्छुक कर्मचारी निर्धारित प्रपत्र-अ में आवेदन पत्र भरकर 15 जुलाई 2026 तक प्राचार्य, लेखा प्रशिक्षण शाला, इन्दौर में कार्यालयीन समय के दौरान जमा कर सकते हैं।

यह प्रशिक्षण मध्यप्रदेश शासन के समस्त विभागों के लिपिक वर्गीय कर्मचारियों के लिए निःशुल्क रहेगा। वहीं स्थानीय निकायों, अर्द्धशासकीय विभागों एवं संस्थाओं के लिपिक वर्गीय कर्मचारियों को प्रशिक्षण में प्रवेश के उपरांत 5,000 रुपये का शुल्क निर्धारित लेखा शीर्ष 0070-60-800-0000 के अंतर्गत चालान के माध्यम से अनिवार्य रूप से जमा करना होगा।

प्रशिक्षण हेतु आवेदन पत्र का निर्धारित प्रारूप कार्यालयीन समय में लेखा प्रशिक्षण शाला, इन्दौर से प्राप्त किया जा सकता है।

अभिभावक बच्चों से करें खुलकर चर्चा- पूनम बलेचा, होलकर कॉलेज में अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय होलकर विज्ञान महाविद्यालय में शुक्रवार को नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में परामर्श मनोवैज्ञानिक पूनम बलेचा ने ÷जज मी÷ विषय पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि अक्सर एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति के बारे में अपनी राय बना लेता है, लेकिन यह समझना आवश्यक है कि वह वास्तविकता है या केवल व्यक्तिगत दृष्टिकोण।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में अभिभावकों को बच्चों के साथ बेहतर सामंजस्य स्थापित करना चाहिए और विभिन्न सामाजिक, मानसिक एवं व्यक्तिगत मुद्दों पर उनसे खुलकर चर्चा करनी चाहिए, ताकि बच्चों का आत्मविश्वास बढ़े और वे सही दिशा में आगे बढ़ सकें।

कार्यक्रम में महाविद्यालय की एनएसएस विभागाध्यक्ष डॉ. सीमावती सिसोदिया ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), उससे मिलने वाले प्रमाणपत्रों तथा विभिन्न शिविरों की जानकारी दी। वहीं डॉ. धर्मेंद्र जाट ने महाविद्यालय में आयोजित होने वाली चौपाल गतिविधियों से विद्यार्थियों को अवगत कराया।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अनामिका जैन ने कहा कि संस्थान का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान देना नहीं है, बल्कि उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक और बेहतर इंसान के रूप में विकसित करना भी है।

कार्यक्रम के दौरान एनएसएस स्वयंसेवकों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दीं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अपर्णा गंदे ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन मिलन गुप्ता ने किया।

मध्यप्रदेश पर्यटन क्विज-2026 के लिए ऑनलाइन पंजीयन 25 जुलाई 2026 तक: विद्यार्थियों को जानने को मिलेगी प्रदेश की समृद्धशाली विरासत

बूझो जानो फिर देखो अपना प्रदेश की जिला स्तरीय क्विज 7 अगस्त को होगी आयोजित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश के समृद्धशाली इतिहास, परंपराओं, ऐतिहासिक धरोहरों, सांस्कृतिक विविधताओं, कला, प्राकृतिक संपदा और पर्यटन की असीम संभावनाओं से विद्यार्थियों को अवगत कराने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा पर्यटन क्विज-2026 का आयोजन किया जा रहा है। जिला स्तरीय इस क्विज में भाग लेने के लिए विद्यालयों द्वारा ऑनलाइन पंजीयन 1 जुलाई से 25 जुलाई 2026 तक शाम 5ः30 बजे तक आधिकारिक वेबसाइट

https://www.mptourism.com/tourismquizw®w{/schools/ के माध्यम से किया जा सकता है। विद्यार्थियों में पर्यटन के माध्यम से सीखने की प्रवृत्ति को विकसित करने, मध्यप्रदेश पर्यटन की संभावनाओं से जुड़े ज्ञान का संचार करने के उद्देश्स से आयोजित हो रहे इस क्विज में प्रदेश के सभी शासकीय, अशासकीय, सी.बी.एस.ई. एवं केंद्रीय विद्यालयों के कक्षा 9वीं से 12वीं के अध्ययनरत छात्र-छात्राएं सहभागिता कर सकते हैं।

7 अगस्त को बूझो जानो फिर देखो अपना प्रदेश की जिला स्तरीय क्विज- मध्य प्रदेश पर्यटन क्विज-2026 बूझो जानो फिर देखो अपना प्रदेश का जिला स्तरीय आयोजन आगामी 07 अगस्त 2026 को प्रदेश के समस्त जिलों में एक साथ किया जाएगा। पर्यटन क्विज-2026 क्विज में पूछे जाने वाले प्रश्न मध्य प्रदेश के पर्यटन, कला, संस्कृति, धार्मिक, प्राकृतिक परिवेश और ऐतिहासिक संवर्धन पर आधारित होंगे। जिला स्तर पर प्रतियोगिता दो चरणों में संपन्न होगी। प्रथम चरण की लिखित परीक्षा के आधार पर चयनित शीर्ष 06 टीमों के मध्य द्वितीय चरण में ऑडियो-विजुअल/मल्टीमीडिया आधारित क्विज का आयोजन किया जाएगा। जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली विद्यालयीन टीम राज्य स्तरीय क्विज में जिले का प्रतिनिधित्व करेगी।

साल 2025 में 24,489 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक लिया था हिस्सा- मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा वर्ष 2016 से (कोविड महामारी के कारण वर्ष 2020-21 को छोड़कर) प्रतिवर्ष पर्यटन क्विज का सफल आयोजन किया जा रहा है। वर्ष 2025 में आयोजित पर्यटन क्विज को विद्यार्थियों का अभूतपूर्व उत्साह प्राप्त हुआ, जिसमें 24,489 विद्यार्थियों ने भागीदारी की तथा 8,163 विद्यालयों ने अपने विद्यार्थियों का पंजीयन कराया। यह उल्लेखनीय सहभागिता विद्यार्थियों में प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहरों के प्रति बढ़ती रुचि को दर्शाती है। पर्यटन क्विज-2026 का ध्येय भी विद्यार्थियों को मध्यप्रदेश के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, धार्मिक एवं प्राकृतिक पर्यटन स्थलों से परिचित कराना, उनमें पर्यटन के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा अपने गौरवशाली प्रदेश की विरासत और पर्यटन संभावनाओं से जोड़ना है, ताकि भावी पीढ़ी प्रदेश की अनमोल धरोहरों से परिचित हो सके।

मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड की ओर से विजेता टीमों को मिलेगा निःशुल्क पर्यटन भ्रमण का उपहार- मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड द्वारा विद्यार्थियों को पर्यटन के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। प्रत्येक जिले की प्रथम तीन विजेता टीमों को मध्य प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम के होटलों में 2 रात्रि एवं 3 दिवस के निःशुल्क पर्यटन भ्रमण का कूपन प्रदान किया जाएगा। वहीं, अगली तीन उपविजेता टीमों को 1 रात्रि एवं 2 दिवस के निःशुल्क पर्यटन भ्रमण का कूपन दिया जाएगा।इन कूपनों के अंतर्गत विद्यार्थियों के आने-जाने, आवास, भोजन तथा स्थानीय भ्रमण का संपूर्ण व्यय मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड द्वारा वहन किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हो सके।

इंदौर जिले में अब तक 265.1 मिलीमीटर (लगभग साढ़े 10 इंच) औसत वर्षा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले में जारी मानसून सत्र में अब तक 265.1 मिलीमीटर (लगभग साढ़े 10 इंच) औसत वर्षा हो चुकी है। यह आंकड़ा गत वर्ष इस अवधि में दर्ज 133.8 मिलीमीटर (लगभग 5.3 इंच) औसत वर्षा से 131.3 मिलीमीटर (लगभग सवा 5 इंच) अधिक है। भू-अभिलेख कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार आज 03 जुलाई की सुबह 8.30 बजे समाप्त हुए पिछले 24 घंटे में वर्षामापी केन्द्र इंदौर में 41.9 मिलीमीटर, महू में 6 मिलीमीटर, सांवेर में 24 मिलीमीटर, देपालपुर में 6.8 मिलीमीटर, गौतमपुरा में 18.5 मिलीमीटर तथा हातोद में 50.5 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। इस तरह जिले में पिछले 24 घंटे में 24.6 मिली मीटर (लगभग एक इंच) औसत वर्षा हुई है। इसे मिलाकर जारी मानसून सत्र में अब तक वर्षामापी केन्द्र इंदौर में 219.8 मिलीमीटर, महू में 199 मिलीमीटर, सांवेर में 280.2 मिलीमीटर, देपालपुर में 284.9 मिलीमीटर, गौतमपुरा में 402.1 मिलीमीटर तथा हातोद में 204.5 मिलीमीटर वर्षा हो चुकी है। इसी तरह गत वर्ष इस अवधि में वर्षामापी केन्द्र इंदौर में 136.3 मिलीमीटर, महू में 165 मिलीमीटर, सांवेर में 142.8 मिलीमीटर, देपालपुर में 157.1 मिलीमीटर, गौतमपुरा में 72.6 मिलीमीटर तथा हातोद में 128.8 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई थी।

एमपी पीएससी की 15 से ज्यादा सिलेक्शन लिस्ट आ चुकीं, 15 और आएंगी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एमपी पीएससी के अभ्यर्थियों के लिए यह वर्ष सर्वाधिक चयन सूची वाला बनने जा रहा है। अब तक 15 से ज्यादा परीक्षाओं की सिलेक्शन लिस्ट आ चुकी है, जबकि इससे ज्यादा नई चयन सूची अब आना बाकी हैं। खास बात यह है कि इस साल के अंत तक राज्य सेवा परीक्षा-2025 और 2026 की भी चयन सूची आ जाएगी। इसके साथ ही स्टेट इंजीनियरिंग भर्ती सहित कई परीक्षाओं की चयन सूचियां भी जारी की जाएंगी। पीएससी की तैयारी है कि न केवल 30 जून तक की परीक्षाओं, बल्कि उसके बाद होने वाले एग्जाम्स की भी सिलेक्शन लिस्ट 31 दिसंबर तक जारी कर दी जाए।

फिलहाल पीएससी को कई बड़ी परीक्षाएं आयोजित करना है। इसमें 12 जुलाई से 30 अगस्त तक तीन चरणों में असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा-2025 होगी, जिसमें 1239 पद हैं और यह 19 विषयों के लिए आयोजित की जा रही है। जबकि एडीपीओ के 17 पदों के लिए अक्टूबर में एग्जाम है। इन दोनों की चयन सूची इस साल आना मुश्किल है। लेकिन 1918 पदों के लिए असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती-2024 के सभी 23 विषयों की चयन सूची 31 दिसंबर तक जारी हो जाएगी। इसमें अभी करीब 15 विषयों के 1600 से ज्यादा पदों के इंटरव्यू होना बाकी हैं।

जो भी परीक्षा हो रही है, समय पर उसकी चयन सूची दे रहे हैं- हम ज्यादा से ज्यादा चयन सूचियां जारी कर रहे हैं। जो भी परीक्षा हो रही है, समय पर उसकी चयन सूची दे रहे हैं। 31 दिसंबर तक दोनों राज्य सेवा सहित कई परीक्षाओं की चयन सूची जारी करने पर हमारा मुख्य फोकस रहेगा। -डॉ. रवींद्र पंचभाई, ओएसडी

लगातार दूसरे साल दो राज्य सेवा परीक्षाओं की चयन सूची एक ही साल में- खास बात यह है कि लगातार दूसरे साल दो राज्य सेवा परीक्षाओं की चयन सूची एक ही साल में आएगी। सितंबर-अक्टूबर में प्रस्तावित अन्य परीक्षाओं की चयन सूची भी आ सकती है। फिलहाल 20 सितंबर को सहायक नियोजन परीक्षा-2026 होगी और इसी दिन विशेषज्ञ आयुर्वेद परीक्षा भी आयोजित की जाएगी। राज्य वन सेवा मुख्य परीक्षा 27 सितंबर को एवं आंतरिक लेखा परीक्षा अधिकारी परीक्षा 4 अक्टूबर को होगी। एडीपीओ भर्ती परीक्षा 18 अक्टूबर को निर्धारित है।

इसके बाद 22 नवंबर को सहायक संचालक किसान कल्याण व कृषि विकास परीक्षा-2025 तथा वैज्ञानिक अधिकारी भौतिकी, रसायन, जीव विज्ञान परीक्षा-2026 एवं सहायक संचालक किसान कल्याण व कृषि विकास सांख्यिकी परीक्षा-2026 भी इसी दिन होगी। आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी, होम्योपैथी चिकित्सा अधिकारी व यूनानी चिकित्सा अधिकारी परीक्षा-2025 की तारीखें अभी घोषित नहीं की गई हैं। कुल मिलाकर 12 जुलाई से जितनी भी परीक्षाएं होंगी, उनमें से तीन परीक्षाओं को छोड़कर बाकी सभी के इंटरव्यू अगले साल (2027) ही हो पाएंगे।

शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में तीन दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम आयोजित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय इंदौर में प्राचार्य डॉ. बी. डी. श्रीवास्तव के संरक्षण तथा प्रशासनिक अधिकारी डॉ. वी.पी. बैरागी के मार्गदर्शन में नवप्रवेशित छात्राओं के लिए गत 01 जुलाई से 03 जुलाई 2026 तक तीन दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को महाविद्यालयीन वातावरण, शैक्षणिक गतिविधियों, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 तथा विभिन्न सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों से परिचित कराना है।

इंडक्शन कार्यक्रम के प्रथम दिवस पर छात्राओं का स्वागत एवं परिचय सत्र के साथ ही शिक्षकों और छात्राओं हेतु मानसिक स्वास्थ्य विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया । इस अवसर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, सेमेस्टर प्रणाली एवं उच्च शिक्षा के नवीन आयामों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम के द्वितीय दिवस पर मानसिक स्वास्थ्य, एबीसी (Academic Bank of Credits), पूर्व छात्राओं के अनुभव साझा करने तथा पर्यावरण संरक्षण एवं जागरूकता विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किए गए। छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, स्वच्छता एवं सतत विकास के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत स्वच्छता एवं नशामुक्ति सामाजिक उत्तरदायित्व, छात्रवृत्ति योजनाएं, युवा उत्सव एवं सांस्कृतिक गतिविधियां, राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) की बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम के तृतीय दिवस पर संस्थागत गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी प्रदान की गई। साथ ही, छात्राओं को एंटी रैगिंग, लैंगिक संवेदनशीलता, पुस्तकालय एवं ग्रंथालय सेवाएं, शिकायत निवारण प्रणाली, खेलकूद गतिविधियों एवं कैरियर मार्गदर्शन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी से अवगत कराया गया।

महाविद्यालय की विभिन्न समितियों के संयोजकों एवं प्राध्यापकों ने अपने-अपने विषयों पर छात्राओं को विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए उन्हें महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में लगभग 60 प्राध्यापक एवं लगभग 351 छात्राएँ लाभांवित हुई। महाविद्यालय प्रशासन ने विश्वास व्यक्त किया कि यह इंडक्शन कार्यक्रम नवप्रवेशित छात्राओं को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सफल, जागरूक एवं उत्तरदायी नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करेगा। कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वय महाविद्यालय की आयोजन समिति द्वारा किया गया।

24 घंटे में 25 लाख की चोरी का खुलासा, ड्राइवर निकला मास्टरमाइंड; साथी सहित गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लसूड़िया थाना पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर 25 लाख रुपये की चोरी का खुलासा करते हुए फरियादी के ड्राइवर और उसके साथी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 24 लाख रुपये नगद तथा वारदात में प्रयुक्त करीब 10 लाख रुपये कीमत की हुंडई औरा कार जब्त की है।

पुलिस के अनुसार, 30 जून 2026 को वृंदावन पैलेस कॉलोनी, निपानिया निवासी मनीष संघवी ने थाना लसूड़िया में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके घर के बाहर खड़ी कार से 25 लाख रुपये नगद और कार की दोनों चाबियां चोरी हो गई हैं। उन्होंने अपने चालक दीपक सोलंकी पर चोरी का संदेह जताया था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 305 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी निरीक्षक राजकुमार यादव के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज का गहन विश्लेषण किया। फुटेज में आरोपी दीपक सोलंकी अपने साथी मोहित उर्फ चिंटू यादव के साथ काले रंग की हुंडई औरा कार में जाते हुए दिखाई दिया। तकनीकी साक्ष्यों और साइबर विश्लेषण के आधार पर दोनों आरोपियों के पचमढ़ी में होने की जानकारी मिली।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम पचमढ़ी पहुंची और 1 जुलाई 2026 को दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में दीपक सोलंकी ने स्वीकार किया कि उसने अपने साथी मोहित उर्फ चिंटू यादव के साथ मिलकर पूर्व नियोजित योजना के तहत अपने मालिक की कार में रखी नगदी चोरी की थी।

आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे चोरी की रकम से अपने महंगे शौक पूरे करना, घूमना-फिरना और ऐशो-आराम की जिंदगी जीना चाहते थे। पुलिस ने उनके कब्जे से 24 लाख रुपये नगद और वारदात में प्रयुक्त हुंडई औरा कार बरामद कर जब्त कर ली है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान साई श्रद्धा पैलेस, खजराना निवासी दीपक सोलंकी और सूरज नगर, बंगाली चौराहा निवासी मोहित उर्फ चिंटू यादव के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों का रिमांड प्राप्त कर मामले के अन्य पहलुओं की भी जांच शुरू कर दी है।

नीट सहित प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार गड़बड़ियाँ शिक्षा व्यवस्था पर कलंक

प्रगतिशील लेखक संघ ने की मांग, शिक्षा मंत्री नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दें

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रगतिशील लेखक संघ इकाई मंदसौर ने नीट सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में बार-बार सामने आ रही अनियमितताओं, पेपर लीक, परीक्षा निरस्तीकरण और लाखों विद्यार्थियों के भविष्य से खिलवाड़ पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री से नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार कर तत्काल इस्तीफा देने की मांग की है। प्रगतिशील लेखक संघ के राज्य सचिव मंडल के सदस्य असअद अंसारी ने कहा कि, जब परीक्षाएं ही भरोसेमंद न रहें तो युवाओं का लोकतंत्र और व्यवस्था से विश्वास उठना स्वाभाविक है। नीट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सामने आ रही गड़बड़ियाँ प्रशासनिक विफलता का प्रमाण हैं। शिक्षा को बाजार और भ्रष्टाचार के हवाले करने वाली नीतियों ने लाखों विद्यार्थियों के भविष्य को दाँव पर लगा दिया है। शिक्षा मंत्री नैतिक जिम्मेदारी स्वीकारते हुए तत्काल इस्तीफा दें और निष्पक्ष, पारदर्शी तथा जवाबदेह परीक्षा प्रणाली सुनिश्चित की जाए।

प्रलेसं के वरिष्ठ मार्गदर्शक कैलाश जोशी ने कहा के परीक्षाओं में धांधली के चलते 17 विद्यार्थियों ने आत्म हत्याएं की हैं इसकी नैतिक जवाबदारी शिक्षा मंत्री की है,आश्चर्य है शिक्षा मंत्री इस्तीफा क्यों नहीं देते।

प्रगतिशील लेखक संघ के उपाध्यक्ष डॉ. स्वप्निल ओझा ने कहा, पेपर लीक और परीक्षा घोटाले केवल प्रशासनिक भूल नहीं, बल्कि युवाओं के सपनों की सुनियोजित हत्या हैं। दोषियों को कठोर दंड देकर परीक्षा व्यवस्था में जनता का विश्वास बहाल किया जाना चाहिए। प्रगतिशील लेखक संघ के उपाध्यक्ष प्रकाश गुप्ता ने कहा, जब मेहनत करने वाले छात्र असुरक्षित महसूस करें और माफ़िया सुरक्षित, तब शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगते हैं। सरकार जवाबदेही से बच नहीं सकती। प्रगतिशील लेखक संघ के अध्यक्ष एड. कीर्ति नारायण कश्यप ने कहा, लोकतंत्र में शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता सर्वोपरि है। लगातार हो रही विफलताओं की नैतिक जिम्मेदारी तय होनी चाहिए और शिक्षा मंत्री को पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। इप्टा सचिव हूर बानो सैफी ने कहा, देश का युवा रोजगार और शिक्षा दोनों मोर्चों पर असुरक्षा का सामना कर रहा है। सरकार युवाओं के धैर्य और भविष्य के साथ खिलवाड़ बंद करे। प्रगतिशील लेखक संघ के सचिव ब्रजेश आर्य ने कहा, प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता और निष्पक्षता लोकतंत्र की बुनियादी शर्त है। बार-बार की अव्यवस्था साबित करती है कि परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार अब टाले नहीं जा सकते। प्रगतिशील लेखक संघ ने मांग की कि नीट सहित सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की निष्पक्ष एवं स्वतंत्र जांच कराई जाए, परीक्षा माफ़िया पर कठोर कार्रवाई हो तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए पारदर्शी और जवाबदेह परीक्षा प्रणाली लागू की जाए। संगठन ने विद्यार्थियों, अभिभावकों और लोकतांत्रिक शक्तियों से शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता बचाने के लिए आवाज बुलंद करने का आह्वान किया। संचालन हूर बानो ने किया। आभार पूजा ओझा ने माना।

पत्रकार संघ की सदस्यता और माईक आईडी के सहारे तस्करी करता नीमच का फर्जी पत्रकार 70 लाख की अफीम के साथ गिरफ्तार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एक बार फिर मध्यप्रदेश का नीमच जिला अंतरराज्यीय नशा तस्करी के मामले को लेकर चर्चा में है। हरियाणा के फतेहाबाद में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रेस स्टिकर लगी कार और चार प्रेस आईकार्ड के सहारे पुलिस को चकमा देने की कोशिश कर रहे तस्करों को 13 किलो 60 ग्राम अफीम के साथ गिरफ्तार किया है। इस मामले में नीमच जिले के बरलाई निवासी ईश्वर लाल पाटीदार और बैजलपुर निवासी सोना प्रजापति पकड़े गए हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार दोनों एक-दूसरे को पहले से जानते थे और साथ मिलकर अफीम की खेप लेकर हरियाणा पहुंचे थे।

जानकारी के अनुसार सीआईए रतिया पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर एनएच-9 स्थित धांगड़ पुल के पास नाकाबंदी की। इस दौरान दिल्ली नंबर की होंडा सिटी कार को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें से 13 किलो 60 ग्राम अफीम बरामद हुई। पुलिस ने कार को जब्त कर दोनों आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया।

जांच में सामने आया कि आरोपी मध्यप्रदेश से अफीम की खेप लेकर हरियाणा और पंजाब में सप्लाई करने जा रहे थे। पुलिस जांच और नाकों से बचने के लिए कार पर सुदर्शन टूडे समाचार पत्र का स्टिकर लगाया गया था। वहीं मुख्य आरोपी ईश्वर लाल के पास से चार प्रेस आईकार्ड भी बरामद हुए हैं, जिनका इस्तेमाल वह खुद को मीडिया कर्मी बताकर पुलिस को गुमराह करने के लिए करता था। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार मुख्य आरोपी ईश्वर लाल के खिलाफ पहले भी पंजाब के बठिंडा में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज है। फिलहाल पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इस अंतरराज्यीय नशा तस्करी नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं तथा अफीम की यह खेप किस तक पहुंचाई जानी थी।

2 लाख के ऋण से बदली जिंदगीः मसाला उद्योग शुरू कर आत्मनिर्भर बनीं राधा यादव

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं जरूरतमंद परिवारों के जीवन में बदलाव की नई कहानी लिख रही हैं। इसका प्रेरक उदाहरण नीमच सिटी के वार्ड क्रमांक-5 निवासी राधा यादव हैं, जिन्होंने मध्यप्रदेश शासन की संत रविदास स्वरोजगार योजना का लाभ लेकर अपना मसाला उद्योग स्थापित किया और आज आत्मनिर्भर बनने के साथ अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा बन गई हैं।

राधा यादव को जिला अंत्यावसायी कार्यालय, नीमच के माध्यम से संत रविदास स्वरोजगार योजना के तहत यूको बैंक, नीमच शाखा से 2 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ। इस आर्थिक सहायता से उन्होंने अपने घर पर लघु मसाला उद्योग शुरू किया, जो आज सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है। इस व्यवसाय से उन्हें प्रतिमाह लगभग 10 से 12 हजार रुपये की नियमित आय हो रही है।

राधा बताती हैं कि पहले परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर थी। घर का खर्च चलाना और बच्चों की पढ़ाई जैसी जरूरतें पूरी करना मुश्किल था। लेकिन स्वरोजगार शुरू होने के बाद परिवार की आय बढ़ी है और अब वे बच्चों की शिक्षा, परिवार की आवश्यकताओं और भविष्य के लिए बचत भी कर पा रही हैं।

उन्होंने अपने उद्योग के माध्यम से अन्य महिलाओं को भी रोजगार उपलब्ध कराया है। इससे न केवल उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई, बल्कि स्थानीय स्तर पर महिला सशक्तिकरण और स्वरोजगार को भी बढ़ावा मिला है।

राधा यादव ने अपनी सफलता का श्रेय मध्यप्रदेश शासन की जनहितकारी योजनाओं, जिला प्रशासन, जिला अंत्यावसायी कार्यालय तथा यूको बैंक को दिया। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस योजना ने उनके परिवार के जीवन में नई उम्मीद और आर्थिक मजबूती का संचार किया है।

प्रदेश कांग्रेस जल्द एक विशेष डिजिटल पोर्टल प्रारंभ करेगी, जहां भ्रष्टाचार, दुरुपयोग, अवैध संपत्तियों की जानकारी गोपनीय साझा कर सकेंगे- श्री गुर्जर

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेन्द्र सिंह गुर्जर ने शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में कहा कि मध्य प्रदेश कांग्रेस के आह्वान पर प्रदेशभर में युवाओं के भविष्य, किसानों की समस्याओं, उज्जैन भूमि प्रकरण, भ्रष्टाचार तथा जनहित के विभिन्न मुद्दों को लेकर चरणबद्ध जनआंदोलन प्रारंभ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन प्रदेश की जनता के अधिकारों की रक्षा, लोकतांत्रिक जवाबदेही सुनिश्चित करने तथा जनविरोधी नीतियों के विरोध का अभियान है।

श्री गुर्जर ने कहा कि प्रदेश के लाखों युवाओं का भविष्य लगातार संकट में डाला जा रहा है। नीट एवं सीबीएसई परीक्षाओं से जुड़े विवादों और विद्यार्थियों की शिकायतों ने शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं। प्रभावित विद्यार्थियों को समय पर न्याय नहीं मिला। कांग्रेस पार्टी प्रारंभ किए जा रहे ÷छात्रों की गूंज÷ अभियान के माध्यम से प्रदेशभर के विद्यार्थियों के बीच जाकर शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और न्याय की मांग करेगी। उन्होंने कहा कि खरीफ सीजन के दौरान प्रदेश का किसान भारी संकट से गुजर रहा है। अनेक स्थानों पर खाद की कमी, कालाबाजारी, अधिक दामों पर बिक्री तथा पर्याप्त बिजली उपलब्ध नहीं होने से बुवाई प्रभावित हो रही है। वहीं मूंग खरीदी में कोटा कम किए जाने और समर्थन मूल्य पर सीमित खरीदी के कारण किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। कांग्रेस किसानों के इन मुद्दों को लेकर गांव-गांव तक संघर्ष करेगी। श्री गुर्जर ने कहा कि उज्जैन भूमि प्रकरण को लेकर राष्ट्रीय समाचार पत्रों में प्रकाशित तथ्यों के बाद प्रदेश की जनता मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से स्पष्ट जवाब चाहती है। यदि सरकार और मुख्यमंत्री निर्दोष हैं तो पूरे प्रकरण की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कराकर सभी तथ्य सार्वजनिक किए जाने चाहिए। लोकतंत्र में जनता के सवालों का जवाब देना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि महाकाल लोक परियोजना सहित सार्वजनिक परियोजनाओं में उठे प्रश्नों तथा सार्वजनिक धन के उपयोग को लेकर भी सरकार को जवाब देना चाहिए। श्री गुर्जर ने सरकार से प्रश्न करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री उज्जैन भूमि प्रकरण पर सार्वजनिक रूप से जवाब कब देंगे? सरकार पूरे मामले की स्वतंत्र जांच कराने को तैयार है या नहीं? किसानों को समय पर खाद, पर्याप्त बिजली एवं कृषि आदान उपलब्ध कराने में सरकार विफल क्यों रही? खाद की कालाबाजारी रोकने के लिए क्या कार्रवाई की गई? विद्यार्थियों को न्याय दिलाने एवं परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने अब तक कौन-से ठोस कदम उठाए? महाकाल लोक सहित अन्य सार्वजनिक परियोजनाओं में उठे सवालों की निष्पक्ष जांच कब होगी? उन्होंने बताया कि प्रदेश कांग्रेस शीघ्र ही एक विशेष डिजिटल पोर्टल प्रारंभ करेगी, जहां प्रदेश का कोई भी नागरिक भ्रष्टाचार, सार्वजनिक संसाधनों के दुरुपयोग अथवा कथित अवैध संपत्तियों से संबंधित जानकारी एवं दस्तावेज गोपनीय रूप से साझा कर सकेगा। जानकारी देने वाले व्यक्ति की पहचान पूर्णतः सुरक्षित रखी जाएगी तथा तथ्यों के सत्यापन के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष प्रकाश रातड़ीया, जिला संगठन महासचिव अजय लोढ़ा, शहर ब्लॉक अध्यक्ष इष्टा भाचावत, जिला कांग्रेस प्रवक्ता प्रवीण मांगरिया उपस्थित रहे।

घरेलू गैस सिलेंडर के अवैध व्यावसायिक उपयोग पर तीन प्रतिष्ठनों के विरुद्ध की गई कार्रवाई

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशन एवं जिला आपूर्ति अधिकारी श्री आर.एन. दिवाकर के मार्गदर्शन में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा घरेलू गैस सिलेंडरों के अवैध व्यावसायिक उपयोग के विरुद्ध सतत कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में 30 जून 2026 को कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी मनासा श्री जितेन्द्र नागर द्वारा मनासा क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान गोपाल रामदयाल सोडानी (गुलाब जामुन) की दुकान से एक, श्री महाकाल बेकरी रेस्टोरेंट, मनासा से एक तथा मेसर्स सुरेश कसेरा (सरकार) की दुकान से एक घरेलू गैस सिलेंडर व्यावसायिक उपयोग में पाए जाने पर कुल तीन घरेलू गैस सिलेंडर मौके पर जब्त किए गए।

उक्त प्रकरणों में संबंधित प्रतिष्ठान संचालकों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम के प्रावधानों के तहत कार्रवाई करते हुए न्यायालय अपर कलेक्टर, जिला नीमच में प्रकरण पंजीबद्ध किए गए हैं।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है, कि जिले के होटलों, रेस्टोरेंटों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में घरेलू गैस सिलेंडरों के अवैध उपयोग तथा वाहनों में अवैध गैस रिफिलिंग करने वालों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। ऐसे मामलों में दोषी पाए जाने पर आवश्यक वस्तु अधिनियम के अंतर्गत कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

बालागुड़ा स्कूल में निःशुल्क साइकिल वितरित, स्मार्ट बोर्ड कक्षा विद्यालय के लिए उपलब्धि-श्री पाटीदार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एकीकृत शाउमावि बालागुड़ा में विद्यालय की कक्षा-6 और कक्षा-9 के 23 हितग्राही छात्र-छात्राओं को शासन की निःशुल्क साइकिल वितरण योजना अन्तर्गत उपस्थित अतिथियों द्वारा साइकिल वितरित की गई। साथ ही स्मार्ट क्लास, स्मार्ट बोर्ड, एवं नवीन स्वरूप में प्राचार्य कक्ष का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कार्यक्रम का शुभारंभ जनपद सदस्य कमलेश पाटीदार बालागुड़ा, सरपंच प्रतिनिधि प्रकाश पाटीदार बालागुड़ा, सांसद प्रतिनिधि रमेशचंद्र पाटीदार, प्राचार्य शांतिलाल विजय द्वारा किया गया।

जनपद सदस्य कमलेश पाटीदार ने कहा कि बालागुड़ा स्कूल को स्मार्ट कक्षाओं के संचालन हेतु शासन द्वारा लगभग 10 लाख रुपए का फर्नीचर और दो इलेक्ट्रॉनिक स्मार्ट बोर्ड प्रदान किए गए, जो विद्यार्थियों के बेहतर शिक्षा और आनलाइन प्लेटफार्म से अध्यापन की सुविधा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। यह एक अच्छी शुरूआत है। सरपंच प्रतिनिधि प्रकाश पाटीदार ने नवीन सत्र पर विद्यार्थियों को निःशुल्क साइकिल प्राप्त होने पर हर्ष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मन लगाकर अपनी पढ़ाई जारी रखे और माता पिता गाँव का नाम रोशन करे। शासन द्वारा विभिन्न हितग्राही योजनाओं का लाभ आपको दिया जा रहा ताकि आपकी पढ़ाई में कोई अवरोध ना आए। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक दिनेश कुमार सौलंकी, राजाराम कुमावत, दयानंद पाटीदार, सुरेन्द्र कुमार गुप्ता, कीर्तिपाल सिंह सिसौदिया, हेमंत कुमार सुथार, जगदीशचन्द्र गुप्ता, श्रीमती गंगा मकवाना, राजेंद्र आर्य, विरेन्द्र पाटीदार, मिश्रीलाल बारेट, दिलखुश पाटीदार, कमलेश पाटीदार, मांगीलाल मीणा, प्रमिला पाटीदार, विष्णु पाटीदार, जितेन्द्रसिंह चौहान, राहुल कुमावत एवं अभिभावकगण आदि उपस्थित रहे।

राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर व नपाध्यक्ष रमादेवी ने शिवना शुद्धिकरण योजना के निर्माण कार्य को परखा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर व नपाध्यक्ष रमादेवी गुर्जर ने शुक्रवार को लोक निर्माण विभाग भवन (पीआईयू) व नपा के तकनीकी अधिकारियो को साथ लेकर व नपा के जनप्रतिनिधियो, पार्षदगणो के साथ शिवना शुद्धिकरण योजना अंतर्गत पीआईयू के द्वारा किये जा रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। मंदिर के सामने राजा गुलाब गेट के पास शिवना नदी के किनारे किये जा रहे निर्माण कार्य को देखा तथा इस योजना अंतर्गत बनायी जा रही दिवार व अन्य कार्य के सम्बंध में विभाग की एसडीओ साधना बघेल से चर्चा की। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनो स्थानीय पार्षदगणो व नागरिको ने नगर के गन्दे पानी की निकासी शिवना शुद्धिकरण योजना अंतर्गत कैसे होगी इस सम्बंध में जिज्ञासा व्यक्त की गयी थी। शिवना शुद्धिकरण योजना मे नगर के विभिन्न नालो से राजा गुलाब गेट के यहाँ पानी आता है, पानी की आवक अधिक होने से उसकी निकासी बेहतर तरिके से होना जरूरी है, ताकि वर्षा ऋतु मे जलभराव आदि समस्याये नही हो। राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर व नपाध्यक्ष रमादेवी गुर्जर को पीआईयू की एसडीओ साधना बघेल ने बताया कि यह शिवना शुद्धिकरण प्रोजेक्ट के अंतर्गत अभी कार्य जारी है विभाग के तकनीकी अमले की निगरानी मे प्रतिदिन कार्य चल रहा है राजा गुलाब गेट के पास पानी की निकासी के लिये जो भी आवश्यक प्रबंध करना जरूरी है विभाग करेगा और उसी के अनुसार कार्य को आगे बडायेंगे। साधना बघेल ने नपा के जनप्रतिनिधियो से इस सम्बंध मे आवश्यक चर्चा की और वर्षा ऋतु में आने वाले पानी व सामान्य दिनो के पानी की आवक के अनुसार यहां दीवाल बनाने व अन्य निर्माण कार्य कराने की बात कही।

राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर ने कहा कि इस योजना के अंतर्गत निर्माण कार्य उच्च गुणवत्ता के हो वर्षा ऋतु व सामान्य दिनों में पानी की निकासी कैसे हो यह देखने के लिये पीआईयू व नपा के अमले के साथ हम यहां आये है। नपाध्यक्ष श्रीमति गुर्जर ने कहा कि यह योजना म.प्र. शासन की है पीआईयू इसकी निर्माण एजेंसी है नपा परिषद की इस योजना में सीधे कोई भागीदारी नही है।यहा जो कार्य हो रहे है वे पीआईयू के द्वारा हो रहे है पानी की निकासी बेहतर तरिके से हो यही देखने हम आये है। इस अवसर पर नपा सभापतिगण दीपमाला मकवाना, सत्यनारायण भांभी, रमेश ग्वाला, कॉलेज जनभागीदारी समिति के पूर्व अध्यक्ष नरेश चंदवानी, पूर्व नपा सभापति रामेश्वर मकवाना, पार्षदगण कमलेश सिसौदिया, राकेश भावसार, यूसुफ गौरी, विक्रम भैरवे, मुख्य नपाधिकारी प्रेम कुमार सुमन, उपयंत्री शाहिद मिर्जा, राहुल गणावा, एसपी सिंह, समयपाल पंकज साकी, जगदीश बैरागी बुगलिया, लक्ष्मीनारायण पलासिया, अफजल शाह आदि भी निरीक्षण किया में शामिल रहे।

सुवाखेड़ा में युवक पर जानलेवा हमला, पीड़ित परिवार ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जावद थाना क्षेत्र के ग्राम सुवाखेड़ा में एक युवक के साथ गंभीर मारपीट और जानलेवा हमले का मामला सामने आया है। घटना शुक्रवार देर रात करीब 11ः30 बजे की बताई जा रही है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि हमलावरों ने पहले भी उनके परिवार के साथ मारपीट की थी, जिसकी शिकायत जावद थाने में दर्ज कराई गई थी, लेकिन समय पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से आरोपियों के हौसले बुलंद हो गए।

परिजनों के अनुसार, पूर्व में भी दीपक एवं उसके परिवार के साथ मारपीट की घटना हुई थी। उनका कहना है कि पुलिस को शिकायत देने के बावजूद आरोपियों के विरुद्ध ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इसी कारण आरोपियों ने दोबारा हमला कर गंभीर मारपीट की और जान से मारने का प्रयास किया।

पीड़ित परिवार ने आरोपियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए कहा है कि यदि समय रहते उचित कार्रवाई की जाती तो दोबारा ऐसी घटना नहीं होती। मामले को लेकर क्षेत्र में भी चर्चा का माहौल है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। आरोप पीड़ित पक्ष के कथन पर आधारित हैं। पुलिस जांच के बाद ही मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट होगी।

बाजार में मिलने वाली कृषि दवाइयों एवं बीज की गुणवत्ता की जाँच समय-समय पर हो-डॉ. तोमर

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला पंचायत मन्दसौर की कृषि स्थाई समिति की शुक्रवार, 3 जुलाई को आयोजित बैठक में मन्दसौर से कांग्रेस विधायक विपिन जैन के प्रतिनिधि के रूप में डॉ. राघवेन्द्रसिंह तोमर शामिल हुए। उन्होंने जिले में किसानों को खाद व बीज के लिए हो रही समस्याओं के निराकरण हेतु अवगत कराया। साथ ही जिले के धार्मिक संस्थाओं एवं ट्रस्ट की कृषि भूमि करने वाले कास्तकारों एवं महिला कृषकों को खाद प्राप्ति के लिए हो रही कठिनाइयों को दूर करने हेतु विभाग के अधिकारीयों को अवगत कराया। बाजार में मिलने वाली कृषि दवाइयों एवं बीज की गुणवत्ता की जाँच समय समय पर हो इस हेतु भी ध्यान दिलाया गया एवं खाद की कालाबाजारी बंद हो इस हेतु ठोस कार्यवाही के लिए कहा गया। अन्य विषयों पर भी नियमानुसार अपना अभिमत दिया।

इलाज कराने पहुंचे लोगों पर टूटा कहर, अस्पताल के बाहर भीड़ में घुसी बेकाबू कार; 7 घायल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के जीरन थाना क्षेत्र के चीताखेड़ा कस्बे में शुक्रवार को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। बस स्टैंड स्थित एक निजी चिकित्सालय के बाहर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक अनियंत्रित मारुति सिलेरियो कार अचानक भीड़ में घुस गई। हादसे में सात लोग घायल हो गए, जबकि सड़क किनारे खड़ी कई मोटरसाइकिलें भी क्षतिग्रस्त हो गईं। घटना के बाद मौके पर भगदड़ जैसी स्थिति बन गई।

जानकारी के अनुसार लक्ष्मीपुरा निवासी माखनलाल (22) पिता लालू बंजारा टिन शेड लगाने के दौरान घायल हो गया था। परिजन उसे उपचार के लिए चीताखेड़ा के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे थे। घायल के अस्पताल पहुंचने की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण बड़ी संख्या में अस्पताल के बाहर एकत्रित हो गए। इसी दौरान मुख्य मार्ग से गुजर रही एक मारुति सिलेरियो कार के चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और कार सीधे भीड़ में जा घुसी। कार ने सड़क किनारे खड़ी मोटरसाइकिलों को भी टक्कर मार दी।

हादसे में माखनलाल पिता लालू बंजारा, महेंद्र पिता छगनलाल माली, सत्यनारायण पिता किशोरीलाल शर्मा, गोपाल पिता दौलतराम मोची, सत्तू पिता कन्हैयालाल नाई, बादल पिता रामलाल बंजारा और राजू पिता भीमसिंह (सभी निवासी लक्ष्मीपुरा) घायल हो गए। सभी घायलों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

घटना की सूचना मिलते ही जीरन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ को नियंत्रित किया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण चालक द्वारा वाहन से नियंत्रण खो देना बताया जा रहा है। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

पानी में डूबने से मृतक के आश्रित को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) उपखंड मनासा, सुश्री किरण आंजना द्वारा राजस्व पुस्तक परिपत्र भाग-6(4) के प्रावधानों के तहत पानी में डूबने से मृत व्यक्ति के आश्रित को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम थनेड निवासी बापूसिंह पिता हिम्मतसिंह राजपूत की 26 फरवरी 2026 को गांधी सागर डूब क्षेत्र में पानी में डूबने से मृत्यु हो गई थी। इस दुखद घटना के उपरांत मृतक के वैधानिक वारिस हिम्मतसिंह पिता बहादुरसिंह को शासन के नियमानुसार 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। उल्लेखनीय है, कि तहसीलदार रामपुरा द्वारा प्रकरण तैयार कर आवश्यक परीक्षण एवं अनुशंसा के साथ अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मनासा को प्रस्तुत किया गया था, जिसके आधार पर आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई।

सम्पादकीय

सभ्यता के अंत की शुरुआत, लालच से भरे युद्ध

मानव सभ्यता ने हजारों वर्षों की यात्रा में ज्ञान, विज्ञान, संस्कृति और लोकतंत्र के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष विज्ञान, चिकित्सा और संचार के क्षेत्र में मानव ने ऐसी उपलब्धियाँ अर्जित की हैं जिनकी कल्पना भी कभी असंभव मानी जाती थी। किंतु विडंबना यह है कि जितनी तेजी से विज्ञान आगे बढ़ा है, उतनी ही तीव्रता से सत्ता, वर्चस्व और स्वार्थ की राजनीति भी विकसित हुई है। आज विश्व के अनेक क्षेत्रों में युद्ध की विभीषिका यह संकेत दे रही है कि मनुष्य ने तकनीक तो आधुनिक बना ली, परंतु अपनी चेतना को अभी भी संकीर्ण स्वार्थों से मुक्त नहीं कर पाया। आज अमेरिका, रूस, चीन, इज़राइल, ईरान, उत्तर कोरिया तथा अनेक क्षेत्रीय शक्तियाँ प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से शक्ति-प्रदर्शन की प्रतिस्पर्धा में लगी हुई हैं। कहीं आर्थिक प्रतिबंध हथियार बन रहे हैं, कहीं व्यापारिक युद्ध, कहीं साइबर आक्रमण, तो कहीं मिसाइलों और ड्रोन की वर्षा। ऐसा प्रतीत होता है कि वैश्विक राजनीति का मूल उद्देश्य मानव कल्याण नहीं, बल्कि प्रभुत्व स्थापित करना बन गया है।

रूसङ्कयूक्रेन युद्ध ने पूरी दुनिया को यह दिखा दिया कि किसी क्षेत्रीय संघर्ष का प्रभाव सीमित नहीं रहता। लाखों लोग विस्थापित हुए, हजारों सैनिक और नागरिक मारे गए, खाद्यान्न संकट उत्पन्न हुआ, ऊर्जा की कीमतें बढ़ीं और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव पड़ा। इसी प्रकार मध्य-पूर्व में इज़राइल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव केवल दो देशों का विवाद नहीं, बल्कि पूरे विश्व की सामरिक स्थिरता को प्रभावित करने वाला प्रश्न बन चुका है। विश्व की महाशक्तियाँ अपने-अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देती हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का कहना है कि ÷रूस अपनी सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों से कभी समझौता नहीं करेगा।÷ यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की बार-बार कहते रहे हैं कि स्वतंत्रता किसी भी राष्ट्र का सबसे बड़ा अधिकार है और उसकी रक्षा हर कीमत पर की जाएगी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में युद्ध समाप्त करने की इच्छा व्यक्त की है, किंतु साथ ही यह भी स्पष्ट किया है कि अमेरिका अपने राष्ट्रीय हितों और सहयोगियों की सुरक्षा से पीछे नहीं हटेगा। इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का कहना है कि इज़राइल अपने अस्तित्व और सुरक्षा के लिए हर आवश्यक कदम उठाएगा। वहीं ईरान के सर्वोच्च नेता अली ख़ामेनेई का स्पष्ट संदेश रहा है कि ईरान किसी भी दबाव के आगे झुकने वाला नहीं है। हर राष्ट्र स्वयं को सही मानता है और अपने हितों की रक्षा को सर्वोपरि रखता है। किंतु जब संवाद की जगह शक्ति और प्रतिशोध ले लेते हैं, तब विश्व शांति सबसे बड़ी कीमत चुकाती है।

आज युद्ध का स्वरूप भी बदल चुका है। पहले युद्ध सीमाओं पर सैनिक लड़ते थे, अब अर्थव्यवस्थाएँ, तकनीक, साइबर नेटवर्क, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, उपग्रह और सूचना तंत्र भी युद्ध के हथियार बन चुके हैं। व्यापारिक प्रतिबंध, सेमीकंडक्टर तकनीक पर नियंत्रण, दुर्लभ खनिजों की प्रतिस्पर्धा और ऊर्जा संसाधनों पर कब्ज़े की होड़ इस बात का प्रमाण हैं कि आधुनिक युद्ध केवल बंदूकों से नहीं लड़े जाते। परमाणु हथियारों की बढ़ती संख्या विश्व के लिए सबसे बड़ा संकट है। आज विश्व में हजारों परमाणु हथियार मौजूद हैं। यदि किसी भी कारण से परमाणु संघर्ष प्रारंभ हुआ, तो उसका प्रभाव केवल युद्धरत देशों तक सीमित नहीं रहेगा। जलवायु परिवर्तन, परमाणु विकिरण, खाद्य संकट और वैश्विक आर्थिक पतन पूरी मानवता को प्रभावित करेंगे। महात्मा मोहनदास करमचंद गांधी ने कहा था, आँख के बदले आँख पूरी दुनिया को अंधा बना देगी। प्रतिशोध कभी स्थायी शांति नहीं ला सकता। महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन ने चेतावनी दी थी मुझे नहीं पता तीसरा विश्वयुद्ध किन हथियारों से लड़ा जाएगा, लेकिन चौथा विश्वयुद्ध पत्थरों और लाठियों से लड़ा जाएगा। यह कथन केवल कल्पना नहीं, बल्कि परमाणु युद्ध के संभावित परिणामों का वैज्ञानिक आकलन है।पूर्व संयुक्त राष्ट्र महासचिव बान की-मून ने कहा था, शांति केवल युद्ध की अनुपस्थिति नहीं, बल्कि न्याय, समानता और सहयोग की उपस्थिति है। यह विचार आज पहले से अधिक प्रासंगिक है।भारतीय चिंतन सदैव वसुधैव कुटुम्बकम की भावना का समर्थक रहा है। भारत ने न तो विस्तारवादी नीति अपनाई और न ही किसी दूसरे देश की भूमि पर अधिकार करने की नीति को स्वीकार किया। भारत की विदेश नीति संवाद, संतुलन, बहुपक्षवाद और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व पर आधारित रही है। यही कारण है कि आज विश्व भारत को एक विश्वसनीय और संतुलित शक्ति के रूप में देखता है। युद्ध का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव आम नागरिकों पर पड़ता है। युद्ध किसी सैनिक की विजय का नहीं, बल्कि एक माँ के बेटे की मृत्यु का नाम है। यह किसी बच्चे से उसका बचपन छीन लेता है, किसी स्त्री से उसका परिवार, किसी किसान से उसकी जमीन और किसी विद्यार्थी से उसका भविष्य। युद्ध में विजेता भी अंततः बहुत कुछ हार जाता है।

मन, चित्त और हृदय की निर्मलता को पाने की साधना

वर्तमान परिस्थितियों में कभी कभी मन बहुत व्यथित होता है, मन को शांत करना और विचारों में स्थिरता व सकारात्मकता स्थापित करना थोड़ा कठिन जान पड़ता है। विडंबना इस कलियुग की ये है कि इस युग में सबसे ज्यादा अशुद्ध मनुष्य का मन, चित्त व हृदय ही हैं। अनुकूल परिस्थितियां न पाकर सबसे पहले यह मन ही क्रोध से भरता है और नकारात्मक विचारों की उथल-पुथल चित्त को अशांत व गर्म कर देती है। यह परिस्थिति मनुष्य को इतना बैचेन कर देती है कि वह रातों की नींद भी खो बैठता है। धीरे-धीरे शरीर भी रोगग्रस्त होने लगता है। फिर मनुष्य अपनी आदत के अनुसार अपनी गलतियों व दोषों को भगवान अथवा दूसरे लोगों के सर मढ़ने लगता है। अपनी गलतियों के लिए भगवान को कोसने से अच्छा है कि अपने मन को ही शुद्ध बना लिया जाए। पर प्रश्न यह उठता है कि कैसे? जिस समाज में हम रहते हैं वहां का माहौल सदैव आध्यात्मिक, सुखद व सकारात्मक नहीं होता है। इसी कारण मन व चित्त को शुद्ध रख पाना मुश्किल कार्य है। पर इसे संभव बनाया जा सकता है, सहजयोग में नित्य ध्यान व सूक्ष्म चक्रों की जागृति से यह कार्य अत्यंत ही सहज हो जाता है। शुद्ध चित्त से साधक की साधना को बल मिलता है साथ ही मन में उठने वाले विचार शांत हो कर निर्विचारिता की प्राप्ति होती है। क्या आप जानना नहीं चाहेंगे कि चित्त का सहज शुद्धिकरण कैसे होता है? सहजयोग संस्थापिका श्री माताजी निर्मला देवी जी ने स्पष्ट किया है कि, पहला चक्र मूलाधार चक्र है।इस पर श्री गणेश जी की शक्ति कार्य करती है। श्री गणेश हमारे चित्त व विचारों को निर्मल व शुद्ध करते हैं। न केवल विचारों व चित्त को बल्कि वे हमारे चक्रों, नाड़ियों व हृदय को शुद्ध, पवित्र व निर्मल करते हैं। उनकी शक्ति से हम अपने विचारों को साधते हैं। वे हमारे क्रोध को भी शांत करते हैं। मां ने स्वाधिष्ठान चक्र को दूसरा महत्वपूर्ण चक्र बताया है। इस चक्र पर श्री ब्रह्मदेव व श्री सरस्वती की शक्ति कार्य करती है। श्री माताजी ने बताया है कि यह चक्र हमारे विचारों को साधने में सहायक होता है। इस चक्र की सहायता से हम निर्विचारिता को प्राप्त कर सकते हैं। शुद्ध विद्या व परमात्मा को पाने का ज्ञान इस चक्र के शुद्धिकरण से संभव है। हम असीम शक्तियों को धारण किए हुए हैं,बस उन शक्तियों की जागृति हमें आनी चाहिए। आप यह सब सहजयोग ध्यान के माध्यम से बड़ी ही सरलता से कर सकते हैं। इसकी अनुभूति लेने के लिए सहजयोग ध्यान केंद्रों पर जाकर आप अपनी कल्पनाओं को प्रत्यक्ष में बदलते देख सकते हैं।

नई संवैधानिक सर्जरीः सत्ता से अपराध की सीधी विदाई

भारतीय राजनीति की सबसे ऊंची कुर्सियों के लिए अब केवल जनादेश पर्याप्त नहीं रहेगा, बल्कि कानून की कसौटी पर खरा उतरना भी अनिवार्य होगा। संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 (जो अगस्त 2025 में लोकसभा में पेश किया गया) इसी नई व्यवस्था का संकेत देता है। इसके अनुसार यदि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या कोई मंत्री ऐसे गंभीर अपराध में, जिसमें पांच वर्ष या उससे अधिक की सजा का प्रावधान है, लगातार तीस दिनों तक न्यायिक हिरासत में रहता है, तो उसे इकतीसवें दिन पद छोड़ना होगा। इस्तीफा न देने पर उसका पद स्वतः समाप्त हो जाएगा। यह संशोधन केवल कानूनी बदलाव नहीं, बल्कि उस राजनीतिक संस्कृति पर प्रहार है, जिसमें जेल से भी सत्ता संचालित होती रही। संदेश स्पष्ट है—लोकतंत्र में जनादेश सम्मान देता है, पर पद पर बने रहने का अधिकार अंततः कानून और जनविश्वास ही तय करेंगे।

इस विधेयक की सबसे बड़ी ताकत यह है कि उसने जवाबदेही को समय-सीमा से बांध दिया है। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के लिए निर्धारित अवधि पूरी होते ही पद छोड़ना अनिवार्य होगा। मंत्रियों के मामले में राष्ट्रपति या राज्यपाल, प्रधानमंत्री अथवा मुख्यमंत्री की सलाह पर कार्रवाई करेंगे, लेकिन सलाह न आने पर भी पद स्वतः समाप्त हो जाएगा। अर्थात अब संवैधानिक व्यवस्था किसी राजनीतिक निर्णय की बंधक नहीं रहेगी। यह प्रावधान सर्वोच्च न्यायालय के लिली थॉमस निर्णय की भावना को आगे बढ़ाता है, जिसने दोषसिद्धि पर तत्काल अयोग्यता का सिद्धांत स्थापित किया था। रेप्रेज़ेंटेशन ऑफ द पीपल एक्ट, 1951 पहले से दोषसिद्ध जनप्रतिनिधियों को अयोग्य ठहराता है, किंतु नया संशोधन जवाबदेही की शुरुआत दोषसिद्धि के बाद नहीं, बल्कि गंभीर मामलों में लंबी न्यायिक हिरासत से ही कर देता है। यही इसे अब तक की व्यवस्थाओं से अलग और अधिक प्रभावी बनाता है।

यदि यह संशोधन प्रभावी ढंग से लागू हुआ, तो राजनीति की कार्यसंस्कृति बदल सकती है। अपराधीकरण और भ्रष्टाचार पर इसका सीधा प्रहार होगा, क्योंकि गंभीर मामलों में लंबी न्यायिक हिरासत अब केवल कानूनी संकट नहीं, बल्कि सत्ता से विदाई का कारण भी बन सकती है। इससे स्वच्छ छवि वाले नेतृत्व को अवसर मिलेगा, ईमानदार युवाओं का भरोसा बढ़ेगा और जनता का विश्वास मजबूत होगा कि कानून से ऊपर कोई नहीं। शासन का ध्यान व्यक्तिगत मुकदमों से हटकर विकास और सुशासन पर केंद्रित रहेगा। उल्लेखनीय है कि यह स्थायी दंड नहीं है; न्यायिक राहत मिलने पर पुनर्नियुक्ति संभव होगी। इसलिए यह व्यवस्था प्रतिशोध नहीं, बल्कि सार्वजनिक पद की गरिमा और जवाबदेही को सुरक्षित रखने का निवारक उपाय अधिक है। इसी कारण कुछ संवैधानिक विशेषज्ञ इसे भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानते हैं।

सिक्के का दूसरा पहलू भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या केवल लंबी न्यायिक हिरासत, बिना दोषसिद्धि के, किसी निर्वाचित प्रतिनिधि को पद से हटाने का आधार बन सकती है, जबकि न्याय का मूल सिद्धांत प्रत्येक व्यक्ति को दोष सिद्ध होने तक निर्दोष मानता है। विपक्ष और अनेक विधि विशेषज्ञों को आशंका है कि जांच एजेंसियों पर राजनीतिक प्रभाव बढ़ने पर यह प्रावधान विरोधियों को सत्ता से हटाने का हथियार बन सकता है। विशेषकर विपक्ष शासित राज्यों में इससे केंद्र-राज्य संबंधों में तनाव बढ़ने की आशंका है। इसलिए इस संशोधन की वास्तविक कसौटी उसकी कठोरता नहीं, बल्कि निष्पक्ष और दुरुपयोग-मुक्त क्रियान्वयन होगी।

इस बदलाव का असर केवल व्यक्तियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सरकारों की स्थिरता पर भी पड़ेगा। छोटे बहुमत वाली सरकारों में यदि मुख्यमंत्री या कई मंत्री एक साथ पद छोड़ने को विवश हुए, तो सत्ता का संतुलन बदल सकता है और नए राजनीतिक समीकरण उभर सकते हैं। समर्थकों का तर्क है कि यदि किसी सरकार की स्थिरता गंभीर मामलों में जेल में बंद नेताओं पर टिकी है, तो ऐसी स्थिरता लोकतंत्र के हित में नहीं मानी जा सकती। इसलिए असली चुनौती सरकार बचाने की नहीं, बल्कि शासन की विश्वसनीयता बनाए रखने की है। आखिर लोकतंत्र केवल सरकारों के टिके रहने से नहीं, बल्कि जनता के अटूट विश्वास से मजबूत होता है।

यह विधेयक भारतीय राजनीति को दो खेमों में बांट चुका है और जेपीसी में इस पर बहस जारी है। सत्तापक्ष इसे भ्रष्टाचार-मुक्त शासन की दिशा में ऐतिहासिक कदम मानता है, जबकि विपक्ष इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर आघात बताता है। इसलिए संसदीय समिति की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि वह सभी प्रावधानों की गहन समीक्षा कर दुरुपयोग रोकने के लिए प्रभावी सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करे। सर्वोच्च न्यायालय स्पष्ट कर चुका है कि सांसद और विधायक विशेषाधिकार प्राप्त शासक नहीं, बल्कि जनता के प्रति जवाबदेह जनसेवक हैं। अतः यह संशोधन तभी सफल माना जाएगा जब जवाबदेही और न्याय का संतुलन बना रहे। वर्तमान में जेपीसी इस विधेयक की जांच कर रही है और जुलाई 2026 के मध्य तक रिपोर्ट पेश करेगी।

इस संशोधन के दूरगामी प्रभाव राजनीति की कार्यसंस्कृति में भी दिखाई दे सकते हैं। दलों को स्वच्छ छवि और कानूनी रूप से निर्विवाद नेताओं को प्राथमिकता देनी होगी, जिससे नए नेतृत्व के उभरने की संभावनाएं बढ़ेंगी और जनता की अपेक्षाएं भी बदलेंगी। तब यह संशोधन केवल कानून नहीं, बल्कि राजनीतिक संस्कृति में बदलाव का आधार बन सकता है। लेकिन यदि जांच एजेंसियों की निष्पक्षता संदेह के घेरे में रही, तो यही व्यवस्था लोकतांत्रिक टकराव और राजनीतिक अविश्वास का कारण भी बन सकती है।

अंतिम कसौटी कानून बनाने की नहीं, उसे निष्पक्षता से लागू करने की होती है। संविधान (130वां संशोधन) विधेयक भी उसी परीक्षा से गुजरेगा। यदि इसका संतुलित और निष्पक्ष क्रियान्वयन सुनिश्चित हुआ, तो यह स्वच्छ शासन, उत्तरदायी नेतृत्व और कानून की सर्वोच्चता का नया अध्याय लिखेगा। लेकिन यदि इसका दुरुपयोग हुआ, तो यही कानून लोकतांत्रिक विवादों का केंद्र बन जाएगा। अंततः लोकतंत्र की मजबूती कानूनों की संख्या से नहीं, उनके न्यायपूर्ण पालन से तय होती है। सत्ता क्षणिक है, पर लोकतंत्र तभी स्थायी रहता है, जब उसके सर्वोच्च पदों पर बैठे लोग भी कानून के समक्ष सामान्य नागरिक की तरह जवाबदेह हों।

-प्रो. आरके जैन ÷अरिजीत÷

सड़क सुरक्षा बोर्ड

किस तरह कुछ आवश्यक मामलों में भी समय पर कदम उठाने से बचा जाता है, इसका ही उदाहरण है लंबी देरी के बाद राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा बोर्ड के गठन की अधिसूचना जारी होना। इससे खराब बात और कोई नहीं हो सकती कि सात वर्ष की प्रतीक्षा के बाद इस बोर्ड का गठन किया जा सका और वह भी तब, जब सुप्रीम कोर्ट ने इस बोर्ड के गठन में देरी को लेकर अप्रसन्नता व्यक्त की। कायदे से इस बोर्ड का गठन 2019 में तभी कर दिया जाना चाहिए था, जब मोटर यान अधिनियम में संशोधन कर इसके लिए प्रविधान किए गए थे। इस बोर्ड के गठन में देरी यही बताती है कि हमारे नीति-नियंता सड़क दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने के मामले में संवेदनशील नहीं।

इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि आखिरकार इस 20 सदस्यीय बोर्ड का गठन कर दिया गया, क्योंकि बात तब बनेगी, जब यह बोर्ड प्रभावी परिणाम देने में समर्थ भी होगा। इस बोर्ड के सदस्यों में सड़क इंजीनियरिंग और यातायात प्रबंधन से जुड़े विशेषज्ञ शामिल होंगे। इसमें विभिन्न राज्यों के परिवहन आयुक्त और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारी भी होंगे।

बोर्ड केंद्र और राज्य सरकारों के साथ स्थानीय निकायों को यातायात प्रबंधन संबंधी तकनीकी सलाह और सहायता देने के साथ राष्ट्रीय राजमार्गों के सुरक्षित डिजाइन, निर्माण, रखरखाव आदि के न्यूनतम सुरक्षा मानक भी निर्धारित करेगा। इसके अतिरिक्त यह बोर्ड सड़क दुर्घटना के पीड़ितों की मदद करने वाले नागरिकों को प्रोत्साहित करने वाली नीतियां बनाने के भी सुझाव देगा।

समझना कठिन है कि बेलगाम मार्ग दुर्घटनाओं के बाद भी सड़क सुरक्षा बोर्ड के गठन में देरी क्यों हुई? यह काम तो बहुत पहले हो जाना चाहिए था, क्योंकि देश में वर्ष दर वर्ष मार्ग दुर्घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। इन दुर्घटनाओं में मरने और घायल होने वालों की संख्या विश्व में सबसे अधिक है। मार्ग दुर्घटनाओं के मामले में भारत का रिकार्ड बेहद खराब ही नहीं, बल्कि शर्मनाक भी है, क्योंकि देश में वाहनों की संख्या कई देशों से कम हैं। मार्ग दुर्घटनाओं के कारण किसी से छिपे नहीं।

खराब सड़कें, खटारा वाहन, अकुशल चालक, यातायात नियमों की अनदेखी आदि सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण हैं। क्या राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा बोर्ड ऐसे उपाय कर सकेगा, जिनसे इन कारणों का निवारण हो सके? यह प्रश्न इसलिए, क्योंकि जब तक मार्ग दुर्घटनाओं के जाने-पहचाने कारणों का निवारण करने में लापरवाही का परिचय देने वाले अधिकारियों और विभागों को जवाबदेह नहीं बनाया जाएगा, तब तक हालात बदलने वाले नहीं हैं। इसलिए और नहीं, क्योंकि सुरक्षित यातायात के लिए जैसी राजनीतिक एवं प्रशासनिक इच्छाशक्ति चाहिए, उसका अभाव ही अधिक दिखता है।

-सुनील कुमार महला

मजबूत लोकतंत्र के लिये दागी नेताओं से मुक्ति जरूरी

भारतीय लोकतंत्र ने स्वतंत्रता के बाद अनेक उपलब्धियां अर्जित की हैं। आज भारत विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्ति होने के साथ-साथ विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य के साथ देश आर्थिक, तकनीकी और वैश्विक नेतृत्व की नई ऊंचाइयों को छूने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है। किंतु यह भी उतना ही बड़ा सत्य है कि किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल उसकी अर्थव्यवस्था, सैन्य क्षमता अथवा तकनीकी विकास में नहीं, बल्कि उसकी राजनीति और शासन व्यवस्था की नैतिकता में निहित होती है। यदि लोकतंत्र की आत्मा को जीवित रखना है तो राजनीति को अपराध, भ्रष्टाचार और स्वार्थ की गिरफ्त से मुक्त करना ही होगा। आजादी के बाद से लगभग हर सरकार ने भ्रष्टाचार-मुक्त शासन, पारदर्शी प्रशासन और स्वच्छ राजनीति का वादा किया। अनेक आयोग बने, कानून बने और चुनाव सुधारों की चर्चाएं भी हुईं, लेकिन जब भी कोई ठोस एवं प्रभावी सुधार लागू करने का प्रयास हुआ, राजनीतिक दलों ने अपने-अपने हितों के अनुसार उसका समर्थन अथवा विरोध किया। परिणाम यह हुआ कि राजनीतिक शुचिता का प्रश्न आज भी अधूरा है। विडंबना यह है कि अब तक कोई ऐसा खाका सामने नहीं आ सका है, जिससे सिर्फ स्वच्छ छवि के लोगों को ही जनप्रतिनिधि बनने का अवसर मिले। यह और बड़ी विडम्बना है कि जिस विषय पर पूरे राष्ट्र की सहमति होनी चाहिए, वही विषय राजनीतिक टकराव का माध्यम बन जाता है।

आए दिन संसद और विधानसभाओं में आपराधिक पृष्ठभूमि से आने के बावजूद चुने गए जनप्रतिनिधियों की बढ़ती संख्या को लेकर चिंता तो जताई जाती है, मगर उसके हल को लेकर कोई ठोस पहल नहीं होती। संविधान के तहत केवल दोषी ठहराए गए जनप्रतिनिधियों को ही पद से हटाया जा सकता है और इस संबंध में संवैधानिक पद पर बैठे नेताओं को लेकर कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है। इसी संदर्भ में भाजपा सरकार फिर से एक सौ तीसवें संविधान संशोधन विधेयक को संसद में पेश करने की तैयारी में है, जिसके तहत प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या अन्य मंत्रियों को पाँच साल से ज्यादा सजा के प्रावधान वाले गंभीर अपराधों के लिए गिरफ्तार किए जाने और लगातार तीस दिनों तक हिरासत में रखे जाने पर पद से हटाने का प्रस्ताव है। अगर विधेयक की जांच के बाद संयुक्त संसदीय समिति इसे अपनी मंजूरी दे देती है, तो संसद के मानसून सत्र में इस पर बहस की संभावना है। गौरतलब है कि पिछले वर्ष अगस्त में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में यह विधेयक पेश किया था। हालांकि विपक्षी दलों की ओर से उठाई गई कई आपत्तियों के बाद इसकी जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति का गठन किया गया था, लेकिन कांग्रेस सहित ज्यादातर विपक्षी दलों ने अपनी चिंताओं को नजरअंदाज किए जाने की आशंका के मद्देनजर समिति का बहिष्कार कर दिया था।

निश्चित ही संसद और विधानसभाओं में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले जनप्रतिनिधियों की बढ़ती संख्या लोकतंत्र के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी है। यदि कोई जनप्रतिनिधि हत्या, बलात्कार, भ्रष्टाचार, आतंकवाद अथवा संगठित अपराध जैसे गंभीर मामलों में लंबे समय तक न्यायिक हिरासत में है, तो क्या वह जनता का प्रतिनिधित्व करने का नैतिक अधिकार बनाए रखता है? यह प्रश्न केवल कानूनी नहीं, बल्कि लोकतंत्र की नैतिकता से जुड़ा हुआ प्रश्न है। हालांकि इस प्रकार के कानून पर कई संवैधानिक प्रश्न भी उठते हैं। भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को तब तक निर्दोष मानता है जब तक अपराध सिद्ध न हो जाए। केवल आरोप के आधार पर किसी निर्वाचित प्रतिनिधि को पद से हटाना राजनीतिक प्रतिशोध का हथियार भी बन सकता है। विपक्षी दलों की यह आशंका पूरी तरह निराधार नहीं कही जा सकती कि यदि पर्याप्त सुरक्षा उपाय नहीं होंगे तो सत्ता में बैठी सरकारें विरोधियों के विरुद्ध जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर सकती हैं। इसलिए किसी भी नए कानून में प्राकृतिक न्याय, न्यायिक समीक्षा और निष्पक्ष जांच की सुदृढ़ व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए। लेकिन इन आशंकाओं के कारण सुधार की पूरी प्रक्रिया को रोक देना भी उचित नहीं होगा। लोकतंत्र में सुधार का अर्थ किसी दल को लाभ या हानि पहुंचाना नहीं, बल्कि जनता के विश्वास को मजबूत करना है। यदि कानून संतुलित, पारदर्शी और न्यायसंगत हो तो वह लोकतंत्र को कमजोर नहीं बल्कि अधिक विश्वसनीय बनाता है।

भारत की राजनीति में अनेक ऐसे उदाहरण सामने आए हैं, जिन्होंने लोकतांत्रिक मर्यादाओं पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाए। बिहार में लालू प्रसाद यादव से लेकर दिल्ली में अरविंद केजरीवाल तथा उनके कुछ मंत्रियों तक, विभिन्न राजनीतिक दलों के अनेक नेता ऐसे रहे हैं जो गंभीर आरोपों अथवा जेल में रहने के बावजूद सत्ता पर बने रहने का प्रयास करते रहे। यह किसी एक दल का प्रश्न नहीं है, लगभग सभी बड़े राजनीतिक दल समय-समय पर इस आलोचना के घेरे में रहे हैं। जेल से सरकार चलाने अथवा संवैधानिक पद पर बने रहने की मानसिकता लोकतंत्र की गरिमा के अनुकूल नहीं कही जा सकती। यह सही है कि कानून अपना कार्य करेगा और न्यायालय अंतिम निर्णय देगा, किंतु सार्वजनिक जीवन केवल कानूनी वैधता से नहीं चलता, उसका आधार नैतिक वैधता भी होती है। लोकतंत्र में जनप्रतिनिधि केवल अधिकारों का नहीं, बल्कि आदर्शों का भी प्रतीक होता है। यदि उसके ऊपर गंभीर आरोप हों और वह फिर भी पद से चिपका रहे, तो जनता का लोकतांत्रिक विश्वास कमजोर पड़ता है। राजनीति में पद त्यागना पराजय नहीं, बल्कि नैतिक साहस का परिचायक होता है।

आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत का जो लक्ष्य रखा है, उसमें आर्थिक प्रगति के साथ सुशासन, डिजिटल पारदर्शिता, भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासन और जनभागीदारी पर विशेष बल दिया गया है। विकसित भारत केवल ऊंची इमारतों, एक्सप्रेस-वे, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तेज आर्थिक विकास से नहीं बनेगा, वह तभी बनेगा जब शासन चलाने वाले व्यक्तियों की विश्वसनीयता भी उतनी ही मजबूत होगी। विश्वगुरु बनने की आकांक्षा रखने वाले राष्ट्र की राजनीति भी विश्व के लिए आदर्श बननी चाहिए। आज आवश्यकता केवल कानून बदलने की नहीं, बल्कि राजनीतिक संस्कृति बदलने की भी है। राजनीतिक दलों को चुनावी टिकट देते समय उम्मीदवार के चरित्र, सार्वजनिक जीवन, सामाजिक सेवा और नैतिक छवि को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय कई बार राजनीतिक दलों से आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों को टिकट देने का कारण सार्वजनिक करने को कह चुका है, किंतु व्यवहार में इसमें अपेक्षित परिवर्तन दिखाई नहीं देता। यदि राजनीतिक दल स्वयं आत्मानुशासन नहीं अपनाएंगे, तो केवल कानून से समस्या का समाधान संभव नहीं होगा।

इसके साथ ही न्यायिक प्रक्रिया में भी व्यापक सुधार अपेक्षित हैं। जनप्रतिनिधियों से जुड़े मामलों का वर्षों तक लंबित रहना लोकतंत्र के लिए घातक है। विशेष न्यायालयों द्वारा समयबद्ध सुनवाई, निष्पक्ष जांच और शीघ्र निर्णय की व्यवस्था होनी चाहिए ताकि न निर्दोष व्यक्ति वर्षों तक संदेह के घेरे में रहे और न दोषी व्यक्ति कानून की तकनीकी जटिलताओं का लाभ उठाकर जनता का प्रतिनिधित्व करता रहे। लोकतंत्र की सफलता केवल संविधान से नहीं, बल्कि राजनीतिक चरित्र से सुनिश्चित होती है। जब तक राजनीति में नैतिकता, सेवा, त्याग और उत्तरदायित्व की भावना नहीं आएगी, तब तक भ्रष्टाचार और अपराध का दुष्चक्र पूरी तरह समाप्त नहीं होगा। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है, किंतु राष्ट्रीय हित से जुड़े सुधारों का विरोध केवल राजनीतिक लाभ-हानि के आधार पर नहीं होना चाहिए। यदि किसी प्रस्ताव में कमियां हैं तो उन्हें सुधारने के सुझाव दिए जाएं, लेकिन सुधार की दिशा को अवरुद्ध करना लोकतांत्रिक परिपक्वता का परिचायक नहीं माना जा सकता।

आज भारत एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। एक ओर विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और विश्वगुरु भारत का स्वप्न है, तो दूसरी ओर राजनीति की विश्वसनीयता को पुनर्स्थापित करने की चुनौती भी है। इन दोनों लक्ष्यों को अलग-अलग नहीं देखा जा सकता। आर्थिक विकास और नैतिक विकास समानांतर चलेंगे तभी राष्ट्र सशक्त बनेगा। समय की पुकार है कि सत्ता और विपक्ष दोनों दल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से ऊपर उठकर लोकतंत्र की पवित्रता को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। देश की राजनीति को आपराधिक छवि के लोगों से मुक्त करना जरूरी है, लेकिन इसके लिए जो कानून बने, उसमें अपराधों की प्रकृति स्पष्ट किए जाने से लेकर ऐसे सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाने की जरूरत है, ताकि महज बदले या किसी सरकार को अस्थिर करने की मंशा से इसका दुरुपयोग न हो सके।

-ललित गर्ग

इतिहास के सच्चे नायकों की सुध

बीत दिनों कोलकाता नगर निगम ने सुहरावर्दी एवेन्यू रोड का नाम बदलकर गोपाल मुखर्जी रोड कर दिया। इस बदलाव को लेकर जहां कांग्रेस, टीएमसी एवं वामपंथी बुद्धिजीवी यह तर्क दे रहे हैं कि इस सड़क का नाम हुसैन शहीद सुहरावर्दी पर नहीं, बल्कि उनके चाचा सर हसन सुहरावर्दी के नाम पर रखा गया था, जो अंग्रेजों के जमाने के जाने-माने शिक्षाविद्, चिकित्सक एवं 1930-34 के बीच कलकत्ता विश्वविद्यालय के वाइस-चांसलर थे। वहीं बंगाल की बहुसंख्यक आबादी इस परिवर्तन को षड्यंत्रपूर्वक विस्मृत कर दिए गए एक महान नायक गोपाल पाठा (प्रचलित नाम) को उचित सम्मान दिलाने के लिए एक आवश्यक कार्रवाई के रूप में देख रही है।

वस्तुतः नाम परिवर्तन के विरोध में खड़े दल एवं बुद्धिजीवी इस मुद्दे को भी अपनी सुविधा से प्रस्तुत कर रहे हैं और तस्वीर के स्याह पहलुओं को जान-बूझकर छुपा रहे हैं। जिस हसन सुहरावर्दी को वे एक महान शिक्षाविद्, चिकित्सक, समाजसेवी बताते नहीं थक रहे, दरअसल उनकी विरासत एवं राजनीतिक पृष्ठभूमि उनके भतीजे हुसैन शहीद सुहरावर्दी से अभिन्न रूप से जुड़ी हुई है। दोनों न केवल एक ही कुल-खानदान के वारिस थे, बल्कि मुस्लिम लीग के नेता भी थे। दोनों ने विभाजनकारी राजनीति का पोषण किया। दोनों जिन्ना के द्विराष्ट्र सिद्धांत के प्रबल समर्थक थे। तत्कालीन ब्रिटिश सरकार द्वारा हसन सुहरावर्दी को नाइटहुड की उपाधि इसलिए प्रदान की गई थी, क्योंकि उन्होंने छह फरवरी, 1932 को कलकत्ता विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह में तत्कालीन गवर्नर स्टैनली जैक्सन पर गोली चलाने से महान क्रांतिकारी एवं स्वतंत्रता-सेनानी बीना दास को बलपूर्वक रोका था।

इस कदम के लिए जिस दिन बीना दास को जेल भेजा गया, उसी दिन औपनिवेशिक सत्ता के प्रति राजभक्ति प्रदर्शित करने के लिए हसन सुहरावर्दी को नाइटहुड की उपाधि प्रदान की गई। इसके बाद अप्रैल, 1933 में ब्रिटिश सरकार ने उनके नाम पर कोलकाता के एक सड़क का नाम सुहरावर्दी एवेन्यू रखा। यह भी कहा जा रहा है कि हसन सुहरावर्दी ने ब्रिटिश सरकार का विरोध जताने के लिए 1946 में नाइटहुड की उपाधि लौटा दी थी। यह भी आधा सच है। पूरा सच यह है कि मुस्लिम लीग के आह्वान पर भारत विभाजन की मांग को व्यापक स्वीकृति दिलाने के उद्देश्य से उन्होंने नाइटहुड की उपाधि लौटाई थी। हसन सुहरावर्दी की बेटी आगे चलकर पाकिस्तान की पहली महिला सिविल सेवक बनीं, संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के प्रतिनिधिमंडल की सदस्य रहीं और पाकिस्तान ने उन्हें मरणोपरांत सर्वोच्च नागरिक सम्मान निशान-ए-इम्तियाज से सम्मानित किया। एक ऐसा व्यक्ति, जो अंग्रेजों का अनन्य भक्त हो, एक महान क्रांतिकारी को जेल भिजवाने का दोषी हो, मुस्लिम लीग के नेता के रूप में भारत के विभाजन का समर्थक हो, पृथक पहचान के आधार पर बने एक अलग मुल्क में अपना और अपने वारिसों का भविष्य देखता हो, उसके नाम पर भारत के किसी भी शहर, सड़क, इमारत का नाम क्यों होना चाहिए? आखिर भारत विभाजन के जिम्मेदार लोगों का महिमामंडन क्यों?

जहां तक उनके भतीजे हुसैन शहीद सुहरावर्दी की बात है, तो इतिहास में उसके नाम पर हिंदुओं के दो-दो नरसंहार दर्ज हैं। तब बंगाल में मुस्लिम लीग की अंतरिम सरकार थी। हुसैन शहीद सुहरावर्दी उसका प्रधानमंत्री था। जिन्ना के आह्वान पर डायरेक्ट एक्शन डे का बंगाल में वह नेतृत्व कर रहा था। उसने योजना बनाकर हिंदुओं का नरसंहार सुनिश्चित किया। डायरेक्ट एक्शन डे यानी 16 अगस्त, 1946 से पहले उसने कलकत्ता के 24 थानों में से 22 में मुस्लिम और दो में एंग्लो-इंडियन थाना प्रभारी नियुक्त कर दिए। पुलिसकर्मियों एवं सरकारी कर्मचारियों को तीन दिन का अकारण अवकाश दे दिया। डायरेक्ट एक्शन डे के दिन वह स्वयं पुलिस मुख्यालय के नियंत्रण-कक्ष में बैठकर पुलिसकर्मियों को दंगाइयों के विरुद्ध कार्रवाई से रोक रहा था।

इसका परिणाम यह हुआ कि अकेले कलकत्ता में 6,000 से अधिक हिंदुओं का केवल 72 घंटे में संहार हुआ, 17 हजार से अधिक घायल हुए और एक लाख से अधिक हिंदू बेघर हुए। इस दंगे के बाद नोआखली में हुए दंगों में हजारों हिंदुओं का नरसंहार हुआ, बहुसंख्यकों की जान-माल की व्यापक क्षति हुई और माताओं-बहनों को अमानुषिक यातनाओं का शिकार होना पड़ा। यही हुसैन शहीद सुहरावर्दी आगे चलकर 1956-57 में पाकिस्तान का प्रधानमंत्री बना। इस पर देश के आयकर-विभाग ने 1945-46 एवं 1946-47 के लिए 50 लाख रुपये का कर लगाया था, लेकिन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने उदारता दिखाते हुए तत्कालीन वित्त मंत्री जान मथाई एवं बंगाल के तत्कालीन मुख्यमंत्री बिधानचंद्र राय को पत्र लिखकर कार्रवाई से उसे मुक्ति दिलवा दी और वह अंततः 1948 में स्थायी रूप से पाकिस्तान चला गया। इसके विपरीत गोपाल पाठा ने न केवल दंगाइयों से हिंदुओं की रक्षा की, बल्कि कलकत्ता को पाकिस्तान में मिलाने की जिन्ना, सुहरावर्दी एवं मुस्लिम लीग की साजिश पर पानी फेर दिया। ऐसे में सुहरावर्दी एवेन्यू रोड का गोपाल मुखर्जी रोड में परिवर्तन इतिहास के नायकों और खलनायकों की सही पहचान स्थापित करने की दिशा में एक सार्थक कदम है।

-धनंजय राजौरा

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवाओं को मिल रही नई दिशा

अमलतास अस्पताल द्वारा देवास जिले के शासकीय अस्पतालों में क्वालिटी अवेयरनेस अभियान

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देशभर में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ और गुणवत्तापूर्ण बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के तहत, अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, बांगर द्वारा देवास जिले में क्वालिटी अवेयरनेस अभियान शुरू किया गया । यह गरिमामय कार्यक्रम क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया की क्वालिटी एडवाइजरी प्रमोशन कमेटी की एक अनूठी पहल है, जो अमलतास एजुकेशनल वेलफेयर सोसाइटी के चेयरमैन एवं Q-PAC (INDIA) के सदस्य श्री मयंकराज सिंह भदौरिया के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित किया गया है। इस अभियान की भव्य शुरुआत 3 जुलाई 2026 को महात्मा गांधी जिला चिकित्सालय, देवास में विशेष सत्र से की गई ।

जिला प्रशासन देवास एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के सहयोग से आयोजित इस विशेष जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान उपस्थित डॉक्टर्स, नर्सिंग स्टाफ और तकनीशियनों को स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े कई बेहद संवेदनशील और जरूरी विषयों पर विस्तार से प्रशिक्षित किया जाएगा। इसमें मुख्य रूप से पेशेंट क्वालिटी केयर एंड सेफ्टी, इंफेक्शन कंट्रोल, आपातकालीन स्थिति में जान बचाने की तकनीक यानी सीपीआर, अस्पताल में अग्नि सुरक्षा के इंतजाम और प्रबंधन, हाथों की स्वच्छता, दवाइयों के सुरक्षित रख-रखाव और उपयोग के नियम तथा स्वास्थ्य सेवाओं में गुणवत्ता का स्तर बढ़ाने जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल थे।

शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में देवास के कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सरोजिनी जेम्स बैक की गरिमामय उपस्थिति रहेगी। इसके साथ ही शासकीय जिला स्वास्थ्य विभाग देवास की ओर से सिविल सर्जन डॉ. आर.पी. परमार और आरएमओ डॉ. अजय पटेल अमलतास सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के क्वालिटी डायरेक्टर डॉ. जावेद अली भी विशेष रूप से उपस्थित रहें।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय द्वारा जारी सूची के अनुसार, जिला चिकित्सालय देवास में 3 जुलाई को होने वाले कार्यक्रम के बाद यह अभियान निरंतर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में संचालित होगा। ताकि शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों को गुणवत्ता मानकों के अनुरूप सुदृढ़ और उन्नत बनाया जा सके।

नाली निर्माण में पक्षपात का आरोप, हिंदू जागरण मंच ने मस्जिद के कथित अतिक्रमण पर उठाए सवाल

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अखाड़ा रोड पर नगर निगम द्वारा कराए जा रहे नाली निर्माण कार्य को लेकर हिंदू जागरण मंच ने निष्पक्ष कार्रवाई की मांग उठाई है। मंच ने नगर निगम आयुक्त को ज्ञापन सौंपते हुए आरोप लगाया कि नाली निर्माण के दौरान आम नागरिकों के मकानों के सामने बने ओटले हटाए जा रहे हैं, जबकि मार्ग के मध्य स्थित मस्जिद के समीप कथित अतिक्रमण को यथावत रखते हुए नाली का निर्माण मोड़कर किया जा रहा है। ज्ञापन में कहा गया है कि नगर निगम की इस कार्रवाई से निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो रहे हैं तथा आमजन में असंतोष की स्थिति बन रही है। मंच का कहना है कि यदि सभी नागरिकों के अतिक्रमण हटाए जा रहे हैं तो समान रूप से मस्जिद के समीप स्थित कथित अतिक्रमण पर भी कार्रवाई की जानी चाहिए, जिससे किसी प्रकार का भेदभाव न हो और सामाजिक सौहार्द भी बना रहे। हिंदू जागरण मंच ने नगर निगम आयुक्त से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराते हुए कथित अतिक्रमण हटाकर नियमानुसार नाली निर्माण कराने की मांग की है। ज्ञापन की प्रतिलिपि संभागायुक्त उज्जैन, कलेक्टर देवास, अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) देवास तथा तहसीलदार देवास को भी प्रेषित की गई है।

बरसात में सर्पदंश से घबराएं नहीं, तत्काल अस्पताल पहुंचें

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.दिनेश प्रसाद ने बताया, कि वर्षा ऋतु में सांप एवं अन्य विषैले जीव-जंतुओं की सक्रियता बढ़ने से सर्पदंश की घटनाओं में वृद्धि होती है। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की है, कि बरसात के मौसम में विशेष सतर्कता बरतें तथा सर्पदंश की स्थिति में किसी भी प्रकार की देरी किए बिना पीड़ित को तत्काल निकटतम शासकीय स्वास्थ्य संस्थान पहुंचाएं, ताकि समय पर उपचार प्रारंभ किया जा सके।

उन्होंने बताया, कि जावद विकासखंड के वन एवं पहाड़ी क्षेत्रों में प्रतिवर्ष सर्पदंश के मामले अधिक सामने आते हैं। इसे देखते हुए सिविल अस्पताल जावद, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिंगोली तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नयागांव, अठाना, सरवानिया महाराज, लासूर, डीकेन, जाट, रतनगढ़, काकरियातलाई, अथवाकला, कदवासा एवं झांतला सहित सभी चिन्हित स्वास्थ्य संस्थानों में सर्पदंश के उपचार हेतु एंटी स्नेक वेनम (एएसवी) पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। इन सभी संस्थानों में सर्पदंश का उपचार 24 घंटे, सातों दिन निःशुल्क किया जा रहा है।

सीएमएचओ ने बताया, कि किसी भी आपात स्थिति में उपचार मिलने में कठिनाई होने पर खंड चिकित्सा अधिकारी डीकेन डॉ. मोहन मुजाल्दे (मो. 8770518382) तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिनेश प्रसाद (मो. 9425441214) से संपर्क किया जा सकता है।

डॉ.प्रसाद ने बताया, कि सर्पदंश से बचाव के लिए जूते, कपड़े एवं स्लीपिंग बैग उपयोग से पहले अच्छी तरह झाड़कर देखें। झाड़ियों, ऊंची घास, पत्थरों एवं गड्ढों के आसपास विशेष सावधानी रखें। रात में बाहर निकलते समय टॉर्च का उपयोग करें तथा मजबूत जूते एवं पूरे शरीर को ढकने वाले वस्त्र पहनें। घर एवं आसपास की घास समय-समय पर कटवाएं, कचरा जमा न होने दें तथा घर की दरारों एवं बिलों को बंद रखें। जमीन पर सोने की बजाय पलंग पर सोएं और मच्छरदानी का उपयोग करें। सांप दिखाई देने पर उसे छेड़ने या मारने का प्रयास न करें।

उन्होंने बताया, कि सर्पदंश के बाद काटने वाली जगह पर दर्द, सूजन, दांत के निशान, लालिमा, उल्टी, जी मिचलाना, कमजोरी, सांस लेने में कठिनाई, आंखें खोलने या बोलने में परेशानी, शरीर का सुन्न पड़ना अथवा रक्तस्राव जैसे लक्षण दिखाई देने पर तत्काल अस्पताल पहुंचना चाहिए।

सीएमएचओ ने कहा, कि सर्पदंश की स्थिति में घबराएं नहीं, पीड़ित को शांत रखें तथा प्रभावित अंग को स्थिर रखते हुए शीघ्र अस्पताल पहुंचाएं।

रेवाबाग में आबकारी का छापा, 7 पेटी अवैध शराब जब्त, तस्कर फरार

मुखबिर की सूचना पर दबिश, 63 बल्क लीटर देशी शराब बरामद

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के रेवाबाग क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार पर आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 7 पेटी देशी शराब की खेप जब्त की है। मुखबिर की सटीक सूचना पर शुक्रवार को दी गई दबिश के दौरान आरोपी मौके से फरार हो गया, जबकि भारी मात्रा में अवैध शराब आबकारी टीम के हाथ लगी।

जिला आबकारी अधिकारी बसंती भूरिया ने बताया कि कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देश पर जिले में अवैध शराब के निर्माण, संग्रहण, बिक्री और परिवहन के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत वृत्त देवास (अ) की टीम ने रेवाबाग में छापामार कार्रवाई की।

कार्रवाई के दौरान 4 पेटी देशी मसाला और 3 पेटी देशी प्लेन शराब सहित कुल 63 बल्क लीटर मदिरा बरामद की गई। जब्त शराब की अनुमानित कीमत 33,400 रुपये आंकी गई है।

आरोपी के खिलाफ मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1)(क) एवं 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। फरार आरोपी की तलाश तेज कर दी गई है और मामले की विवेचना जारी है। छापामार कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक प्रेम यादव के नेतृत्व में मुख्य आरक्षक दीपक धुरिया तथा आरक्षक बालकृष्ण जायसवाल, सुरेंद्र वर्षी, निहाल खत्री, आशीष गुप्ता और निकिता परमार की टीम शामिल रही।

आज सन्नौड़ आएंगे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, तैयारियों को अंतिम रूप

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार, 4 जुलाई को हाटपीपल्या विधानसभा के ग्राम सन्नौड़ के दौरे पर रहेंगे। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित आगमन को लेकर जिला प्रशासन ने सभी तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने शुक्रवार को सन्नौड़ स्थित सांदीपनि विद्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय परिसर, कार्यक्रम स्थल, हेलीपैड एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की। साथ ही विद्यालय की कक्षाओं का अवलोकन कर शैक्षणिक सुविधाओं एवं बुनियादी व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, पुलिस प्रशासन और विद्युत मंडल सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरी कर ली जाएं। उन्होंने साफ-सफाई, पेयजल, निर्बाध विद्युत आपूर्ति और सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर शोभाराम सोलंकी, अपर कलेक्टर संजीव जैन, एसडीएम अभिषेक शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा सरकार पर कांग्रेस का बड़ा हमला, किसानों से लेकर कथित घोटालों तक कई मुद्दों पर खोला मोर्चा...

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गांधी भवन स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय में शुक्रवार को आयोजित प्रेस वार्ता में जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती ने केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार, किसानों की समस्याओं, युवाओं के भविष्य, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं तथा प्रदेश में कथित घोटालों को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सरकार जनता से जुड़े गंभीर मुद्दों पर जवाबदेही से बच रही है और कांग्रेस अब इन मुद्दों को लेकर प्रदेशभर में चरणबद्ध आंदोलन चलाएगी। तरुण बाहेती ने प्रदेश कांग्रेस द्वारा जारी प्रेस नोट का हवाला देते हुए कहा कि प्रदेश में आस्था, किसानों, युवाओं और गरीबों से जुड़े कई मामलों ने सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने राम मंदिर से जुड़े कथित घोटाले, नीट सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से जुड़े कथित भूमि खरीद मामले, किसानों के लिए खाद-बीज की कमी, सामाजिक सुरक्षा पेंशन में देरी तथा नीमच-भोपाल ग्रीन फील्ड कॉरिडोर में जिले की कथित उपेक्षा जैसे मुद्दे उठाए।

उन्होंने आरोप लगाया कि खरीफ सीजन के बीच किसान डीएपी, यूरिया और बीज के लिए परेशान हैं। ई-टोकन व्यवस्था और तकनीकी खामियों के कारण उनकी मुश्किलें और बढ़ गई हैं। वहीं लगातार सामने आ रहे पेपर लीक मामलों से लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ है। उन्होंने मुख्यमंत्री से भूमि खरीद संबंधी आरोपों पर स्थिति स्पष्ट करने की भी मांग की।

प्रदेश कांग्रेस की ओर से प्रस्तावित आंदोलन की रूपरेखा साझा करते हुए बताया गया कि सभी जिलों में प्रेस वार्ताएं आयोजित की जाएंगी। ÷छात्रों की गूंज अभियान के माध्यम से नीट और अन्य परीक्षा घोटालों के खिलाफ जनजागरण किया जाएगा। 14 और 15 जुलाई को इंदौर से भोपाल तक जेन-ज़ेड साइक्लोथॉन निकाली जाएगी। मुख्यमंत्री के प्रत्येक जिले के दौरे पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा तथा 15 जुलाई को भोपाल में मुख्यमंत्री निवास का घेराव किया जाएगा। जुलाई के अंतिम सप्ताह में उज्जैन भूमि आवंटन प्रकरण को लेकर महाआंदोलन और महारैली आयोजित करने की घोषणा भी की गई।

कांग्रेस ने बताया कि जल्द ही एक विशेष डिजिटल पोर्टल शुरू किया जाएगा, जिस पर प्रदेश का कोई भी नागरिक सत्ताधारी विधायकों से जुड़े कथित भ्रष्टाचार, घोटालों और अवैध भूमि कब्जों से संबंधित दस्तावेज गोपनीय रूप से अपलोड कर सकेगा। पार्टी का दावा है कि शिकायतकर्ता की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

खिवनी अभयारण्य से लाए गए घायल बाघ युवराज का वन विहार में हो रहा उपचार

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। खिवनी अभयारण्य, देवास में आपसी संघर्ष में गंभीर रूप से घायल हुए नर बाघ %युवराज% का वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल के रेस्क्यू सेंटर में विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में उपचार किया जा रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर बाघ को 27 जून 2026 को रेस्क्यू कर वन विहार लाया गया था। शुक्रवार को उसकी स्थिति का विस्तृत चिकित्सकीय परीक्षण राज्य पशु चिकित्सालय, जहांगीराबाद के वरिष्ठ वेटरिनरी सर्जन डॉ. एस.के. तुमड़िया, वन विहार के वरिष्ठ वन्यप्राणी स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अतुल गुप्ता तथा वन विहार के पशु चिकित्सक डॉ. विनीत द्वारा किया गया।

प्रारंभिक जांच में पाया गया कि बाघ के आगे के दोनों पैर और पिछले बाएं पैर में गहरे घाव हैं। एक्स-रे परीक्षण से आगे के दोनों पंजों में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई है। उसके पिछले बाएं पैर में गहरा घाव होने के कारण छह टांके लगाए गए हैं। उपचार के दौरान बाघ की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और स्वास्थ्य स्थिति के अनुरूप आवश्यक चिकित्सकीय देखभाल की जा रही है। डॉ. अतुल गुप्ता घायल बाघ की स्थिति की निरंतर निगरानी कर रहे हैं।

निरीक्षण के दौरान वन विहार के संचालक श्री विजय कुमार, सहायक संचालक डॉ. रूही हक तथा सफारी प्रभारी श्रीमती सीता काकोड़िया भी उपस्थित रहीं।

ग्राम पंचायत भरभडिया में विकसित भारत जी राम जी योजना के राष्ट्रीय शुभारंभ कार्यक्रम का हुआ सीधा प्रसारण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार द्वारा प्रारंभ किए गए विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) के राष्ट्रीय शुभारंभ कार्यक्रम का शुक्रवार को जनपद पंचायत नीमच की ग्राम पंचायत भरभडिया में सीधा प्रसारण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत सरकार के माननीय पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर किया गया ।ग्राम पंचायत परिसर में आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, पंचायत पदाधिकारियों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने राष्ट्रीय शुभारंभ कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा तथा योजना की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

इस अवसर पर नीमच विधायक श्री दिलीप सिंह परिहार ने कहा कि विकसित भारत का संकल्प तभी साकार होगा, जब गांव आत्मनिर्भर, समृद्ध और सशक्त बनेंगे। उन्होंने कहा कि यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाने, आजीविका के स्थायी साधन विकसित करने,महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने,जल संरक्षण एवं प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन तथा टिकाऊ परिसंपत्तियों के निर्माण के माध्यम से समग्र ग्राम विकास को नई गति प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश में अकुशल श्रमिकों के लिए 300 रुपये प्रतिदिन की मजदूरी निर्धारित की गई है।

खून से लथपथ कलेक्ट्रेट पहुंचे पीड़ित ! अधिकारियों के उड़े होश; जमीन विवाद में हिंसक हमला, राजस्व अमले के सामने बरसी लाठियां

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले की नीमच तहसील के ग्राम अड़मालिया में शुक्रवार को जमीन विवाद उस समय हिंसक संघर्ष में बदल गया, जब राजस्व विभाग की टीम नक्शा दुरुस्ती की कार्रवाई कर रही थी। आरोप है कि कार्रवाई के दौरान दो पक्षों में विवाद बढ़ गया और एक पक्ष ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में एक ही परिवार के पांच लोग घायल हो गए, जिनमें तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है।

घटना के बाद सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि गंभीर रूप से घायल लोग इलाज के लिए सीधे अस्पताल नहीं पहुंचे, बल्कि खून से लथपथ हालत में न्याय की गुहार लगाने जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंच गए। कलेक्ट्रेट परिसर में घायल लोगों को इस हालत में देखकर अधिकारियों, कर्मचारियों और वहां मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। पूरे परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

घायल पक्ष के अनुसार राजस्व विभाग की टीम गिरदावर, पटवारी और चौकीदार के साथ गांव में नक्शा दुरुस्ती की कार्रवाई के लिए पहुंची थी। इसी दौरान पड़ोसी खेत के निलेश, गजेंद्र, रमेश तथा उनके परिवार के अन्य सदस्य मौके पर आ गए। आरोप है कि कहासुनी के बाद राजस्व अमले की मौजूदगी में ही लाठी-डंडों से हमला कर दिया गया।

हमले में जगदीशदास पिता रामदास, बालकदास पिता जगदीशदास और धानसुख पिता बालकदास गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जबकि परिवार के दो अन्य सदस्यों को भी चोटें आई हैं। पीड़ितों का आरोप है कि उनके साथ जानलेवा हमला किया गया।

कलेक्टर कार्यालय में सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। एंबुलेंस के पायलट रशेंद्र पटीदार और ईएमटी प्रतिमा लोकेश ने घायलों को प्राथमिक उपचार दिया और बाद में जिला चिकित्सालय पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है।

घायल पक्ष ने पड़ोसी खेत के निलेश, गजेंद्र, रमेश सहित अन्य लोगों पर हमले का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था और नक्शा दुरुस्ती के दौरान यह विवाद हिंसक रूप ले बैठा।

इधर घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर सक्रिय हो गई।

मनासा पुलिस की बड़ी कार्रवाई तस्करी की बड़ी खेप पकड़ी, 1.660 किलो अफीम के साथ आरोपी गिरफ्तार..

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास के कुशल निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमति हेमलता अग्रवाल एवं अनुविभागीय अधिकारी मनासा श्रीमति शाबेरा अंसारी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी मनासा निलेश अवस्थी के नेतृत्व में पुलिस टीम मनासा द्वारा 01 किलो 660 ग्राम अफीम जप्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। घटना का संक्षिप्त विवरण- दिनांक 01.07.2026 की रात्री में विश्वसनीय मुखबीर सूचना पर अवैध मादक पदार्थ की धरपकड़ हेतु बालाजी मंदीर के सामने मनासा रामपुरा आमरोड मुखबीर के बताये हुलिये का आदमी मिला जिसकी पीठ पर टंगे बेग से 01 किलो 660 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम को एनडीपीएस एक्ट के अज्ञापक प्रावधानों का पालन करते हुए जप्त कर आरोपी शिवा उर्फ शिवलाल विश्नोई पिता देवाराम विश्नोई उम्र 30 साल निवासी चालीसगांव चोपुरी धुलिया को गिरफ्तार कर गिरफ्तारशुदा आरोपी शिवा उर्फ शिवलाल विश्नोई के विरूद्ध धारा 8/18 एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया है पुछताछ में अन्य आरोपी जिसने अवैध मादक पदार्थ उपलब्ध कराया था उक्त आरोपी की तलाश जारी है* *किलो 660 ग्राम मादक पदार्थ अफीम (किमती 2,30,000 बरामदगी- 01 सराहनीय कार्य उक्त सराहनीय एवं त्वरित कार्रवाई में विवेचक श्री निलेश अवस्थी थाना प्रभारी मनासा, उप निरीक्षक तेजसिह सिसोदिया, प्रआर अकीब मेव, प्रआर मनोहर बैरागी, आर दशरथ जाटव, आर प्रकाश कोडावत आर कमल गुर्जर, आर विनोद भाटी की मुख्य व सराहनीय भूमिका रही।

आचार्य पुलकसागरजी महाराज का वंडर सीमेंट में भव्य मंगल प्रवेश

पाटनी परिवार की सादगी और धार्मिक प्रवृति देखकर अभिभूत हुआ हूँ - आचार्य पुलकसागर

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। निम्बाहेड़ा वंडर सीमेंट लिमिटेड परिसर में शुक्रवार को आचार्य श्री 108 पुष्पदन्त सागरजी महाराज के परम शिष्य आचार्य श्री पुलकसागरजी महाराज का ससंघ भव्य मंगल प्रवेश हुआ। इस अवसर पर वंडर सीमेंट के वाईस चेयरमैन विमल पाटनी, श्रीमती तारिका पाटनी सहित पाटनी परिवार तथा आर.के. मार्बल के निर्मल दोषी, वंडर सीमेंट के निदेशक परमानन्द पाटीदार एवं यूनिट हेड नितिन जैन* सहित अधिकारियों ने विधिवत स्वागत किया और मुनि श्री के पद प्रक्षालन कर धर्म के प्रति अपनी निष्ठा जताई!

अपने मंगल प्रवचन में आचार्यश्री ने *गुरु भक्ति, सेवा, त्याग, विनम्रता और समाज के प्रति समर्पण का संदेश देते हुए कहा कि ÷मैं वंडर सीमेंट में आर.के. परिवार की सादगी, अपनापन और संतों के प्रति श्रद्धा देखकर अत्यंत अभिभूत हूँ।÷ उन्होंने समाज रत्न अशोक पाटनी के व्यक्तित्व की सराहना* करते हुए कहा कि वैभव के साथ त्याग और समाजहित का ऐसा समन्वय अत्यंत प्रेरणादायी है। वंडर समूह के कार्यों कि प्रशंसा करते हुए आगे मुनि श्री ने कहा कि सीमेंट जोड़े ईंट को, धर्म जोड़े जीव को, झुका जो शीश गुरु चरण, उसने जीता जग को,सोच बना वंडर जैसी, व्यक्तित्व हो दमदार, ऐसा जी कर जाओ कि जमाना करे जय-जयकार! पाटनी समूह के सामाजिक धार्मिक सरोकार पर मुनि श्री बोले कि नवधा भक्ति के साथ साथ धर्म सेवा मे अग्रणी रहने के साथ ही अपने चरित्र मज़बूती के जरिये आप सभी कि मेहनत से प्रोडक्शन भी मज़बूत हुआ है! अल्प समय मे ही आज पुरे विश्व मे वंडर सीमेंट का नाम हुआ है!

प्रवचन एवं आहारचर्या के पश्चात आचार्यश्री ने आर.के. नगर से चित्तौड़गढ़ के लिए विहार किया। इस दौरान पाटनी परिवार, वंडर सीमेंट परिवार तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पदयात्रा के साथ आचार्य एवं संघ की श्रद्धापूर्वक उनकी अगवानी की एवं विदाई दी।

30 साल बाद जीरन तालाब की सीमा तय, 190 हेक्टेयर का सीमांकन पूरा; भू-माफियाओं पर कसेगा शिकंजा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के जीरन में तीन दशक से चली आ रही मांग आखिरकार पूरी हो गई। जल संसाधन विभाग ने जीरन तालाब का बहुप्रतीक्षित सीमांकन कार्य पूरा कर लिया है। लगभग 190 हेक्टेयर क्षेत्र में हुए इस सर्वे के बाद अब तालाब की वास्तविक सीमा स्पष्ट हो गई है। विभाग का कहना है कि सीमांकन के बाद डूब क्षेत्र में होने वाले अवैध कब्जों, मिट्टी के अवैध उत्खनन और भू-माफियाओं की गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकेगा, जबकि वैध खाताधारक किसानों की जमीन को किसी प्रकार का नुकसान नहीं होगा।

जानकारी के अनुसार 27 जून से शुरू हुआ सीमांकन अभियान 30 जून तक लगातार चलाया गया। तीन दिनों तक चले इस विशेष सर्वे अभियान में आधुनिक तकनीक की मदद से तालाब के पूरे क्षेत्र का सीमांकन किया गया। पिछले करीब 30 वर्षों से स्थानीय किसान और तालाब संरक्षण से जुड़े लोग इसकी मांग कर रहे थे, क्योंकि सीमांकन नहीं होने के कारण आए दिन जमीन को लेकर विवाद होते थे।

भू-माफियाओं के खेल पर लगेगी रोक- जल संसाधन विभाग के अनुसार सीमांकन नहीं होने का फायदा उठाकर कुछ लोगों ने तालाब के डूब क्षेत्र में अवैध कब्जे कर लिए थे। गहरीकरण की अनुमति का दुरुपयोग करते हुए डूब क्षेत्र की मिट्टी का अवैध उत्खनन कर उसे बेचा जा रहा था। इतना ही नहीं, कुछ स्थानों पर करीब 10 फीट तक मिट्टी भरकर तालाब के प्राकृतिक क्षेत्रफल को भी कम करने की कोशिश की गई। अब सीमांकन के बाद स्पष्ट हो जाएगा कि कौन-सी भूमि निजी खाताधारकों की है और कौन-सा हिस्सा तालाब के डूब क्षेत्र में आता है।

राजस्व रिकॉर्ड की होगी जांच- मैदानी सीमांकन पूरा होने के बाद अब जल संसाधन विभाग, राजस्व विभाग के सहयोग से आसपास की भूमि के रिकॉर्ड और दस्तावेजों की जांच करेगा। डूब क्षेत्र में आने वाली जमीनों की पहचान के बाद सीमांकित क्षेत्र के चारों ओर खाई बनाने का कार्य शुरू किया जाएगा, ताकि भविष्य में दोबारा अतिक्रमण न हो सके।

किसानों को किया आश्वस्त- कार्यपालन यंत्री हिमांशु भाबोर ने बताया कि तालाब का सीमांकन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। अब शेष कागजी और तकनीकी प्रक्रिया भी जल्द पूरी की जाएगी। इसके बाद सीमांकित क्षेत्र में खाई निर्माण का कार्य शुरू होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि तालाब का लगभग 190 हेक्टेयर क्षेत्र सीमांकित किया गया है और इस कार्रवाई से वैध खाताधारक किसानों की निजी भूमि को किसी प्रकार का नुकसान नहीं होगा।

कांग्रेस राज में अंग्रेजों से ज्यादा जुल्म हुए, भाजपा ने 0% ब्याज पर दिया ऋणः महेंद्र सिंह यादव

खरगोन पहुंचे अपेक्स बैंक के प्रशासक बोले, प्रदेश में 10 लाख नए लोगों को सहकारिता से जोड़ने का लक्ष्य

खरगोन/ अंजू त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सहकारिता आंदोलन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश अपेक्स बैंक के प्रशासक महेंद्र सिंह यादव इन दिनों प्रदेश के सभी जिलों के सघन दौरे पर हैं। इसी कड़ी में खरगोन पहुंचे अपेक्स बैंक के प्रशासक ने सहकारिता के क्षेत्र में हो रहे ऐतिहासिक बदलावों को रेखांकित किया। वहीं, विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास अब केवल बेबुनियाद आरोप लगाने के अलावा कोई काम नहीं बचा है।

कांग्रेस शासन में होती थी किसानों के घरों की नीलामी विपक्ष के उन आरोपों पर जिसमें भाजपा पर सहकारिता को खत्म करने की बात कही गई थी, पलटवार करते हुए महेंद्र सिंह यादव ने कहा कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में किसानों के साथ अंग्रेजों से भी ज्यादा जुल्म किए थे। उन्होंने अतीत की याद दिलाते हुए कहा-अगर कांग्रेस सरकार के समय किसान ऋण की राशि समय पर नहीं भर पाता था, तो उसके घर पर तहसीलदार, बैंक और कलेक्टर मिलकर नोटिस चस्पा कर देते थे। इतना ही नहीं, किसानों की बैलगाड़ी से लेकर उनके घरों तक की बेरहमी से नीलामी कर दी जाती थी।

कांग्रेस का 18% बनाम भाजपा का 0% ब्याज- यादव ने दोनों सरकारों के बीच की नीतियों का अंतर स्पष्ट करते हुए आंकड़ों के साथ बात रखी। उन्होंने बताया कि ब्याज दरों में भारी राहत- कांग्रेस के समय किसानों को 18 प्रतिशत की भारी-भरकम ब्याज दर पर ऋण दिया जाता था, जिससे किसान कर्ज के दलदल में फंस जाता था। इसके विपरीत, भाजपा सरकार ने किसानों को 0 प्रतिशत (शून्य फीसदी) ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराने का ऐतिहासिक काम किया है। ऋण सीमा में बढ़ोतरी- भाजपा सरकार ने किसानों की आर्थिक सहूलियत को देखते हुए 1 लाख रुपये से लेकर 3 लाख रुपये तक की ऋण सुविधा आसानी से उपलब्ध कराई है।

भुगतान की नई व्यवस्था अब किसानों को हर छह महीने में ऋण लेने की सुविधा दी जा रही है, जबकि ऋण जमा करने का काम वर्ष में केवल एक बार करना होता है, जिससे किसानों पर से मानसिक और आर्थिक दबाव पूरी तरह खत्म हो गया है।

10 लाख लोगों को सहकारिता से जोड़ने का महा-लक्ष्य- भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए अपेक्स बैंक के प्रशासक महेंद्र सिंह यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश में सहकारिता का दायरा तेजी से बढ़ाया जा रहा है। सरकार और बैंक का लक्ष्य प्रदेश के 10 लाख नए लोगों को सहकारिता आंदोलन से जोड़ना है। इस लक्ष्य को समय पर पूरा करने की दिशा में विभाग और बैंक लगातार पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहे हैं, ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को एक नई गति दी जा सके उक्त कार्यक्रम कपास मंडी परिसर में आयोजित किया गया जहां मुख्य रुप से सांसद गजेन्द्र पटेल, पीसीसी सीईओ संध्जिया रोकड़े ला अध्यक्ष नन्दा ब्रह्माम्णे, पुर्व जिलाध्यक्ष परसराम चौहान, पूर्व जिलाध्यक्ष राजेन्द्र यादव, गणपति यादव, मांगीलाल गाड़गे, विनोद पाटीदार, सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

5 जुलाई को 170 श्रद्धालुओं का विशाल जत्था पवित्र बाबा श्री अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना होगा

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बदनावर से 5 जुलाई (रविवार) को 170 श्रद्धालुओं का विशाल जत्था पवित्र बाबा श्री अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना होगा। यात्रा का आयोजन यात्रा संचालक रूपेश राठौड़ द्वारा किया जा रहा है। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यात्रा एसी स्लीपर बसों के माध्यम से कराई जाएगी।

यात्रा संचालक रूपेश राठौड़ ने बताया कि यात्रा की अवधि 12 से 15 दिन रहेगी तथा श्रद्धालुओं को बालटाल मार्ग से बाबा बर्फानी के पवित्र दर्शन कराए जाएंगे। सभी यात्रियों का रजिस्ट्रेशन जम्मू पहुंचने के बाद कराया जाएगा। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के लिए भोजन, आवास एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की उत्कृष्ट व्यवस्था यात्रा समिति द्वारा की गई है, जिससे सभी श्रद्धालु सुरक्षित एवं सुविधाजनक यात्रा का आनंद ले सकें। यात्रा के दौरान श्रद्धालु श्री बैजनाथ महादेव, उज्जैन, गोकुल, मथुरा, वृंदावन, कुरुक्षेत्र सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों के दर्शन करते हुए जम्मू पहुंचेंगे। यात्रा में उज्जैन, इंदौर, भोपाल, देवास, धार, बदनावर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। यात्रा संचालक रूपेश राठौड़ ने सभी श्रद्धालुओं से समय पर उपस्थित होकर यात्रा को सफल बनाने का आग्रह किया है।

उन्हेंल मंडल की मासिक संगठनात्मक बैठक संपन्न

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संगठन के दिशा-निर्देशानुसार मासिक बैठक के क्रम में आज उन्हेंल मंडल के पदाधिकारियों की संगठनात्मक बैठक संपन्न हुई...। बैठक की अध्यक्षता कर रहे मण्डल अध्यक्ष राजकुमार जैन ने बताया की उन्हेंल मण्डल मे 17 शक्ति केंद्रों के माध्यम से 84 बूथ पर भारतीय जनता पार्टी उन्हेंल मण्डल के कार्यकर्त्ता मण्डल को सशक्त एवं मजबूत बनाने के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रहे है। बैठक में मंडल मे अब तक संपन्न हुए संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा की गई तथा आगामी कार्यक्रमों एवं संगठन विस्तार को लेकर प्रमुख कार्यकर्ताओं के साथ विस्तृत संवाद हुआ।तथा बड़ी संख्या में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म प्रशिक्षण प्राप्त कर प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए संगठन एप का उपयोग कर मेघावी प्रमाण पत्र प्राप्त किया एवं मन की बात कार्यक्रम की समीक्षा, आगामी 6 जुलाई को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्मजयंती प्रत्येक बुथ पर मनाए जाने हेतु संकल्प लिया। बैठक मे भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेतागण सभी शक्ति केंद्रों के पालक संयोजक एवं आईटी प्रभारी एवं मंडल के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। बैठक का संचालन मण्डल महामंत्री रामेश्वर आंजना ने किया तथा आभार मण्डल महामंत्री तेजू जटिया ने माना। उक्त जानकारी मण्डल मिडिया प्रभारी अश्विन जैन नोनु एवं मयूर जैन ने दी।

राष्टीय अध्यक्ष धर्मेंद्र अग्निहोत्री ने भरत शर्मा को सौंपी संगठन की कमान

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आर्यावृत पत्रकार संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र अग्निहोत्री ने संगठन का विस्तार करते हुए रतलाम के वरिष्ठ व निर्भीक पत्रकार भरत शर्मा को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। अग्निहोत्री द्वारा जारी आधिकारिक नियुक्ति पत्र के अनुसार, भरत शर्मा की समाजहित और निष्पक्ष पत्रकारिता के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें संघ का प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति 2 जुलाई 2026 से प्रभावी की गई है। राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र अग्निहोत्री, राष्ट्रीय सचिव कमल सिंह चौबे और राष्ट्रीय महासचिव राकेश रवि चौहान ने विश्वास जताया है कि भरत शर्मा के जुड़ाव से संगठन को नई मजबूती और नेतृत्व क्षमता मिलेगी। इस गरिमामयी नियुक्ति पर रतलाम जिलेभर के पत्रकारों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का आभार व्यक्त करते हुए भरत शर्मा को उज्ज्वल कार्यकाल की हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

सत्ता में रहकर हम जनता को कर सकते है लाभांवित- अपेक्स प्रशासक श्री यादव

भाजपा कार्यकर्ताओं को कराया दायित्व बोध

खरगोन/ अंजू त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मप्र राज्य सहकारी बैंक अपेक्स बैंक प्रशासक महेंद्र सिंह यादव गुरुवार को शहर पहुंचे। भाजपा कार्यालय पर उनका स्वागत-सत्कार किया गया। यहां आयोजित बैठक में श्री यादव ने कहा कि हम जनहितैषी योजनाएं बनाकर जनता को उसका लाभ सत्ता में रहकर दे सकते है। सत्ता में बने रहने के लिए संगठित संगठन जरुरी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को दायित्व बोध कराते हुए कहा कि मैं खुद को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मैं भाजपा का कार्यकर्ता हूं। हमें संगठन में मैं का भाव न रखकर हम का भाव रखना है, तभी सत्ता में बने रहेंगे। जिलाध्यक्ष श्रीमती नंदा ब्राह्मणे ने स्वागत भाषण दिया। सांसद गजेंद्र पटेल ने कहा कि युवाओं के लिए आत्मनिर्भर बनने के लिए सहकारिता बड़ा क्षेत्र है। युवाओं, महिलाओं, किसानों के लिए चलाई जा रही योजनाओं का लाभ लेकर आत्म निर्भर बनने के लिए प्रेरित किया।

विधायक बालकृष्ण पाटीदार ने कहा कि विधायक पाटीदार ने कार्यकर्ताओं से सरकार की जनहितैषी नीतियों और सहकारिता योजनाओं को प्रभावी ढंग से प्रचारित करने का आग्रह किया, जिससे अधिक से अधिक लोग इनका लाभ उठा सकें और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ें। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी कांतिलाल कर्मा ने बताया बैठक में बड़वानी जिलाध्यक्ष अजय यादव, पूर्व विधायक बाबूलाल महाजन, पूर्व विधायक आत्माराम पटेल, पूर्व जिलाध्यक्ष राजेंद्र यादव, पुर्व जिलाध्यक्ष परसराम चौहान, पूर्व जिलाध्यक्ष रणजीत डंडीर, महामंत्री विवेक भटोरे, मांगीलाल गाड़गे मंचासीन रहे। संचालन जिला कार्यालय मंत्री विजय पटेल ने किया, आभार जिला महामंत्री प्रकाश पाटीदार ने माना। बैठक के दौरान महिला मोर्चा जिलाध्क्ष श्रीमती शीला पटेल को जन्मदिन की शुभकामनाएं भी दी गई। अतिथियों का स्वागत अजा मोर्चा जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर भालसे ने किया। इस दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, पदाधिकारी मौजूद रहे।

आज होगा आलोट टेंट लाइट कैटरिंग साउंड फ्लावर डेकोरेशन संगठन का सम्मान समारोह

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर परिषद आलोट अंबेडकर भवन में प्रदेश स्तर के फेडरेशन ऑफ़ एमपी के संगठन भोपाल के अंतर्गत शाखा आलोट द्वारा सम्मान एवं मिलन समारोह शनिवार 4 जुलाई प्रातः 12ः00 बजे से 2ः00 बजे तक अंबेडकर भवन आलोट पर आयोजित किया जा रहा है जिसमें मध्य प्रदेश सरकार के प्रतिनिधि के रूप में आलोट विधायक डॉ चिंतामणि मालवीय जनपद अध्यक्ष कालू सिंह जी परिहार नगर परिषद आलोट अध्यक्ष प्रतिनिधि अभिषेक जैन बंटी एवं फेडरेशन आफ मध्य प्रदेश के विभिन्न पदाधिकारी रहेंगे उपस्थित साथी वरिष्ठ ट्रेंटसंचालकों का सम्मान एवं प्रदेश सरकार के प्रतिनिधि के रूप में पधार रहे डॉक्टर चिंतामणि से टेंट एसोसिएशन एवं काम करने वाले सभी लोगों का सरकार द्वारा पंजीकृत बीमा हो और सभी संचालकों का रोजगार उद्योग में शामिल किया जाए मांग को लेकर ज्ञापन भी दिया जाएगा यह जानकारी आलोट ब्लॉक अध्यक्ष कर्णपाल सिंह सिसोदिया ने दी।

खरगोन जिला अस्पताल का ICU खुद वेंटिलेटर परः 20 दिनों से AC बंद, कूलर के भरोसे तड़प रहे गंभीर मरीज

जिम्मेदार मौन: CMHO ने नहीं उठाया फोन, भीषण गर्मी में मरीजों की जान से खिलवाड़

खरगोन/ अंजू त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला मुख्यालय स्थित जिला चिकित्सालय की स्वास्थ्य व्यवस्थाएं एक बार फिर वेंटिलेटर पर नजर आ रही हैं। अस्पताल का सबसे संवेदनशील हिस्सा माना जाने वाला ICU (इंटेंसिव केयर यूनिट) वार्ड इन दिनों खुद ही बीमार हो चुका है। पिछले लगभग 15 से 20 दिनों से ढ्ष्ट वार्ड के एयर कंडीशनर पूरी तरह बंद पड़े हैं। उमस और भीषण गर्मी के इस दौर में गंभीर मरीजों को राहत देने के लिए विभाग ने महज औपचारिकता निभाते हुए एक अस्थाई कूलर लगा दिया है, जो इस जीवन-रक्षक वार्ड में नाकाफी साबित हो रहा है।

मरीजों और परिजनों की बढ़ी मुश्किलें- ICU वार्ड में उन मरीजों को रखा जाता है। जिनकी हालत बेहद नाजुक होती है और जिन्हें संक्रमण से बचाने व स्थिर तापमान में रखने की सख्त जरूरत होती है। लेकिन, पिछले तीन हफ्तों से बंद पड़े ष्ट के कारण मरीजों को पसीने से तर-बतर होना पड़ रहा है। वार्ड में भर्ती मरीजों के परिजनों ने बताया कि उमस के कारण मरीजों की घबराहट और परेशानी दोगुनी हो गई है। स्वास्थ्य लाभ लेने आए मरीज यहाँ की अव्यवस्थाओं के कारण और ज्यादा बीमार हो रहे हैं।

कुंभकर्णी नींद में सोया जिम्मेदार विभाग- हैरानी की बात यह है कि अस्पताल का पूरा प्रशासनिक अमला इसी परिसर में बैठता है, इसके बावजूद पिछले 20 दिनों से किसी भी जिम्मेदार अधिकारी ने इस व्यवस्था को सुधारने की जहमत नहीं उठाई। स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से अनजान और संवेदनहीन बना हुआ है। ऐसा प्रतीत होता है कि विभाग को किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार है।

पक्ष लेने से बच रहे अधिकारी (वर्जन)- इस गंभीर अव्यवस्था और मरीजों की परेशानी को लेकर जब हमारे प्रतिनिधि दिलीप पंचोली द्वारा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. चौहान से उनके मोबाइल नंबर पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, तो उन्होंने फोन उठाना भी मुनासिब नहीं समझा। अधिकारियों का यह रवैया साफ दर्शाता है कि वे जनता की समस्याओं और मीडिया के सवालों से बच रहे हैं। शाही एवं आईसीयू वार्ड में स्टाफ से चर्चा कि तों मुह छुपाते हुए जवाब देने से कतराते हुएं अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया।अब देखना यह है कि कब आईसीयू वार्ड में एसी चालू होगा और कब मरिजो कों इस अव्यवस्था से निजात मिलेगी। लेकिन वर्तमान में तो एक कुलर ओं भी बिना पानीं के आईसीयू संचालित हो रहा है।

RSS की ड्रेस... और हाथ में कांग्रेस का लेटर

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश के नीमच जिले की जावद विधानसभा अंतर्गत आने वाले सिंगोली ब्लॉक से एक ऐसा चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसने राजनीतिक गलियारों में खलबली मचा दी है। सिंगोली ब्लॉक कांग्रेस कमेटी में पदों को रेवड़ी की तरह बांटे जाने के गंभीर आरोप लगाते हुए स्थानीय कार्यकर्ताओं ने बगावत का बिगुल फूंक दिया है।

पूरा विवाद अशोक कुमार छिपा को सिंगोली ब्लॉक कांग्रेस कमेटी का सचिव नियुक्त पत्र सोशल मीडिया पर एक तस्वीर तेजी से वायरल हो गई, वायरल फोटो में नवनियुक्त कांग्रेस सचिव राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पूरी गणवेश (ड्रेस) पहने हुए फोटो खिचवा रहे हैं! पारिवारिक पृष्ठभूमि की बात करें तो अशोक कुमार छिपा का पूरा परिवार पारंपरिक रूप से कट्टर कांग्रेसी रहा है। इनके पिता को कांग्रेस शासनकाल में सोसाइटी अध्यक्ष पद से भी नवाजा गया था। लेकिन साल 2014 के बाद देश की बदली राजनीतिक बयार में बेटे ने राह बदल ली और वे RSS के सक्रिय स्वयंसेवक बन गए। संघ की ड्रेस पहनकर लाठी थामे उनकी तस्वीरें अब खुद कांग्रेस की नियुक्तियों पर सवालिया निशान खड़ी कर रही हैं।

मेहनती कार्यकर्ताओं का अपमान क्यों?- कांग्रेस नेता पंकज तिवारी ने इसकी शिकायत प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह से की है!

भाई की मौत का सदमा नहीं सह सकी बहन, कुछ घंटों के भीतर दोनों का निधन

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रवीण व्यास दैनिक मालवा हेराल्ड रतलाम जिले के बड़ावदा क्षेत्र में एक ही परिवार में कुछ घंटों के अंतराल में भाई-बहन की मौत से शोक की लहर फैल गई। भाई के निधन की सूचना मिलने के बाद सदमे में आई बहन ने भी दम तोड़ दिया।

जानकारी के अनुसार, पंचेवा निवासी समरथ राठौड़ घर पर काम करने के बाद आराम करने के लिए सोए थे। कुछ देर बाद बच्चों ने उन्हें जगाने का प्रयास किया, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। परिजनों ने देखा तो वे अचेत अवस्था में थे। तत्काल चिकित्सकीय सहायता लेने का प्रयास किया गया, लेकिन तब तक उनका निधन हो चुका था। प्रारंभिक तौर पर उनकी मौत का कारण हृदयाघात (हार्ट अटैक) माना जा रहा है।

भाई के निधन की खबर मिलते ही बड़ावदा निवासी राधाकिशन राठौड़ की पत्नी मंजूबाई राठौड़ (52) गहरे सदमे में आ गईं। उनकी तबीयत अचानक बिगड़ने पर परिजन उन्हें जावरा के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद रेफर किया, लेकिन उपचार के दौरान उन्होंने भी दम तोड़ दिया। चिकित्सकों के अनुसार मरीज की हालत अत्यंत गंभीर थी और उन्हें सांस लेने में परेशानी हो रही थी।

अशिताका के साथ अपनी मक्के की फसल को सुरक्षित रखने का यही सही समय है

मुंबई- मध्य प्रदेश के मक्का किसानों के लिए, फसल की शुरुआती अवस्था इस मौसम के सबसे महत्वपूर्ण चरणों में से एक होती है। जैसे ही फसल जमना शुरू होती है, घास और चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार नमी, पोषक तत्वों और धूप के लिए तेजी से मुकाबला करने लगते हैं, जिससे शुरुआत से ही पौधे के बढ़ने की क्षमता कम हो जाती है।

इन खरपतवारों को नियंत्रित करने का सबसे असरदार समय तब होता है जब खरपतवार 2 से 4 पत्तियों की अवस्था में हों, और राज्य के कई मक्के के खेतों के लिए यह सही समय अभी है।

इस महत्वपूर्ण चरण के दौरान किसानों को अपनी फसल की रक्षा करने में मदद करने के लिए, गोदरेज एग्रोवेट ने आईकेएस जापान के सहयोग से अशिताका पेश किया है, जो विशेष रूप से मक्के के लिए तैयार किया गया एक खरपतवार नाशक है।

400 मिलीलीटर प्रति एकड़ सर्फेक्टेंट के साथ 50 मिलीलीटर प्रति एकड़ की अनुशंसित खुराक में उपयोग किए जाने पर, अशिताका घास और चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों पर प्रभावी नियंत्रण देता है। यह फसल और खरपतवार के बीच के मुकाबले को कम करता है, जिससे मिट्टी की नमी और पोषक तत्वों का बेहतर उपयोग हो पाता है। सही समय पर इसका उपयोग फसल को मजबूती से जमने, पौधों के स्वस्थ विकास और पैदावार की क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है।

गोदरेज एग्रोवेट के क्रॉप केयर बिजनेस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एन. के. राजावेलु ने कहा, अशिताका के माध्यम से, हम किसानों को सही समय पर कदम उठाने और अपनी फसल को वह मजबूत शुरुआत देने के लिए प्रोत्साहित करना चाहते हैं, जिसकी एक अच्छी पैदावार वाले मौसम के लिए जरूरत होती है। अगर आपके खेत में खरपतवार 2 से 4 पत्तियों की अवस्था में पहुँच चुके हैं, तो कार्रवाई करने का समय यही है। आज सही समय पर किया गया उपाय कल की पैदावार को सुरक्षित रखने में मदद कर सकता है।

सेफ क्लिक 2.0 : कानवन पुलिस ने स्कूली बच्चों को दिए साइबर सुरक्षा के टिप्स, एडवाइजरी जारी

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश के पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना के निर्देशन में पूरे प्रदेश में देश का सबसे बड़ा साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान सेफ क्लिक 2.0 चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में धार पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती पारुल वेलापुरकर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डाबर के मार्गदर्शन में कानवन थाना पुलिस ने विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए।

शुक्रवार को अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अरविंद सिंह तोमर के नेतृत्व में कानवन थाना प्रभारी रविंद्र कुमार बारिया और उनकी टीम ने क्षेत्र के कई प्रमुख शिक्षण संस्थानों में पहुँचकर छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को साइबर अपराधियों से बचने के तौर-तरीके सिखाए।

पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र के श्री सरदार पटेल विद्या मंदिर हाई सेकेंडरी स्कूल बिड़वाल, प्रगति एकेडमी हायर सेकेंडरी स्कूल कोद, वर्थिंगटन इंटरनेशनल स्कूल अम्बोदिया, सरस्वती शिशु मंदिर कानवन के विद्यालयों में छात्र-छात्राओं और स्टाफ के बीच पहुँचकर सीधा संवाद किया गया। विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकों और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में साइबर सुरक्षा के टिप्स दिए गए।

कानवन पुलिस ने कार्यक्रम के दौरान वर्तमान समय में बढ़ रहे साइबर अपराधों जैसे डिजिटल अरेस्ट, फर्जी लुभावने ऑफर्स, असुरक्षित वेबसाइटों के प्रयोग और अनजान लिंक्स पर क्लिक करने से होने वाले खतरों के बारे में विस्तार से समझाया।

पुलिस टीम ने आमजन और युवाओं से अपील करते की सलाह दी की अनजान नंबरों से आने वाले कॉल्स या वीडियो कॉल्स पर आसानी से भरोसा न करें। व्हाट्सएप या मैसेज पर आए किसी भी अज्ञात लिंक, फोटो, वीडियो या क्क फाइल्स को डाउनलोड न करें। लॉटरी, बड़ा इनाम, कैशबैक, केबीसी लकी ड्रॉ, घर बैठे जॉब, सस्ते लोन या बीमा के झांसे देने वालों से सावधान रहें। अपने सोशल मीडिया और मैसेजिंग ऐप्स (जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स, व्हाट्सएप, टेलीग्राम) पर Two-Step Verification हमेशा ऑन रखें। किसी भी अनजान दुकानदार, स्टोर संचालक या फोन करने वाले व्यक्ति को अपने पर्सनल दस्तावेज, बैंक डिटेल या ओटीपी कभी न दें।

कानवन पुलिस का कहना है कि जागरूकता ही साइबर अपराधों से बचने का सबसे प्रभावी हथियार है, और यह अभियान लगातार जारी रहेगा ताकि आमजन को सुरक्षित रखा जा सके।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर चिकित्सा सम्मान समारोह का किया आयोजन

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पश्चिम बंगाल के भूतपूर्व मुख्यमंत्री डॉ विधान चन्द्र रॉय के जन्मदिवस के उपलक्ष्य प्रति वर्ष एक जुलाई को मनाए जाने वाले राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के उपलक्ष्य में समूची पृथ्वी पर भगवान का रूप माने जाने वाले चिकित्सकों को उनके द्वारा की जा रही समाज सेवा के धन्यवाद स्वरूप मनाए जाने वाले राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस 2026 के अवसर पर इंदौर जिले की सामाजिक संस्था औरा फाउंडेशन द्वारा एक निजी होटल में आयोजित किए गए चिकित्सा सम्मान समारोह में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देपालपुर में सन् 2023 से पदस्थ राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान ग्रामीण क्षेत्र के नोडल अधिकारी डॉ दिलीप शर्मा सर,भूतपूर्व खंड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देपालपुर के डॉ वीरेंद्र राजगीर सर, जिला चिकित्सालय खंडवा की डॉ दर्शिका शर्मा मैडम सहित अनेकों ख्याति प्राप्त, गणमान्य चिकित्सकों का प्रमाण पत्र और उपहार सहित औरा फाउंडेशन की पट्टिका वस्त्र और मोतियों की माला पहना कर सम्मान किया गया। यह पुरस्कार मध्य प्रदेश सरकार के पूर्व राज्य मंत्री श्री योगेंद्र महंत जी द्वारा दिया गया।

उल्लेखनीय है कि इंदौर जिले में क्षय मुक्त ग्राम पंचायत अभियान में सन् 2023/2024/2025 में लगातार देपालपुर विकासखण्ड सम्पूर्ण इंदौर जिले में अव्वल स्थान पर है, जिला क्षय अधिकारी डॉ शैलेन्द्र जैन, देपालपुर खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ विभा नागर मैडम के दिशा निर्देशों के अनुसार डॉ दिलीप शर्मा और उनकी टीम एन टी ई पी देपालपुर के सदस्यों की अथक मेहनत द्वारा ही देपालपुर विकासखण्ड जिले में अव्वल स्थान पर है ।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी इंदौर डॉ माधव हासानी,औरा फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ कीर्ति अग्रवाल,श्री सुधीर बांका, प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजेश योगी, डॉ करण प्रजापति सहित अनेकों गणमान्य चिकित्सकों ने अपनी बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

बदनावर पुलिस ने न्यू जील फैशन वियर में दी साइबर सुरक्षा की ट्रेनिंग

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। औद्योगिक और व्यावसायिक क्षेत्रों में बढ़ते ऑनलाइन फ्रॉड को देखते हुए बदनावर पुलिस द्वारा विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में स्थानीय कपड़ा निर्माता इकाई न्यू जील फैशन वियर प्राइवेट लिमिटेड में साइबर अवेयरनेस 2.0 प्रोग्राम का आयोजन किया गया।

इस विशेष कार्यक्रम में मुख्य रूप से बदनावर थाना प्रभारी अमित सिंह कुशवाह एवं एस.आई. हिना जोशी मौजूद रहीं। कार्यक्रम के दौरान कंपनी के प्रबंधन, स्टाफ और बड़ी संख्या में काम करने वाले वर्कर्स को वर्तमान समय में हो रहे विभिन्न प्रकार के ऑनलाइन और डिजिटल फ्रॉड्स के प्रति सतर्क किया गया।

थाना प्रभारी अमित सिंह कुशवाह और एस.आई. हिना जोशी ने फैक्टरी के स्टाफ और वर्कर्स को संबोधित करते हुए कहा कि आज के दौर में मोबाइल और इंटरनेट जितना उपयोगी है, उतनी ही सावधानी बरतनी भी जरूरी है। कार्यक्रम में निम्नलिखित प्रमुख बिंदुओं पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया गया। पार्ट-टाइम जॉब और वर्क फ्रॉम होम के नाम पर ठगी पर वर्कर्स को समझाया गया कि यूट्यूब वीडियो लाइक करने या घर बैठे मोटे मुनाफे का लालच देने वाले टेलीग्राम और व्हाट्सएप ग्रुप्स से दूर रहें। मोबाइल पर आने वाले किसी भी लॉटरी, कैशबैक या अज्ञात लिंक पर क्लिक न करें और न ही कोई संदिग्ध .apk फाइल डाउनलोड करें। कंपनी के स्टाफ को विशेष रूप से सचेत किया गया कि किसी भी अनजान कॉलर या खुद को बैंक अधिकारी बताने वाले व्यक्ति को अपना ओटीपी, पासवर्ड या पर्सनल आईडी डाक्यूमेंट्स शेयर न करें। सभी कर्मचारियों को अपने व्हाट्सएप और अन्य सोशल मीडिया अकाउंट्स पर टू-स्टेप वेरिफिकेशन ऑन रखने की सलाह दी गई, ताकि उनका अकाउंट हैक न हो सके।

कार्यक्रम के अंत में न्यू जील फैशन वियर के प्रबंधन और स्टाफ ने बदनावर पुलिस की इस अनूठी पहल की सराहना की। उपस्थित कर्मचारियों ने संकल्प लिया कि वे न सिर्फ स्वयं इन बातों का ध्यान रखेंगे, बल्कि अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी इस साइबर अवेयरनेस 2.0 अभियान के तहत जागरूक करेंगे।

जल संग्रहण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मानित अजय पंड्या सजग

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। जल गंगा संवर्धन अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने पर उज्जैन जिले की बड़नगर विकासखंड की प्रस्फुटन समिति सुन्दराबाद के सदस्य सरपंच प्रतिनिधि अजय पंड्या सजग को उज्जैन स्थित कालिदास अकादमी में जिला स्तरीय जल गंगा संवर्धन अभियान समापन कार्यक्रम में प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर सूक्ष्म एवं लघु उद्योग विकास मंत्री श्री चैतन्य कश्यप, भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश धाकड़, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कमलाकुंवर देवड़ा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती शिवानी कुंवर सोलंकी, महापौर मुकेश टटवाल, निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव, भाजपा नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल उपस्थित रहे। सुंदराबाद समिति को यह सम्मान ग्राम पंचायत द्वारा समिति एवम जन सहयोग से बनाए गए प्रस्फुटन तालाब एवं अन्य जल इकाइयों के लिए प्रदान किया गया है।

आंगनवाड़ी सेवाओं एवं विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु समीक्षा बैठक आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के निर्देशानुसार महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी सुश्री मोनिका बघेल की अध्यक्षता में कलेक्टर सभा कक्ष में विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी सुश्री मोनिका बघेल ने निर्देशित किया कि आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से प्रदाय की जाने वाली समस्त सेवाओं एवं विभागीय योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी पूर्ण सक्रियता, संवेदनशीलता एवं उत्तरदायित्व के साथ कार्य करते हुए यह सुनिश्चित करें कि कोई भी पात्र हितग्राही योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। बैठक के दौरान वल्नरेबिलिटी मैपिंग (जोखिमग्रस्त बच्चों की पहचान), प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना तथा सक्षम आंगनवाड़ी योजना की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने समस्त परियोजना अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों (सुपरवाइजर) को निर्देशित किया कि वे योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी स्तर पर सतत निगरानी करते हुए गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करें। उन्होंने विभागीय योजनाओं के शत-प्रतिशत लाभ वितरण के लिए आगामी 15 दिवस तक विशेष अभियान चलाकर लक्ष्य आधारित कार्य करने के निर्देश दिए। साथ ही आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका भर्ती प्रक्रिया को पूर्ण पारदर्शिता एवं निर्धारित समय-सीमा में संपन्न कराने पर बल दिया। बैठक में गंभीर कुपोषित, मध्यम कुपोषित एवं कम वजन श्रेणी के बच्चों के पोषण स्तर में सुधार हेतु विशेष प्रयास किए जाने तथा उनके नियमित अनुश्रवण एवं प्रभावी प्रबंधन के निर्देश भी प्रदान किए गए।

मानसून की दस्तक के साथ ही उभरने लगा नगर का पुराना दर्द

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आषाढ़ के महीने में मानसून की थोड़ी सी बारिश जहां भीषण गर्मी से राहत लेकर आती है, वहीं नगर के कई इलाकों के लिए यह स्थिति चिंता का सबब बन जाती है। हल्की सी बारिश होते ही नगर के कई प्रमुख मार्ग और निचले इलाके जलमग्न हो जाते हैं। सड़कों पर पानी जमा होने के कारण जहां स्थानीय रहवासियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, वहीं राहगीरों और वाहन चालकों के लिए भी आवागमन बेहद मुश्किल हो जाता है।

यह समस्या कोई नई नहीं है, बल्कि पिछले कई वर्षों से हर मानसून में इसी तरह के हालात देखने को मिलते हैं। हालांकि, स्थिति बिगड़ते ही नगर परिषद की टीम पूरी मुस्तैदी के साथ मैदान में उतरती है और जल निकासी की व्यवस्था को दुरुस्त करने में लग जाती है। लेकिन हर साल बनने वाले इन हालातों के बीच अब आमजन के मन में यह सवाल उठने लगा है कि क्या इस समस्या का कोई स्थाई समाधान मुमकिन नहीं है? आखिर वे कौन से तकनीकी कारण हैं, जिनकी वजह से हर बार यह परेशानी दोबारा खड़ी हो जाती है।

इस समस्या के पीछे मुख्य कारण नगर का वर्तमान ड्रेनेज सिस्टम काफी पुराना हो चुका है। समय के साथ नगर की आबादी और नए निर्माण बढ़े हैं, जिसके अनुपात में पुरानी नालियों की क्षमता कम पड़ने लगी है। वही बारिश से ठीक पहले नालियों की गहरी सफाई होना बेहद जरूरी है। कई बार नालियों में पॉलीथिन, कचरा और गाद जमा होने के कारण पानी का प्रवाह रुक जाता है। यदि समय-समय पर इनकी निरंतर सफाई की पुख्ता व्यवस्था हो, तो पानी का ठहराव काफी हद तक कम हो सकता है। साथ ही कुछ क्षेत्रों में भौगोलिक बनावट या ढलान सही न होने के कारण पानी आगे नहीं बढ़ पाता। प्राकृतिक जल निकासी के रास्तों में रुकावट आने से भी निचले इलाकों में पानी जमा हो जाता है।

आज के डिजिटल और सोशल मीडिया के युग में आम नागरिक भी अपनी समस्याओं को लेकर बेहद जागरूक हो चुके हैं। नगर के विभिन्न वार्डों के लोग अपने इलाकों में होने वाले जलभराव की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर पोस्ट कर रहे हैं। जनता का मकसद किसी की आलोचना करना नहीं, बल्कि जिम्मेदारों का ध्यान इस ओर आकर्षित करना है ताकि समय रहते व्यवस्थाओं को और बेहतर किया जा सके।

नगर परिषद हर बार तत्परता से तात्कालिक राहत तो पहुंचाती ही है, लेकिन अब वक्त आ गया है कि एक विस्तृत कार्ययोजना मास्टर प्लान बनाकर नगर के ड्रेनेज सिस्टम का नए सिरे से सर्वे किया जाए। पानी की निकासी के स्थाई बंदोबस्त और नालियों की नियमित मॉनिटरिंग से ही नगर को इस बारहमासी समस्या से हमेशा के लिए निजात दिलाई जा सकती है।

नगर परिषद सीएमओ शर्मा ने अभियान चलाकर डोर टु डोर की वसुली

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर परिषद सुसनेर के टैक्स वसूली में पिछड़तेपन को देखते हुए शुक्रवार को सीएमओ हरिओम शर्मा ने टैक्स वसूली की खुद कमान संभाली। सीएमओ हरिओम शर्मा के नेतृत्व में राजस्व की टीम द्वारा अभियान चलाकर नगर में डोर टु डोर जाकर सम्पत्ति कर , दुकान किराया एवं जल कर वसुली की जा रही है। इस दौरान सीएमओ शर्मा ने समस्त नगर वासियों से प्रतिमाह समय से समस्त प्रकार के टेक्स जमा करने की अपील की। ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके। इस अवसर पर राजस्व निरीक्षक नरेश कुमार सिंह, उपयत्रीं अरविंद सिंह बघेल, राजु मेट, सामुदायिक संगठक जगदीश परमार, कमलसिंह ठाकुर, जगदीश जोशी, शाहिद खान, आदित्य त्रिवेदी सहित कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

नवप्रवेशित विद्यार्थियों हेतु दीक्षारंभ कार्यक्रम का सफल आयोजन

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बड़नगर में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए तीन दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दीक्षारंभ के अंतिम दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को महाविद्यालयीन जीवन, करियर निर्माण, भारतीय ज्ञान परंपरा तथा मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता प्रदान करना था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अन्नाजर हुसैन नजर भाई ने विद्यार्थियों से मानसिक स्वास्थ्य विषय पर संवाद करते हुए कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए पर्याप्त एवं नियमित निद्रा, संतुलित दिनचर्या, सकारात्मक सोच तथा दूसरों के व्यवहार को मन पर अधिक प्रभावी न होने देना आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को समरसतापूर्ण व्यवहार अपनाने, तनाव से दूर रहने तथा अनुशासित जीवनशैली का अनुसरण करने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं प्रभारी प्राचार्य डॉ. किरण मंडलोई मैडम ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें नियमित रूप से कक्षाओं में उपस्थित कर रहने, अध्ययन के प्रति गंभीर एवं सक्रिय रहने तथा महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं सहशैक्षणिक गतिविधियों में सहभागिता करने के लिए प्रेरित किया।

स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ की प्रभारी प्रो. श्रीमती अनुराधा यादव ने विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की पात्रता, तैयारी की रणनीति तथा गणित एवं तर्कशक्ति जैसे विषयों के व्यवस्थित अध्ययन के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने कहा कि सफलता का मूल मंत्र निरंतर अभ्यास, धैर्य एवं सकारात्मक दृष्टिकोण है। यदि विद्यार्थी दृढ़ संकल्प के साथ निरंतर प्रयास करते हैं तो सफलता अवश्य प्राप्त होती है। वहीं भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के प्रभारी सहायक प्राध्यापक प्रो. मोहित नागर ने भारतीय ज्ञान परंपरा की महत्ता पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सरस्वती-सिंधु सभ्यता के उत्कृष्ट नगर नियोजन, महाजनपद कालीन शिक्षा व्यवस्था तथा ग्राम स्वराज्य की अवधारणा पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी रुचि एवं करियर का चयन करने के लिए चार महत्वपूर्ण सूत्र बताए–

(1) आप कौन-सा कार्य करना सबसे अधिक पसंद करते हैं?

(2) उस कार्य को करने में आपकी दक्षता कितनी है?

(3) क्या उस कार्य से आपके आजीविका का उचित साधन उपलब्ध होगा?

(4) क्या वह कार्य समाज की आवश्यकता एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़ा हुआ है?

उन्होंने कहा कि इन चारों प्रश्नों के सकारात्मक उत्तर जिस कार्य की ओर संकेत करते हैं, वही विद्यार्थी के उज्ज्वल भविष्य एवं सार्थक जीवन का आधार बन सकता है।

कार्यक्रम का सफल संचालन प्रो. मोहित नागर ने किया तथा अंत में प्रो. नेहा डोडिया ने सभी अतिथियों, प्राध्यापकों, विद्यार्थियों एवं विद्यार्थियों के अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सकलेचा के नेतृत्व में यात्री विकास एवं सुझाव मंच का विस्तार, तीन नए संयोजक मनोनीत

चेतन यादव, सुनील त्रिवेदी और भवानीसिंह देवड़ा को सौंपी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। यात्रियों की सुविधाओं के विस्तार, समस्याओं के समाधान और जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के उद्देश्य से वरिष्ठ समाजसेवी राजेश सकलेचा के नेतृत्व में यात्री विकास एवं सुझाव मंच का संगठन विस्तार किया गया। इस दौरान चेतन यादव, सुनील त्रिवेदी एवं भवानीसिंह देवड़ा को मंच का संयोजक मनोनीत किया गया।

मंच के संकल्प आपका सुझाव, हमारा संकल्प के अनुरूप नवनियुक्त संयोजक यात्रियों की समस्याओं के समाधान, सुविधाओं के विकास तथा जनहित के मुद्दों को संबंधित प्रशासन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

इस अवसर पर राजेश सकलेचा ने तीनों संयोजकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मंच का उद्देश्य जनभागीदारी के माध्यम से यात्री हितों की रक्षा करना और आवश्यक सुविधाओं के विस्तार के लिए सकारात्मक प्रयास करना है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया।

नवनियुक्त संयोजकों का हुआ स्वागत, शुभकामनाओं का तांता- मंच के अध्यक्ष नितिन जैन (उन्हेल वाले) सचिव रवि चौहान (पिपलोदा वाले) कोषाध्यक्ष दीपक जैन सहित गौतम लश्करी, जीवनलाल जैन, दिनेश सेठिया, प्रकाश मालपानी, अर्जुन राजोरिया, अनिल शर्मा विनायक, दुर्गेश राठौड़, डॉ. चंदनारायण शुक्ला, हिमांशु वासु ओक्षा, निलेश जैन सोलंकी, प्रमोद कोठारी, आतु बाबा,सतीश जैन,सुनील सकलेचा, अमित बम और प्रकाश चपलोत ने नवनियुक्त संयोजकों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी। साथ ही लायंस क्लब एवं ब्राह्मण समाज के सदस्यों ने भी उनके मनोनयन पर हर्ष व्यक्त करते हुए सफल कार्यकाल की कामना की।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर विप्र रक्त संगठन आलोट ने किया चिकित्सकों का सम्मान

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विप्र रक्त संगठन, शाखा आलोट के सदस्यों द्वारा राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर आज विप्र रक्त संगठन के नकुल खारोल,अशोक पांचाल,योगेश निगम द्वारा नगर के वरिष्ठ एवं सम्माननीय चिकित्सकों से सौजन्य भेंट कर उनको स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष नकूल खारोल,योगेश निगम ने बताया की आगामी 7 जुलाई 2026 को आलोट नगर में शासकीय ब्लड बैंक की स्थापना की जनहितकारी मांग को लेकर होने वाले ज्ञापन कार्यक्रम के संबंध में भी चिकित्सकों से विस्तृत चर्चा की गई। सभी डॉक्टरों ने इस मांग को जनहित एवं स्वास्थ्य सेवाओं की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक बताते हुए सकारात्मक सहयोग एवं समर्थन का आश्वासन दिया। क्षेत्र में आपातकालीन चिकित्सा हेतु ब्लड बैंक (रक्तदान केंद्र) स्थापित करने के लिए विप्र रक्त संगठन के बैनर तले नगर की समस्त सामाजिक राजनेतिक धार्मिक संस्थाओं द्वारा 7 जुलाई मंगलवार को प्रातः 11 बजे रेस्ट हाऊस से पैदल मार्च कर तहसील कार्यालय में कलेक्टर एवं जिला स्वास्थ्य अधिकारी ष्ट॥ह्र के नाम ज्ञापन अनुविभागीय अधिकारी आलोट को दिया जाएगा। हमारे क्षेत्र में आपातकालीन स्थिति, दुर्घटनाओं और प्रसव के दौरान मरीजों को रक्त की सख्त आवश्यकता होती है। ब्लड बैंक न होने के कारण गंभीर मरीजों को हमारे क्षेत्र में किसी भी आपातकालीन दुर्घटना,प्रसव के दौरान या गंभीर बीमारियां (जैसे थैलेसीमिया) के मरीजों को रक्त की आवश्यकता पड़ने पर लगभग [वर्तमान दूरी,जैसे जिला अस्पताल पर निर्भर रहना पड़ता है। समय पर रक्त न मिल पाने के कारण कई बार मरीजों की जान जोखिम में पड जाती है उज्जैन,रतलाम,मंदसौर सहित आस-पास के सभी लगे हुए जिले (लगभग 100 किमी दूर) के बड़े अस्पतालों में रेफर करना पड़ता है। समय पर रक्त न मिलने के कारण कई बार मरीजों की जान जोखिम में पड़ जाती है। क्षेत्र की विषम परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यहाँ एक सरकारी ब्लड बैंक खोलने की अति आवश्यकता है,ताकि समय पर जरूरतमंदों को रक्त मिल सके और जनहानि को टाला जा सके। इस मांग को लेकर आप सभी समय पर उपस्थित हो कर इस मांग का समर्थन करें।। संस्था के धिरेन्द्र सिंह निगम,विजय पुरोहित, गोरव भैसोटा शांतिलाल शर्मा, आशीष खारोल,रवि निगम, भोला पाटीदार लखन दास बैरागी,महेश निगम,दुर्गेश दुबे,महेश परिहार,शिवम निगम,लोकेन्द्र भैसोटा,मुर्तुजा ईज्जी,श्रीमती हेमलता सोनी, श्रीमती संतोष भाटी,सुश्री रुक्मा डाबी आदी सदस्यों ने सभी नगरवासीयों से अधिक से अधिक संख्या उपस्थित हो कर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है साथ ही इस अवसर पर,विप्र रक्त संगठन के संस्थापक दिनेश शर्मा (मीण) सहित कई पदाधिकारीगण उपस्थित रहेंगे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित योजनाओं की प्रगति, पेयजल उपलब्धता एवं जल संरक्षण संबंधी कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिले में प्रत्येक परिवार को प्रदत्त फंक्शनल हाउसहोल्ड टैप कनेक्शन (एफएचटीसी) की उपलब्धि 99.71 प्रतिशत दर्शाए जाने पर कलेक्टर ने संशय व्यक्त करते हुए अधिकारियों को वास्तविक एवं प्रमाणिक जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

हृदय और मस्तिष्क स्वास्थ्य के लिए विशेष कार्यशाला

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भागदौड़ भरी जीवनशैली और तनाव के कारण हृदय आघात (हार्ट अटैक) और ब्रेन स्ट्रोक जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा लगातार बढ़ रहा है। इसी चिंता को देखते हुए, आमजन को स्वस्थ जीवन जीने के गुर सिखाने के उद्देश्य से एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

यह कार्यशाला आगामी 5 जुलाई, रविवार को सुबह 6ः30 बजे स्थानीय संजोग गार्डन, सरस्वती कॉलोनी, बदनावर में संपन्न होगी।

प्राचीन विज्ञान से निवारण- इस कार्यशाला का मुख्य आकर्षण मंत्र, मुद्रा और प्राणायाम का अनूठा संगम होगा।

योग और आयुर्वेद के विशेषज्ञ बताते हैं कि प्राचीन भारतीय पद्धतियों के माध्यम से न केवल तनाव को नियंत्रित किया जा सकता है, बल्कि हृदय और मस्तिष्क की कार्यप्रणाली को भी सुदृढ़ किया जा सकता है।

मुख्य वक्ता का मार्गदर्शन- कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में योग विशेषज्ञ और वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर ओमप्रकाश भारतीय टेलर (ओपी सर) उपस्थित रहेंगे। ओपी सर अपने लंबे अनुभव और शोध के आधार पर प्रतिभागियों को यह सिखाएंगे कि कैसे दैनिक जीवन में सूक्ष्म बदलाव, विशिष्ट मुद्राओं और प्राणायाम के अभ्यास से जानलेवा बीमारियों के जोखिम को कम किया जा सकता है।

आयोजन के बारे में- इस स्वास्थ्य जागरूकता अभियान का आयोजन आंसू खुशियों के वेलफेयर सोसाइटी द्वारा किया जा रहा है। सोसाइटी के पदाधिकारियो ने बताया कि स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए स्वास्थ्य शिक्षा अनिवार्य है। उन्होंने क्षेत्र के सभी नागरिकों से इस निशुल्क और जीवनोपयोगी कार्यशाला में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

नोटः कार्यशाला में भाग लेने वाले प्रतिभागियों से अनुरोध है कि वे आरामदायक कपड़े पहनकर आएं साथ ही अपने साथ अपने लिए योगा मेट जरूर साथ लाएं और समयबद्ध तरीके से उपस्थित हों।

बैजनाथ खेड़ी रोड में कुएं मिला गोवंश का सिर, विश्व हिन्दू परिषद ने जताया आक्रोश

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के बैजनाथ खेड़ी रोड क्षेत्र के पास शुक्रवार को गोवंश का सिर मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए। सूचना मिलने पर उन्हेल पुलिस भी तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुएं में गोवंश का सिर पड़ा होने की सूचना मिलते ही लोगों में आक्रोश फैल गया। पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए तथा गोवंश के अवशेषों को अपने कब्जे में लेकर जांच प्रारंभ की। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही संदिग्ध गतिविधियों की भी जांच कर रही है।

घटना की जानकारी मिलते ही विश्व हिन्दू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंचे। संगठन के पदाधिकारियों ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए इसे धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाला बताया। उन्होंने दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग करते हुए कहा कि यदि पुलिस जल्द ही आरोपियों का पता लगाकर सख्त कार्रवाई नहीं करती है तो विश्व हिन्दू परिषद उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।

संगठन के पदाधिकारियों ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि मामले का शीघ्र खुलासा नहीं हुआ तो चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

उधर, पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए गए हैं और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के आधार पर दोषियों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

वर्जन- प्रशासन को चाहिए जल्द से जल्द गौ माता की हथियारों को पकड़ा जाए एवं कठोर दान दिया जाए मामले का जल्दी खुलासा नहीं किया जाता है तो हिंदू समाज उग्र आंदोलन करेगा।

–जितेंद्र पांचाल, जिला मंत्री विश्व हिंदू परिषद

उन्हेल में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के भूमि चयन और निरीक्षण के लिए संयुक्त दल द्वारा भ्रमण किया

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन द्वारा उन्हेल स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) के रूप में स्वीकृत कर दिया गया है। प्रस्तावित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 30 से 50 बिस्तरों की व्यवस्था का प्रावधान है, जिसके लिए लगभग तीन बीघा भूमि की आवश्यकता होगी।

भूमि चयन एवं निरीक्षण हेतु एक संयुक्त दल का गठन किया गया था, जिसमें मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी उज्जैन डॉ. अशोक कुमार पटेल, जिला कार्यक्रम अधिकारी (महिला एवं बाल विकास विभाग) बृजेश त्रिपाठी, खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजीव कुमरावत, कर्मचारी श्रीमती नेहा निर्मल तथा एसडीएम रंजना पाटीदार, तहसीलदार अनिल मोरे शामिल थे।

दल द्वारा प्रस्तावित भूमि का स्थल निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान भूमि की उपयुक्तता, पहुंच मार्ग, आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता तथा भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की संभावनाओं का समुचित मूल्यांकन किया गया। दल के सभी अधिकारियों ने स्थल को स्वास्थ्य संस्थान निर्माण हेतु उपयुक्त एवं महत्वपूर्ण मानते हुए शीघ्र आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ करने पर सहमति व्यक्त की।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण से उन्हेल क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी तथा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को भी इसका प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा।

निरीक्षण के उपरांत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री बृजेश त्रिपाठी द्वारा उंछेल शहर के वार्ड क्रमांक 5 में आयोजित टीकाकरण सत्र का भी निरीक्षण किया गया। उन्होंने बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं के शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

मेहरबान मानसून... झमाझम बारिश से शिप्रा उफान पर

तापमान में गिरावट से गर्मी से राहत- कई इलाकों में जलभराव ने खोली ड्रेनेज व्यवस्था की पोल।

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में मानसून पूरी तरह मेहरबान नजर आ रहा है। गुरुवार शाम हुई झमाझम बारिश ने लोगों को गर्मी और उमस से राहत दिला दी। वहीं शिप्रा नदी का जलस्तर बढ़ने से घाटों पर रौनक लौट आई। कालियादेह पैलेस के सामने स्थित प्रसिद्ध 52 कुंड में बहते पानी और चारों ओर फैली हरियाली ने ऐसा मनमोहक दृश्य बनाया कि बड़ी संख्या में लोग वहां पहुंचकर प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेते रहे।

जीवाजी वेधशाला के अनुसार इस मानसून सीजन में अब तक शहर में 295 मिलीमीटर बारिश दर्ज की जा चुकी है। यह औसत 906 मिलीमीटर वर्षा का 30 प्रतिशत से अधिक है। यानी मानसून के शुरुआती दौर में ही शहर अपने पूरे बारिश के कोटे का लगभग एक-तिहाई पूरा कर चुका है। लगातार बारिश का असर शिप्रा नदी पर भी साफ दिखाई दे रहा है। नदी का जलस्तर बढ़ने से रामघाट पर पानी मंदिरों तक पहुंच गया। वहीं कालियादेह पैलेस के समीप स्थित 52 कुंड में तेज बहाव के साथ गिरता पानी और आसपास की हरियाली लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी रही। बरसात के मौसम में यह क्षेत्र शहर के सबसे पसंदीदा पर्यटन और आउटिंग स्थलों में शामिल हो जाता है।

बारिश के बाद मौसम भी सुहावना हो गया है। पिछले 24 घंटे में दिन का अधिकतम तापमान 34.5 डिग्री सेल्सियस से घटकर 31.7 डिग्री और रात का न्यूनतम तापमान 24.5 डिग्री से घटकर 23 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तापमान में आई गिरावट से लोगों को गर्मी से काफी राहत मिली।

जिले में अब तक 116 मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 137 मिलीमीटर वर्षा हुई थी। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक अच्छी बारिश की संभावना जताई है। लगातार बारिश से खेतों में नमी बढ़ने लगी है, जिससे खरीफ फसलों को लाभ मिलने की उम्मीद है। किसानों का कहना है कि यदि इसी तरह बारिश जारी रही तो खेती के लिए यह मौसम बेहद लाभकारी साबित होगा।

दूसरी ओर तेज बारिश ने शहर की जल निकासी व्यवस्था की कमियां भी उजागर कर दीं। कई इलाकों में सड़कें पानी से भर गईं, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। गड्ढों में पानी भरने से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया और कई स्थानों पर वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मानसून की शुरुआत में ही सामने आई इन समस्याओं ने नालों की नियमित सफाई और मजबूत ड्रेनेज व्यवस्था की जरूरत एक बार फिर महसूस करा दी है।

धमकाकर बलात्कार करने वाले को 20 वर्ष की सजा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। 11 माह पहले चाकू की नोक पर नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को न्यायालय ने पास को एक्ट में 30 साल की सजा सुनाई है। आरोपी ने नाबालिग को फोटो वायरल करने की भी धमकी दी थी। मिडिया प्रभारी कुलदीप सिंह भदौरिया ने बताया कि 8 अगस्त 2025 को नाबालिग पीड़िता ने थाना महिदपुर में आरोपी अशरफ मुल्तानी के विरूद्ध इस बात की रिपोर्ट की थी कि आरोपी अशरफ मुल्तानी मोटर सायकिल से स्कूल जाते समय उसका पीछा करता है और इशारे कर उसको परेशान करता है तथा आरोपी ने सोशल मीडिया से उसके फोटो लेकर एडिट का उसे ब्लेकमेल करता था तथा धमकी देता था कि उसके बताये स्थान पर नहीं आयी तो उसके एडिट किये हुऐ फोटो वायरल कर देगा और उसके माता-पिता को बता देगा। आरोपी ने फोटो वायरल करने की धमकी देकर आरोपी ने 3 अगस्त 2025 को बुलाया और उसके रूम में बंद कर गर्दन पर चाकू रखकर उसके साथ जबरजस्ती बलात्कार किया और धमकी दी थी कि चिल्लाई तो तुझे जान से खत्म कर दूंगा और यह भी बोला कि तेरे फोटो और वीडियों तेरे मां-बाप को दिखाकर लाखों रूपये लूंगा। पुलिस ने मामले में पास्को एक्ट का प्रकरण दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया और न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया। 11 माह चली सुनवाई के बाद तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश महिदपुर कमलेश सनोडिया ने आरोपी अशरफ पिता इकबाल मुल्तानी को धारा 3/4(2) पॉक्सो एक्ट में 20 वर्ष का कठोर कारावास व धारा 11/12 पॉक्सो एक्ट में 01 वर्ष का सश्रम कारावास व धारा 351(3) भा.न्या.सं. में 2 वर्ष का सश्रम कारावास व कुल 7000/- रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। मामले में कमल सिंह गोयल, विशेष लोक अभियोजक द्वारा पैरवी की गई।

उफनते नाले में बाइक समेत बहा पंचायत का सहायक सचिव

शुक्रवार शाम तक तलाश बेनतीजा-अब डैम में खोज

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। लगातार बारिश के बीच उफनते नालों को पार करना कितना खतरनाक हो सकता है, इसका दर्दनाक उदाहरण इंगोरिया थाना क्षेत्र के गावड़ी लोढ़ा में सामने आया। गुरुवार शाम ड्यूटी से घर लौट रहे पंचायत के सहायक सचिव सूर्यप्रताप सिंह सोनगरा उफनते नाले की पुलिया पार करते समय बाइक सहित तेज बहाव में बह गए। शुक्रवार शाम तक उनका कोई सुराग नहीं लग सका। रेस्क्यू टीम ने घटनास्थल से करीब तीन किलोमीटर तक तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। अब खोज अभियान सेजावता डैम की ओर बढ़ा दिया गया है। डैम का पानी भी खाली कराया गया ताकि तलाश में आसानी हो सके।

जानकारी के अनुसार सूर्यप्रताप सिंह गुरुवार शाम ड्यूटी खत्म कर बाइक से अपने गांव सिजावदा लौट रहे थे। शाम करीब पौने आठ बजे गावड़ी लोढ़ा मार्ग पर स्थित नाले की पुलिया पर पानी का तेज बहाव था। इसी दौरान बाइक का संतुलन बिगड़ गया और वे देखते ही देखते बाइक सहित नाले में बह गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने बचाव का प्रयास किया और इंगोरिया पुलिस मौके पर पहुंच गई। इंगोरिया थाना प्रभारी दीपेश व्यास ने बताया कि रात में ही पुलिस और स्थानीय लोगों ने सर्चिंग शुरू कर दी थी। बाद में बड़नगर और इंगोरिया से आपदा राहत दल के जवान भी विशेष उपकरणों के साथ मौके पर पहुंचे। शुक्रवार सुबह उज्जैन से एसडीआरएफ की 10 सदस्यीय टीम नाव और आधुनिक रेस्क्यू उपकरणों के साथ पहुंची। टीम लगातार नाले और उसके आसपास के क्षेत्र में तलाश कर रही थी।

जगोटी में किसान भी बहा, तैरकर बचाई जान- लगातार बारिश के बीच एक और हादसा ग्राम जगोटी में हुआ। यहां 47 वर्षीय किसान केशुलाल आंजना खेत से लौटते समय खेडा खजूरिया मार्ग की पुलिया पर तेज बहाव में बह गए। उन्होंने हिम्मत दिखाते हुए कुछ दूर तक बहने के बाद तैरकर किनारे पहुंचकर अपनी जान बचा ली, लेकिन उनकी बाइक तेज पानी के बहाव में बह गई। बारिश के चलते जिले में पुल-पुलियों पर तेज बहाव बना हुआ है। प्रशासन लगातार लोगों से उफनते नालों और पुलियों को पार नहीं करने की अपील कर रहा है, लेकिन इसके बावजूद लोग जान जोखिम में डाल रहे हैं। इंगोरिया की घटना के बाद पूरे क्षेत्र में चिंता का माहौल है और सहायक सचिव की तलाश लगातार जारी है।

पुलिसकर्मी की पत्नी ने खाया जहरीला पदार्थ मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस कर्मी की पत्नी ने गुरुवार शाम जहरीला पदार्थ खा लिया था उसे उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां शुक्रवार तड़के उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया है जहरीला पदार्थ खाने का कारण सामने नहीं आ पाया है। 32 वी बटालियन निवासी ममता पति रमेश सोलंकी ने गुरुवार को जहर खा लिया था। हालत बिगड़ने पर उसे निजी असप्ताल में भर्ती किया गया। जहाँ उसकी मौत हो गई। ममता का पति रमेश हेडकांस्टेबल हैं और माधव नगर थाने में पदस्थ हैं। फिलहाल जहर खाने का कारण सामने नही आया है। माधवनगर पुलिस जांच कर रही है।

वर्षा ऋतु में होने वाली बीमारियों एवं उनके बचाव के उपाय

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्षा ऋतु में मुख्य रूप से दूषित जल के उपयोग के कारण होने वाली बीमारियाँ ही प्रमुख रूप से देखी जाती हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला उज्जैन डॉ. अशोक कुमार पटेल द्वारा बताया गया कि दूषित जल के सेवन से टाइफाइड, पीलिया, हैजा, दस्त, आँखों में संक्रमण (कंजक्टिवाइटिस) जैसी बीमारियाँ हो सकती हैं। अतः भोजन बनाने में एवं पेयजल के रूप में शुद्ध उबला हुआ जल का उपयोग करें। कुछ भी खाने के पहले व शौच के पश्चात साबुन से अच्छी तरह हाथ धोएँ।

शुद्ध पेयजल की कमी के कारण देश में जल जनित रोगों से सबसे अधिक यानि लगभग 80 प्रतिशत मौतें होती हैं। विकासशील देशों में शुद्ध पेयजल की कमी एक आम समस्या है। बारिश में यह समस्या बढ़ जाती है। पानी और अस्वच्छ आदतों से फैलने वाली बीमारियों में दस्त/कृषि संक्रमण/तेज बुखार, आँखों के रोग/मच्छरों एवं मक्खियों से फैलने वाले रोग शामिल हैं।

दूषित पानी के कारण मुख्य रूप से दस्त रोग फैलता है। यह रोग बच्चों में अधिक गंभीर रूप धारण कर सकता है। यह रोग इसलिए भी गंभीर है क्योंकि शरीर से पानी निकल जाने से बच्चे की मृत्यु भी हो सकती है। दस्त रोग की रोकथाम हेतु शुद्ध पेयजल एवं शुद्ध भोजन का उपयोग करें। सड़े गले फल एवं खाद्य पदार्थों का उपयोग न करें। खाना खाने से पहले एवं शौच के बाद साबुन से अच्छे हाथ धोएँ। खुले शौच न करें।

बारिश आई तो मक्खी-मच्छरों ने बढ़ाई मुसीबत

जिला अस्पताल में रोज 150 से ज्यादा मरीज, दावों में उलझे स्वास्थ्य और मलेरिया विभाग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बारिश के बीच शहर में मक्खियों और मच्छरों का प्रकोप तेजी से बढ़ गया है। हालात यह हैं कि घरों से लेकर बाजारों, सड़कों और सार्वजनिक स्थानों तक मक्खियों की भरमार है। इससे लोगों की परेशानी बढ़ गई है और वर्षाजनित बीमारियों के मरीजों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। दूसरी ओर स्वास्थ्य विभाग और मलेरिया विभाग लार्वा खोजने, दवा का छिड़काव करने और रोकथाम अभियान चलाने के दावे कर रहे हैं, लेकिन जमीनी हालात पोल खोल रहे हैं।

जिला अस्पताल के चिकित्सक डॉ. जितेंद्र शर्मा ने बताया कि बारिश के मौसम में होने वाली बीमारियों के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। अस्पताल की ओपीडी में प्रतिदिन 150 से अधिक मरीज बुखार, उल्टी-दस्त, पेट संक्रमण और अन्य वर्षाजनित बीमारियों के इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। उनका कहना है कि गंदगी और मक्खियों की बढ़ती संख्या संक्रमण फैलाने का बड़ा कारण बन रही है। ऐसे मौसम में लोगों को साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए और दूषित भोजन व पानी से बचना चाहिए। शहर के कई इलाकों में नालियों का गंदा पानी जमा है। जगह-जगह कचरे के ढेर और जलभराव के कारण मक्खियों और मच्छरों की संख्या लगातार बढ़ रही है। रहवासी शिकायत कर रहे हैं कि सुबह से लेकर रात तक मक्खियों का इतना ज्यादा प्रकोप है कि घरों में खाना खाना और दुकानों पर बैठना तक मुश्किल हो गया है। इधर मलेरिया विभाग का दावा है कि शहर में लगातार लार्वा सर्वे किया जा रहा है और मच्छरों की रोकथाम के लिए दवा का छिड़काव भी कराया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग भी बीमारी रोकने के लिए अभियान चलाने की बात कह रहा है। लेकिन सवाल यह है कि यदि कार्रवाई प्रभावी है तो शहर में मक्खियों और मच्छरों का प्रकोप कम क्यों नहीं हो रहा? अस्पतालों में मरीजों की बढ़ती संख्या और शहर में फैली गंदगी विभागीय दावों पर सवाल खड़े कर रही है। बारिश का दौर अभी जारी है। ऐसे में यदि सफाई व्यवस्था, जल निकासी और मच्छर-मक्खी नियंत्रण पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो आने वाले दिनों में डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा और बढ़ सकता है। शहरवासियों का कहना है कि केवल कागजी दावों से नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर ठोस कार्रवाई की जरूरत है, ताकि बीमारी फैलने से पहले हालात पर नियंत्रण पाया जा सके।

एमडी ड्रग्स के साथ गिरफ्त में आये युवको से रिमांड पर पूछताछ

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ऑटो में सवार दो युवकों के पास मादक पदार्थ होने की सूचना मिलने पर पुलिस ने घेराबंदी की और उन्हें पकड़ा तो उनके पास से 112.35 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हो गई। दोनों को शुक्रवार दोपहर न्यायालय में पेश किया गया जहां से पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया गया है। ड्रग्स और ऑटो की कीमत 60 लाख रुपए होना सामने आई है।

नीलगंगा थाना पुलिस ने बताया कि कि खबर मिली थी कि आटो क्रमांक एमपी 13 आर 5205 में सवार 2 युवकों के पास मादक पदार्थ होने की सूचना मिली थी। मुखबिर ने बताया कि दोनों युवक सावराखेड़ी पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास किसी का इंतजार कर रहे हैं। मादक पदार्थ लेकर आए युवकों की जानकारी मिलते ही उनकी गिरफ्तारी के लिए घेराबंदी की गई। दोनों को पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास से पकड़ा गया। पूछताछ करने पर उनके नाम शादाब पिता शेरू खान 29 साल और दाऊद पिता हमीद खान 22 साल निवासी बेगमपुरा थाना महाकाल सामने आये। दोनों की तलाशी लेने पर उनके पास से मादक पदार्थ एमडी ड्रग्स बरामद हो गया। दोनों को थाने लाया गया और आटो जप्त किया गया। उनके बरामद एमडी ड्रग्स 112.35 ग्राम थी। आटो ढाई लाख और ड्रग्स की कीमत 57.50 लाख रूपये पाई गई। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट का प्रकरण दर्ज किया गया है। शुक्रवार दोपहर दोनों को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया गया। प्रारंभिक पूछताछ में दोनों ने आगर के पास से ड्रग्स लाना कबूल किया है पुलिस ड्रग्स उपलब्ध कराने वाले की तलाश कर रही है।

चिंतामन गणेश मंदिर का गर्भगृह चांदी की आभा से दमका

गुप्त दानदाता ने दी 35 किलो चांदी- 15 दिन में हुआ कार्य, दीवारों पर की गई आकर्षक नक्काशी और वर्क

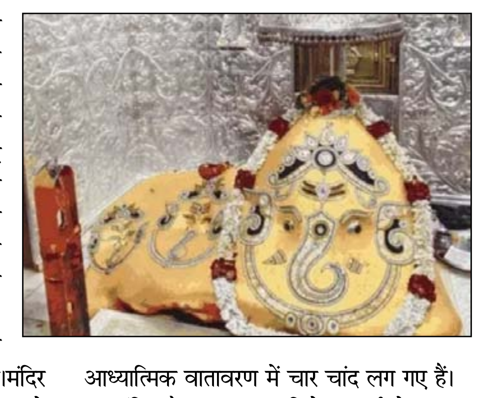

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व प्रसिद्ध चिंतामन गणेश मंदिर का गर्भगृह अब चांदी की चमक से जगमगा उठा है। एक गुप्त दानदाता द्वारा करीब 35 किलो चांदी दान किए जाने के बाद गर्भगृह की दीवारों पर आकर्षक चांदी की नक्काशी और वर्क का कार्य कराया गया है। इस भव्य कार्य के पूरा होने के बाद मंदिर का गर्भगृह पहले की तुलना में अधिक आकर्षक, भव्य और दिव्य दिखाई देने लगा है।

श्रद्धालुओं के लिए यह नया स्वरूप विशेष आकर्षण का केंद्र बन गया है।मंदिर प्रशासन के अनुसार उज्जैन के एक श्रद्धालु ने अपनी पहचान सार्वजनिक नहीं करने की इच्छा जताते हुए करीब 35 किलो चांदी दान की। इस चांदी की कीमत 85 लाख रुपए से अधिक बताई जा रही है। दानदाता की इच्छा के अनुरूप उनका नाम गोपनीय रखा गया है। इस चांदी से गर्भगृह की दीवारों पर विशेष डिजाइन तैयार कर कलात्मक नक्काशी की गई, जिससे मंदिर की सुंदरता और आध्यात्मिक वातावरण में चार चांद लग गए हैं।

मंदिर के प्रशासक अभिषेक शर्मा ने बताया कि चांदी का पूरा कार्य करीब 15 दिनों में संपन्न हुआ। पहले कारीगरों ने चांदी की डिजाइन और नक्काशी तैयार की, इसके बाद उसे गर्भगृह की दीवारों पर सावधानीपूर्वक स्थापित किया गया। उन्होंने बताया कि इस कार्य से गर्भगृह की भव्यता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और श्रद्धालु भी नए स्वरूप की सराहना कर रहे हैं।

प्राचीन आस्था का प्रमुख केंद्र- उज्जैन शहर से लगभग छह किलोमीटर दूर ग्राम जवास्या में स्थित चिंतामन गणेश मंदिर प्रदेश के सबसे प्राचीन और प्रसिद्ध गणेश मंदिरों में शामिल है। धार्मिक मान्यता के अनुसार यहां विराजित भगवान गणेश की प्रतिमाएं स्वयंभू हैं। मंदिर के गर्भगृह में भगवान गणेश के तीन स्वरूपों चिंतामण, इच्छामन और सिद्धिविनायक के दर्शन एक साथ होते हैं। मान्यता है कि चिंतामण स्वरूप भक्तों की चिंताओं का निवारण करते हैं, इच्छामन स्वरूप मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं, जबकि सिद्धिविनायक सफलता और सिद्धि का आशीर्वाद प्रदान करते हैं। इसी आस्था के कारण वर्षभर देशभर से हजारों श्रद्धालु यहां दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। गर्भगृह में चांदी की नक्काशी और वर्क का यह नया कार्य मंदिर की धार्मिक गरिमा के साथ-साथ उसकी स्थापत्य सुंदरता को भी नई पहचान दे रहा है। श्रद्धालुओं का कहना है कि चांदी से सजे गर्भगृह में भगवान के दर्शन अब और भी अधिक दिव्य एवं मनोहारी अनुभव प्रदान कर रहे हैं।

सभी विभाग सिंहस्थ 2028 के प्रचलित कार्यों में गुणवत्ता और समय सीमा का ध्यान रखें- संभागायुक्त श्री सिंह

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह ने शुक्रवार को सिंहस्थ 2028 के लिए विभिन्न विभागों के माध्यम से प्रचलित निर्माण कार्योंकी समीक्षा बैठक ली। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने सिंहस्थ के अंतर्गत कार्य कराने वाले सभी विभागों के अधिकारियों को निर्माण कार्यों को पूर्ण करने के लिए समन्वय करते हुए निर्माण कार्य की गति तेज करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत विभिन्न विभागों के माध्यम से विकास कार्य प्रगतिरत है। निर्माण कार्यों की जानकारी लेने के लिए शुक्रवार को संभागायुक्त श्री आशीष सिंह ने समीक्षा बैठक ली। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने सिंहस्थ के तहत निर्माणाधीन सभी तरह के कार्यों की प्रगति की जानकारी लेने के बाद सभी विभागों को निर्माण कार्यों को पूर्ण करने के लिए सभी विभागीय अधिकारियों को समन्वय के साथ कार्य की प्राथमिकता तय करने के निर्देश दिए है। संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि संबंधित विभाग के अधिकारी मौके पर मौजूद रहकर संसाधन बढ़ाकर बारिश के दौरान किए जाने वाले कार्य पूर्ण करने की दिशा में अग्रसर रहें। संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि सिंहस्थ के सभी कार्य महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर जो कार्य प्रगतिरत है, वे सभी कार्य गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूर्ण किए जाएं। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रेयांस कूमट, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी श्री गोपाल डाड भी उपस्थित थे।

बैठक में कान्ह डायवर्सन, घाट निर्माण कार्य, हरिफाटक ब्रिज के समीप अंडरपास निर्माण कार्य, श्री कालभैरव-सिद्धवट भैरवगढ़ चौराहा तक चौड़ीकरण कार्य, महामृत्युंजय द्वार से नानाखेड़ा मार्ग निर्माण कार्य, नवीन सर्किट हाउस निर्माण कार्य, हॉस्टल निर्माण, सिंहस्थ बायपास मार्ग निर्माण कार्यों सहित अन्य विभागों के माध्यम से प्रचलित निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। संभागायुक्त श्री सिंह ने विभागीय अधिकारियों को सभी कार्य समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। पीपी बैठक के दौरान जल संसाधन, नामामि शिप्रे, मप्रपक्षेविविकंलि, पुलिस हाउसिंग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, भवन विकास निगम, लोक निर्माण विभाग, सिंहस्थ डिवीजन, पीआईयू, सेतु, राष्ट्रीय राजमार्ग, सड़क विकास निगम सहित संबंधित विभागों के प्रचलित कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

किसान ने किया अमृत सरोवर निर्माण, जल संरक्षण एवं कृषि विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जनपद पंचायत तराना की ग्राम पंचायत सुचाई अंतर्गत मनरेगा योजना के तहत ग्राम लसुड़ियाधांदा में किसान मेहरबान सिंह के खेत के समीप स्थित पुराने सूखे हुए तालाब स्थल पर अमृत सरोवर का निर्माण सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। यह परियोजना क्षेत्र में जल संरक्षण को बढ़ावा देने के साथ-साथ किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित होगी।

अमृत सरोवर के निर्माण कार्य के लिए 24.91 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त हुई, जिसके विरुद्ध 24.87 लाख रुपये व्यय किए गए। निर्माण कार्य 27 अप्रैल 2025 को प्रारंभ होकर 20 मई 2026 को पूर्ण हुआ। इस अवधि में मनरेगा के माध्यम से 5,892 मानव दिवस का सृजन हुआ। संपूर्ण कार्य ग्राम पंचायत सुचाई द्वारा कार्यकारी एजेंसी के रूप में सफलतापूर्वक संपादित किया गया।

ग्राम लसुड़ियाधांदा में पूर्व से एक बड़ा तालाब मौजूद था, जो समय के साथ पूरी तरह सूख चुका था। गांव की लगभग 300 की आबादी तथा 80 किसान परिवार प्रतिवर्ष मध्य वर्षा ऋतु के बाद गंभीर जल संकट का सामना करते थे। जल स्त्रोतों में पानी जनवरी माह तक ही उपलब्ध रहता था, जिससे सिंचाई के अभाव में किसानों की फसलें प्रभावित होती थीं और कृषि उत्पादन पर प्रतिकूल असर पड़ता था।

इस समस्या के स्थायी समाधान के उद्देश्य से निर्मित अमृत सरोवर से क्षेत्र में जल संग्रहण क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। परियोजना से लगभग 11,400 ग्रामीणों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। साथ ही 30 से 35 हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे लगभग 80 किसान परिवारों को सीधा लाभ प्राप्त होगा।

अब घर पहुंचकर वसूले जाएंगे ई-चालान के बकाया, निजी एजेंसी करेगी रिकवरी

उज्जैन स्मार्ट सिटी ने शुरू की प्रक्रिया, फोन-मैसेज के बाद जरूरत पड़ने पर घर जाकर करेंगे संपर्क- अगस्त से शुरू हो सकती है व्यवस्था

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में यातायात नियम तोड़ने के बाद ई-चालान बनवाकर भी राशि जमा नहीं करने वाले वाहन चालकों पर अब सख्ती होने जा रही है। उज्जैन स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने लंबित और नए ई-चालानों की वसूली के लिए निजी एजेंसी नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। एजेंसी वाहन मालिकों से संपर्क कर बकाया राशि जमा कराएगी। जरूरत पड़ने पर कर्मचारी उनके घर तक भी पहुंचेंगे।

शहर में नवंबर 2020 से इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) के जरिए एएनपीआर कैमरे, रेड लाइट वायलेशन डिटेक्शन सिस्टम और स्पीड कैमरों से यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के ई-चालान बनाए जा रहे हैं। इसके बावजूद बड़ी संख्या में चालान की राशि अब तक जमा नहीं हो सकी है। इसी को देखते हुए स्मार्ट सिटी ने ई-टेंडर जारी कर वसूली एजेंसी नियुक्त करने का फैसला लिया है। अगस्त से यह व्यवस्था शुरू होने की संभावना है।

एजेंसी वाहन मालिकों को फोन कॉल, एसएमएस, व्हाट्सएप, ई-मेल और ऑनलाइन पेमेंट लिंक भेजकर भुगतान के लिए प्रेरित करेगी। यदि इसके बाद भी राशि जमा नहीं होती है तो फील्ड कर्मचारी संबंधित पते पर जाकर संपर्क करेंगे। प्रत्येक वाहन मालिक से कम से कम तीन बार संपर्क करना अनिवार्य रहेगा। पूरी प्रक्रिया डिजिटल रिकॉर्ड के साथ होगी और एजेंसी को किसी भी प्रकार की कानूनी कार्रवाई या दबाव बनाने का अधिकार नहीं होगा। स्मार्ट सिटी ने एजेंसी के लिए हर महीने कम से कम 12 लाख रुपये की वसूली का लक्ष्य तय किया है। लक्ष्य पूरा नहीं होने पर भुगतान में कटौती होगी, जबकि छह लाख रुपये से कम वसूली होने पर कोई भुगतान नहीं किया जाएगा। एजेंसी को वास्तविक वसूली के आधार पर ही कमीशन मिलेगा। डेटा सुरक्षा के लिए भी सख्त प्रावधान किए गए हैं। डेटा लीक होने पर 50 हजार रुपये तक का जुर्माना और अनुबंध समाप्त करने का प्रावधान रहेगा। अधिकारियों का मानना है कि नई व्यवस्था लागू होने से लंबित ई-चालानों की वसूली में तेजी आएगी और यातायात नियमों का पालन भी बेहतर होगा।